हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

1 फरवरी, 1999

खण्ड–1 अंक–3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 1 फरवरी, 1999

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र ान एवम उतर	(3)1
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे हए तारांकित प्र ान के लिखित उतर	(3)16
अतारांकित प्र ान एवम उतर	(3)23
ध्यानाकर्शण प्रस्तावो की सूचनाए	(3) 27
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)28
बैठक को स्थगन/सभा का पुन समवेत होना	(3)42
भाब्दो को निकालने/वापिस लेने सबंधी मामला	(3)44
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)50
बैठक का समय बढाना	(3)59
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)59
बैठक का समय बढाना	(3)86
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)86

वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(3)91
(1).. प ाुपालन मंत्री द्वारा	(3)91
बैठक का समय बढाना	(392
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
(i) श्री सम्पत सिह द्वारा	
(ii) प ा पालन मंत्री द्वारा	
(iii) श्री सम्पत सिंह द्वारा	
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)93

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 1 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में 2.00 बजे (अपरान्ह) हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवम उतर

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब सवाल होगे।

Providing of Syphon on Drain No. 8

797. Shri Devraj Dewan: Will the Minister of State for Irrigation be please to state-

(a) whether it is fact that there is no drainage system in Anandpur & Jharoat Villages of District Sonepat due to which water is accumulated there in every rainy season:

(b) whether it is also fact that the rainy water is still stanidng in the fields of aforesaid villages

(c) the time by which the sanding water of the villages referred to in part (b) above is likely to be drained out; and

(d) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide a syphon on drain No. 8 so that the water may not be accumulated in the fields of the village as refferred to in part (a) above.

सिचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) तथा (ख) नही, श्रीमान जी।

(ग) उपरोक्त (क) तथा (ख) के अनुसार किसी कार्यवाही की आव यकता नही है।

(घ) नही, श्रीमान जी।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहता हू कि आनेदपूर और झरोड गावो मे बरसात के दिनो मे स्कूलो मे इतना पानी खडा हो जाता है कि वह एक जोहड का रूप ले लेता है जिसकी वजह से उस से बच्चो के डूबने की आ ांका बनी रहती है। इसके इलावा खेतो मे इतना पानी खडा है कि आज भी उस क्षेत्र के किसानो परे ाानी मे है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से मंत्री जी से विनती है कि इन गावो की और ध्यान देने का कश्ट करे। ये ऐतिहासिक गांव है जहं उस दे ा आजाद होने के बाद आज तक कभी चुनाव नही हुए हैं। (विध्न) वहा पर कभी पचो या सरपचो के चुनाव नही हुए है। पंच या सरपंच सर्वसम्मति से चुने लिए जाते है। इसलिए जिस प्रकार ये ये गाव सरकार का पैसा बचा रहे है सरकार का भी कर्तव्य बनता है इन गावो की समस्याओ की और ध्यान दे।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जो सवाल दीवान साहब के आंनदपुर और झरोट गावो के बारे मे किया है, वे दोनो गाव ही सोनीपत जिले मे है और वहां पर लिक ड्रैन पहले से ही बनी

हुई है। उस लिंक ड्रेन का पानी ड्रेन न0 8 मे गिरता है। उसमे चूक यह हुई थी कि जब ड्रैन की गाद वगैरह निकालने का और सफाई का काम भाुरू हुआ था तो उस समय कुछ मिटटी उस लिक ड्रैन की पटरी पर गिरा दी गई थी और वह मिटटी उसी मे वापिस मिल गई जिसकी वजह से 160 एकड जमीन मे पानी भर गया था। वह बारि ा का पानी पूरी तरह से 15.11.1998 तक निकाल दिया गया है। जहा तक उस पर साइफन बनाने की बात है, मै माननीय साथी को बताना चाहूगा कि वहां पर साइफन बनाने की जरूरत नही है। इसका अर्थ तो दूसरा होता है। डब्लयू0आर0सी0पी0 के तहत सोनीपत का निर्माण परिमण्डल इसके इनलैट को पक्का करने का कार्य कर रहा है, उसके बाद इस इस ड्रैन मे कभी पानी खडा नही होगा, वह डी0डी0 8 के द्वारा निकल जाएगा तथा उन गावो मे कभी भी बारि ा का पानी खडा नही रहेगा।

श्री अध्यक्षः इन्होने तो यह रोश प्रकट किया है कि उनकी सम्सयाओ की तरफ ध्यान नही दिया गया है। आप ध्यान दीजिए।

श्री हर्श कुमाराः अध्यक्ष महोदय, जहा तक ध्यान देने की बात है, मै विज्ञापन दिलाना चाहूगा कि हर साथी की समस्याओ पर पूरा ध्यान दिया जाता है। लेनिक यहा तो समस्या यह है कि दीवान साहब पे ो से कृशक नही है, इसलिए ये ठीक से प्र ान करने मे भी चुक गए है। जैसे इन्होने इनलैंट की जगह

साईफन का नाम दे दिया । अगर इनका सवाल ही होगा तो उसका जवाब देने मे हमे कोई परे ाानी नही होगी। कभी कभी तो हम इनके सवाल के पूछने के तरीके की वजह से ही उलझन मे पड जाते है। इसलिए मै आपके माध्यम से अपने साथी को कहूगा कि अगर इनको वास्तव मे कोई दिक्कत है तो मै उन के साथ मौके पर जाने के लिए तैयार हू क्योकि किसानो की समस्याए दूर करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूगा कि जैसे कि मंत्री महोदय ने अभी अभी फरमाया कि मै पे ो से कृशक नही हू। यह ठीक बात नही है। मै आज भी 60 एकड जमीन मे खेती करता हू। (विघ्न) मै स्पश्ट कर देना चाहता हू कि 22.11.1998 का उन गावो की पचायतो का प्रस्ताव मेरे पास है, जिसमे उन्होने लिखा है कि वहा पर खेतो मे पानी अभी भी भरा हुआ है।

श्री हर्श कुमाराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि इनका इस बारे मे जो रैजौल्यू ान है वह 5.11.1998 का है जबकि मेरा रैजील्यू ान 15. 11.1998 का है। इन दोनो रैजौल्यू ान मे 10 दिन का अतंर है। इसलिए मै इनको बताना चाहूगा कि 16.11.1998 तक वहां पर जमीन मे पानी खडा नही है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, अगर मंत्री जी को मेरी बात पर वि वास नही है तो ये मेरे साथ वहां पर चले, मै इनको मौके पर जाकर दिखा दूगां कि वहां पर आज भी पानी जमीन मे खडा है या नही। अध्यक्ष महोदय, वहां जमीन पर आज भी पानी खडा हुआ है।

श्री हर्श कुमाराः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहता हू कि इनके हल्के के इन दो गावो के अलावा भढाना आदि दूसरे गावो मे भी अगर पानी खडा होगा तो हम उसकी निकासी करेगे तथा दूसरे किस्म की कोई और परे ाानी किसान को होगी तो उसको भी दूर करेगे। अध्यक्ष महोदय, मै मौके पर जाकर दौरा करके आया हू, वहा पर पानी नही है लेकिन फिर मै अपनी मर्यादा मे रहकर अपनी और से इनकी परे ाानियो को दूर करने की कोि ा ा करूगां।

श्री अध्यक्षः दीवान साहब आपने कुछ और पूछना है?

श्री देवराम दीवानः सर, नही धन्यवाद।

Loss suffered to the crops due to unitmely Rain

799. @ Shri Sampat Singh,

Shri Dev Rag Dewan, and Shri Dhri Pal Singh: Will the Minister be pleased to state-

(a) the districtwise acreage of crops totally/partially damaged in the state due to the untimely rains during the year 1998-99:

(b) whether any memotandum/representation was made by the State Government to the Union Government for seeking financial assistacne; if so the details thereof; and

(c) whether any compersation has been given to the farmers for the aforesaid loss; if so, the per acre amount thereof?

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल):

(क) अक्तूबर, 1998 मे हुई बेमौसमी वर्शा तेज हवाओ से फसलो को हुए नुकसान का जिलवार विवरण संलग्न सूची मे दिया गया है।

(ख) जीं हां। बेमोसमी वर्शा व तेज हवाओ के कारण हुइ तबाही बारे एक ज्ञापन भारत सरकार को 757.29 करोड रूपए की वितिय सहायता प्राप्त करने हेतू भेजा गया था जिसमे 522.25 करोड रूपए कृशि क्षेत्र से सम्बन्धित है।

(ग) मुआवजा देने सम्बन्धी मामला राज्य सरकार के विचारधीन है।

विवरण

Sr.	Name of	1 to	26 to	51 to	76 to	Total

No.	District	25%	50%`	75%	100%	
1.	Ambala	0	12881	2217	2489	17587
2.	Bhiwani	3097	2761	1023	9071	15952
3.	Faridabad	4707	2831	1357	15608	24503
4.	Fatehbad	0	8595	21255	51087	80937
5.	Gurgaon	428	1135	225	0	1788
6.	Hisar	20625	20796	27107	59407	127935
7.	Jhajjar	0	16972	7430	452	24854
8.	Jind	1442	79967	39355	56604	177368
9.	Katihal	1734	9611	47001	32635	90981
10.	Karnal	0	4305	3200	9861	17366
11.	Kurukshetra	0	1269	345	2165	3779
12.	Narnaul	0	0	0	0	0
13.	Panchkula	0	0	0	0	0
14.	Panipat	0	2102	1241	1431	4774
15.	Rewari	0	0	0	0	0
16.	Rohtak	3195	31096	6563	3472	44326
17.	Sirsa	0	0	1393	504	1897
18.	Sonepat	5267	30450	18832	9530	64079

19.	Y. Nagar	2613	4332	1251	2117	10313
		43108	229103	179795	256433	708439

G. Total+ 708439 Acres.

श्री सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने जो फिगर्ज दी है उनसे पता चलता है कि 708439 एकड भूमि पर खडी फसल बरबाद हो गइ। मै माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि आज के दिन कितनी ऐसी जमीन है जिस पर रबी की फसल की बिजलाई नही हुई। अध्यक्ष महोदय, आज से लगभग 4 साल पहले 1995 मे बाढ आई थी और जमीन मे पानी भर गया था जिसकी वजह से पिछले 4 सालो से कई बिजाई नही हो रही, इस बारे मे मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि किनती जमीन ऐसी है जिसमे पिछले 4 साल से बिजलाई नही हुई, कितनी जमीन ऐसी है जिस पर पिछले 3 साल से बिजाई नही हो रही, कितनी जमीन ऐसी है जिस पर पिछले 2 साल से बिजाई नही हो रही और कितने जमीन ऐसी है जिस पर पिछले एक साल से बिजाई नही हो रही ? माननीय मंत्री महोदय कृपया इस बारे मे बताये। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हू कि इन्होने इस बारे मे भारत सरकार को सेंट्रल ऐड के बारे मे लिखा है या नही, अगर लिखा है तो इनको सैट्रंल ऐड मिली, अगर नही मिली तो इन्होने इस बारे मे क्या प्रयास किये तथा ये कह रहे है कि मुआवजा देने का कार्यक्रम अंडर कसीड्रे ान है, ये

किसानो को मुआवजा कब तक दे देगे? किसानो ने दूसरी फसल की बिजाई करके और पैसा भी खर्च कर दिया है।

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जहां तक अनसोईग जमीन का सवाल है, वह 19448 एकड है। जहां तक मुआवजे का सवाल है 75725 करोड रूपये की वितीय सहायता प्राप्त करने के लिए एक ज्ञापन भारत सरकार को भेजा जा चुका है और इस बारे मे भारत सरकार की एक टीम 26 तारीख से 28 तारीख तक हरियाण प्रदे ा के दौरे पर भी आई थी। अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार से इस बारे मे ऐड लेने के लिए मुख्यमंत्री महोदय ने 2–3 रिमाईडर्ज भी दिये है तथा बात भी की है लेकिन वहां से किसी प्रकार की वितीय सहायता नही मिली। जंहा तक फसल बरबाद होने का सवाल है 708439 एकड भूमि की फसल बरबाद हुई है। अध्यक्ष महोदय, जो अनसोईग जमीन है वह 19448 एकड के करीब है और जहां तक मुआवजे की बात है, उसके लिये आपको पता ही कि बजट मे हमारे पास कोई साधन नही है लेकिन हमारी सरकार फिर भी नोर्मज के अनुसार जितनी जमीन मे नुकसान हुआ है उसमे 1 से 25 प्रति ात से 50 प्रति ात और 50 से 75 प्रति ात तथा 75 से 100 प्रति ात तक नुकसान के हिसाब से अलग अलग मुआवजे की रा ि ा देगी और इन सबको मिलाकर यह रा ि ा लगभग 30 करोड बनती है। यह रा ि ा हमारी सरकार मुआवजे के रूप मे जरूर देगी।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै यह भी जानना चाहता हू कि जिन किसानो के खेतो मे पिछले दो साल से, तीन साल से और चौथा साल भी अब चल रहा है, फसले नही हो पाई, उनके लिये आप क्या कर रहे है? मंत्री जी ने मुआवजा देने की जो बाते कही है कि 30 करोड रूपया नुकसान के हिसाब से बनता है, वह किस हिसाब से बनाया है, क्या प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा देगे या नुकसान के हिसाब से मुआवजा देगे, यह मुआवजा देगे, यह मुआवजा वे कब देगे तथा कहां से देगे ?

श्री सूरजपाल सिंहः स्पीकर साहब, सरकार की तरफ से जो नोर्मज फिक्स किये गये है उनके अनुसार जिन किसानो की फसलो का 75 प्रति ात से 100 प्रति ात नुकसान हुआ है उनको 750 रूपये प्रति एकड मुआवजा दिया जायेगा। 50 प्रति ात से 75 प्रति ात तक जिनका नुकसान हुआ है उनको 450 रू0 प्रतिमाह एकड मुआवजा दिया जायेगा तथा उससे कल जिनका नुकसान हुआ है उनको 300 रू प्रति एकड मुआवजा दिया जायेगा। जहां तक पिछले दो साल या तीन साल से फसले न होने का सवाल है, राज्य सरकार मे अनसोइंग जमीन के सम्बन्ध मे किसी प्रकार का कोई क्राइटेरिया फिक्स नही है जिससे कि मुआवजा दिया जा सके।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को यह बताना चाहता हू कि मेरे हल्के के कुछ गावो मे किसान तीन तीन साल से फसले नही बो सके और अभ भी

उनके खेतो मे पानी खडा है। जिनको पास एक एकड, 2 एकड, 3 एकड जमीन है और उसका तीन तीन साल बिजाई न कर पाने से नुकसान हो गया है वे लोग कहा से खाएगे तथा उनका क्या हाल होगा? क्या मंत्री जी इस और कोई ध्यान देगे ?

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले अनसोंइग एरिया के बारे मे बता दिया है, जहां तक इनके जिले सोनीपत की बात है, मेरे पास ऐकुरेट फिगरज यहां मौजूद है। मै आपके माध्यम से सोनीपत जिले के बारे मे माननीय सदस्य श्री दीवान को बता देता हू कि सोनीपत जिले मे कुल 64079 एकड जमीन का रकबा ऐसा बनता है जंहां पर फसल का नुकसान हुआ है। माननीय सदस्य जो दो गांव बता रहे थे उन दो गावो का ही नही बल्कि इनके पूरे जिले के इस रकबे का जो नुकसान है उसके लिए मुआवजा हमारी राज्य सरकार के जो नोर्मज फिक्स है उसके हिसाब से जरूर दिया जायेगा।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके मंत्री को बताना चाहूंगा कि जो 19448 एकड जमीन बगैर बिजाई के रह गई है मेरी जानकारी के अनुसार जिन किसानो ने धान, बाजरा या दूसरी फसलो के लिए बिजाई की थी और बारि ा मे उनकी फसले नश्ट हो गई है उन से भी नहरी आबियाना लिया जा रहा है। क्या मंत्री जी बताएगे कि जंहा किसानो की 100 प्रति ात नश्ट हो चुकी है या जिन्होने ट्यूबवैलो से खेती की है, क्या

सरकार ऐसा कोई कदम उठाने जा रही है जिससे कि उनको बिजली के बिलो मे या नहरी आबियान मे कोई लाभ मिल सके ?

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह आबियान का सब्जैक्ट राजस्व विभाग से संबधित नही है। फिर भी मै इनको बताना चाहता हू कि ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है।

श्री बीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, पिछले दिनो समाचार पत्रो मे यह आया था कि जिस किसान की आशाढी की यह फसल बाढ का पानी खडा होने के कारण नही बीजी गई उसको 3 हजार रूपए प्रति एकड के हिसाब से मदद दी जाएगी। अभी मंत्री जी ने वह जमीन 20 हजार एकड के लगभग बताई है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी जानना चाहता हू कि क्या सरकार किसानो की मदद के लिए ऐसा कोई कदम उठाने जा रही है या यह बात समाचार पत्रो तक ही सीमित है ?

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सामचार पंत्रो नही क्या क्या छप जाता है। ऐसा कोई प्रावधान नही है और न ही 3 हजार रूपए, प्रति एकड के हिसाब से किसी प्रकार का पैसा भारत सरकार से हमारे पास आया है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै भारत सरकार की बात नही कर रहा हू। मै तो मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि क्या हरियाणा सरकार ने ऐसी कोई घोशणा की है जिसमे जिन

किसानो की जमीनो की, बाढ का पानी खडा होने के कारण, बिजलाई नही हुई यानि यह आशाढी की फसल नही बीजी गई उन किसानो को तीन हजार रूपए प्रति एकड के हिसाब से मदद दी जाएगी ?

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार की ओर से ऐसी कोई घोशणा नही की गई।

श्री बीरेन्द्र सिंहः जो समाचार पत्रो मे आया क्या वह गलत था ?

श्री सूरजपाला सिंहः जी हां, वह गलत था।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो फिग्गर्ज बताई है उनमे इन्होने रिवाडी के बारे मे जीरो फिग्गर दी है। स्पीकर साहब, मसानी ब्राच की दीवार जो 6 फुट ऊंची की गई है उसकी वजह से उस एरिया मे 14–15 गावो की फसले तबाह हो गई है। उन गावो की सौ फीसदी किसानो की फसले खराब हो गई है। क्या मंत्री जी की नालेज मे यह बात है ?

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूगा कि रिवाडी जिले मे ऐसा कोई क्षेत्र नही है जंहा पर किसानो की फसले मसानी ब्राच के कारण तबाह हुई है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, आप वहा पर टीम भेज कर पता करवा ले वहा पर 14–15 गावो की फसल खराब हुई है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब मै आपसे यह जानना चाहता हू कि मसानी ब्राच के कारण ऐसी कौन से गांव है जंहा पर फसले खराब हुई है। मै भी वही का रहने वाला हू मुझे तो वहा पर कोई फसल खराब हुई नजर नही आई।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, रालियावास, निगनियावास, निखरी और जडथल गावो के किसानो की फसल मसानी ब्राच के कारण तबाह हुई है। कम से कम वहां पर 14 गावो की फसले तबाह हुई है।

श्री अध्यक्षः जडथल मे कोई फसल खराब नही हुई है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने ओरिजनल सवाल पूछा था कि कुछ गावो की ऐसी जमीने है जिनमे लगातार 3–4 साल से बिजाई नही हो रही है। मंत्री जी ने अभी बताया कि मुआवजा इस इस हिसाब से दिया जाएगा लेकिन जिस हिसाब से किसानो को मुआवजा दिया जाएगा वह बहुत पुराना सिस्टम है आज महंगाई बहुत ज्यादा बढ गई है। मै यह जानना चाहता हू कि क्या मुआवजा बढाया जाएगा और किसानो को जो मुआवजा दिया जाएगा वह कब तक दे दिया जाएगा ? मुख्यमंत्री जी ने कैथल मे ब्यान दिया था कि किसानो को फसल खराब होने पर मुआवजा

देगे तो सरकार वह कब तक दे रही है ? किसानो की फसले अक्तूबर मे खराब हो गई थी इसलिए मंत्री जी वह बताए कि किस तारीख तक या किस महीने तक किसानो को मुआवजा दे देगे ?

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय साथी को बताना चाहूगा कि ऐसा कोई प्रावधान नही है कि अनसोईग एरिया रहा हो और उसका मुआवजा दिया गया हो। अनसोइग एरिया के लिए मुआवजा देने को कोई प्रावधान नही है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी को ज्ञान होगा क्योकि वह एरिया गिरदावरी मे भी आया होगा। मंत्री जी यह बताए कि पिछले 3–4 साल से जंहां लगातार फसले नही हुई, वह कितनी जमीन है? वह जमीन गिरदवारी मे भी तो आई होगी।

श्री सूरजपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मैने बार बार यह बताया है कि लगभग 20 हजार एकड जमीन मे फसल नही हुई है। जो 30 करोड रूपयश मुआवजा का किसानो को देना है वह भीघ्र ही दे दिया जाएगा।

Prices of Essential Commodities

807 Capt. Ajay Singh Yadav: Will the Minister for Food & Supplies be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there is a sudeen rise in the prices of onion, patatoe. Tomatoe, vegetables & salt. edible oil. pulses and other essential commodities in the State. if so, the reasons there of, and

(b) the steps so far taken or prposed to be taken to control the prices of the aforesaid essential commodities?

खादय एवम आपूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): (क) तथा (ख) एक विवरणी सभा के पटल पर रखी है।

विवरण

(अ) हां महोदय, वर्श 1998 के दूसरे मध्य मे प्याज, आलू तथा अन्य सब्जियो के बारे मे कुछ सीमा तक कीमतो मे अचानक वृद्धि हुई थी। नमक की कीमते फिर भी स्थिर रही। यहा सरसो के तेल, जिसकी कीमत लगभग 60 प्रति ात बढी थी के अलावा खाधान्न तेलो की कीमतो मे भी मामूली वृद्धि हुई थी।

केवल हरियाणा राज्य मे ही नही बल्कि प्याज के उत्पादक मुख्य राज्यो, महाराश्ट्रा और गुजरात मे भी कम उत्पादन होने, प्याज की कीमतो मे वृ़द्धि के कारण थे। इसी प्रकार आलू की कीमते भी अधिक बढी क्योकि स्थानीय तथा हरियाणा राज्य मे इसकी बाहर की पूर्ति कम थी।

सरसो के तेल से हाल ही मे ड्रौपसी द्वारा मौतो के होने से, यधपि हरियाणा मे, ड्रौपसी सम्बन्धी किसी मृत्यु की रिपोर्ट नही हुई, व्यापारिक गतिविधियो मे धीमेपन के कारण सरसो के तेल की कीमतो मे वृद्धि हुई थी।

(ब) जिला अधिकारियो को आव यक वस्तुए अधिनियम, 1955, हरियाणा खाधय पदार्थ (अनुज्ञापन तथा मूल्य नियंत्रण)

आदे ा, 1985 की धाराओ के अन्तर्गत तथा काला बाजारी निवारण एवम आव यक वस्तुओ की पूर्ति अनुरक्षण अधिनियम, 1980 की धाराओ के अन्तर्गत दोशियो के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने की निर्दे ा दिये गये थे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, बी0जे0पी0 के ये मंत्री महोदय बडे विद्धान मंत्री है। इन्होने बताया है कि महगाई को बढने से रोकने के लिए सख्त से सख्त एक ान लिया जायेगा। मै इनसे जानना चाहूगा कि ऐसे कितने व्यापारी है जिन्होने जमाखोरी की है जिसकी वजह से उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए है ? इसके साथ ही मै यह भी जानना चाहूगा कि खाध वस्तुओ की कीमतो को रोकने के लिए इन्होने क्या कदम उठाये है? महगाई को न रोक पाने के कारण इनकी 3 सरकारे भी भाहीद हो चुकी है। दूसरे मै यह जानना चाहूगा कि मंहगाई को बढने से रोका जा सके, क्या ऐसा कोई बोर्ड बनाने की परपोजल है जो बढती हुई कीमतो पर नियंत्रण रख सके ताकि आगे से इस किस्म की बाते न हो और साथ ही ये अपना प चाताप भी कर सके।

श्री गणे ाी लालः अध्यक्ष महोदय, 2–3 प्र ान सम्मानित सदस्य ने उठाये है। हमने अर्से ि ायल कोमोडिटीज एक्ट 1955, प्रिवे ान आफ फूड एडलट्रै ान एक्ट 1954 और हरियाणा खाध आपूर्ति विभाग के नियमो के तहत अनेक प्रकार से सख्त से सख्त एक ान लेने के आदे ा दिए थे। पिछले 6 महीनो मे जो

मंहगाई बढी है उसके विवरण मे हमने अपने जवाब मे लिखा है कि लगभग 203 लोगो के लाईसैंस रदद किए गए है। लगभग 1475 डीलर्ज की टोटल सिक्योरिटी को फोरफीट किया गया है। खाने के तेलो की भी कीमते बढी। डायरेक्ट हैल्थ सर्विसिज ने डिस्ट्रिक्ट हैल्थ आफिसर्ज को उपरोक्त कानूनो के तहत आव यक कार्यवाही करने के निर्दे ा दिए । इन निर्दे ाो के तहत कार्यवाही करते हुए हमने 400 सैम्पल लिए जिसके अन्दर 241 मस्टर्ड आयल के सैम्पल थे। इनमे से 35 सैम्पल बिलो स्पेसिफिके ान पाये गए। जिनके सैम्पल्ज बिलो स्पेसिफिके ान पाए गए उनके खिलाफ केस रजिस्टर्ड है। इनमे से दो केसो मे कोर्ट की तरफ से पनि ामैट भी मिल चुकी है। एक इन्होने कहा कि महंगाई को बढने से रोकने के लिए कोई बोर्ड बनाया जाये, दूसरे हमारी सरकारे चले जाने की बात इन्हाने कही। जो सरकारे गई वह अलग विशय है। इसमे इन्टरनै ानल कोसपिरेसी भी हो सकती है। जैसा कि अखबारो मे छपा है I can qute certain proofs also. (विघ्न) मेरा निवेदन यह है कि इन्होने महगाई को रोकने के लिए जो बोर्ड बनाने की बात की उस बारे मे मै सदन को ओर इनको बताना चाहूगा। इस विशय मे जब चीफ मिनिस्टर्ज और फूड मिनिस्टर्ज की काफ्रेंस हुई तो उसमे हमने हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री से निवेदन किया था कि नेफड, जो कि एक सैट्रल एजेंसी है उसको आव यक खाध पदार्थों को स्टोर करने के लिए कहा जाये। यदि यह एजैन्सी ऐसा स्टोर कर लेगी तो जब किसी स्टेट मे ऐसी क्राईसिंज आएगा तो उनके वह माल सप्लाई कर सकेगी।

मेरे कहने का मतलब यह है कि नै ानल फारकास्टिंग सैन्टर इस प्रकार की जानकारी उपलब्ध करवाए जिससे कि फारकस्टिंग के आधार पर सारे कन्ट्री की स्टोर्ज कैपेसिटी बढाई जा सके और आव यकता पडने पर कन्ट्रोलड प्राईस पर इन वस्तुओ को इन आइसोले ान प्रान्तो मे ई ू कर सकते है। मै समझता हू कि हिन्दुस्तान की सरकार को ऐसा वास्तव मे एकदम कर देना चाहिए। जो ये बात कर रहे थे कि महगांई को रोकने के लिए बोर्ड बनाया जाये, इस बारे मे मेरा कहना है कि इसमे कई फैक्टर्ज है। जैसे हमारी प्याज की फसल अप्रैल के महीने मे पिछले सीजन से 75 हजार क्विटल टन कम हुई। गुजरात के भावनगर जिले मे भी काफी मात्राा मे प्याज आता है इसी प्रकार से महाराश्ट्र के नासिक जिले से भी हमे काफी मात्रा मे प्याज मिलता है। वहा पर बेमौसमी बारि ा की वजह से प्याज की फसल खराब हो गई जिसकी वजह से प्याज की कीमते बढी। जहां तक महगांई बढने की बात है, उस बारे मे मै कहना चाहूगा कि कई बार मार्किट मे किसी चीज की आर्टिफि ायल प्राईस भी बढ जाती है जिसकी वजह से उस वस्तु की कोस्ट मार्किट अवेलिबिलिटी पर डिटरमन करती है। उदाहरण के तौर पर कुरूक्षेत्र के अन्दर एक दिन नमक लेने के लिए आदमियो की लाईन लग गई। एक आदमी कहने लगा कि हमे 100 क्विटल नकम चाहिए। यह बात डी0एफ0सी0ओ0 ने डायरेक्ट फूंड सप्लाई को कही । डायरेक्टर ने कहा कि उसे 100 क्विटंल नकम सप्लाई कर दीजिए। जब यह आर्डर किए गए तो उसी वक्त लाईन समाप्त हो गई। मेरे कहने का मतलब यह है

कि इस प्रकार भी कई बार आर्टिफि ायल कमी से महंगाई बढ जाती है। एक बार मै रिवाडी मे कैप्टन अजय सिंह के साथ ठहरा। उस दिन सुबह टमाटर का सूप पीने को मिलां। मै पूछा कि इतना टमाटर का सूप कैसे। तो कहने लगे कि ज्यादा टमाटर खरीद लिए गए ताकि की ऐसा ना हो कि बाद मे टमाटर न मिले। कहने का मतलब यह है कि जिसको एक किलो की या दो किलो की आव यकता हो उसे उतना ही सामान खरीदना चाहिए न कि जरूरत से ज्यादा मात्रा मे खरीद कर स्टोर करे। ऐसे व्यक्ति होर्डर्स मे नही आते और न ही प्रोफिटियर मे आते है। इस प्रकार ये दो चीजे है जिनकी वजह से आर्टिफि ायल प्राईस बढ जाती है। इसलिए उनको कन्ट्रोल करने का कोई हिसाब किताब भी नही हो सकता।

श्री धर्मबीरः स्पीकर साहब, आदरणीय मंत्री जी ने कहा कि हमने जो सैम्पल्ज भरे है उनमे से 241 मस्टर्ड आंयल के थे। क्या माननीय मंत्री जी बताएगे कि हर डिस्ट्रिक्ट लैवल पर कोई लैबोरेट्रीज प्रोवाईड की हुई है ताकि वहां पर मस्टर्ड आयल की तफती ा हो सके ?

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, यह क्वै चन वैसे हैल्थ डिपार्टमैंट से रिलेटिड है इसलिए अगर आपकी अनुमति हो तो ये इस विशय को अगल से फलोट कर दे तो इनको पूरे आकडे हैल्थ डिपार्टमैंट से मिल जाएगे।

श्री धर्मबीरः अध्यक्ष महोदय, मैने यह सवाल रखा भी हैल्थ डिपार्टमैट के लिए है लेकिन माननीय मंत्री जी ने कहा कि हमने 241 सैम्पल भरे है, इनकी अपनी स्अेटमैट है इसलिए मै यह सवाल पूछा है।

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, यह क्वै चन सम्मानित सदस्य कप्तान साहब का था और उसमे एडिबल आयल जुडा हुआ विशय था इसलिए उसका स्पश्टीकरण करना मेरा फर्ज था। जहां तक इससे जुडे हुए स्टाटिस्टिक्स का ताल्लुक है तो वह क्वै चन डायरैक्टली रिलेटिड टू हैल्थ डिपार्टमैट है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री से यह जानना चाहूगा कि क्या मस्टर्ड की कीमतो को बढने से रोकने के लिए सरकार द्वारा कोई पग उठाए गए है? प्याज के बारे मे राम बिलास भार्मा जी जिकर कर रहे थे कि प्याज चार रूपये किलो हो रहा है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने ड्राप्सी कै केसिज का जिकर यिका है। आगे से इस प्रकार की मिलावट न हो और मस्टर्ड के मूल्यो मे बढौतरी न हो हो जाए इसके लिए कोई कदम उठा रहे है और क्या सरकार इस बारे मे कोई कार्यवाही करेगी? नम्बर दो सवाल मै मंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि प्याज के जो इतने रेटस हाई हुए थे और दिल्ली की सुशमा स्वाराज सरकार दिल्ली मे प्याज इम्पोर्ट करके लाई थी क्या आपने भी ऐसा कोई कदम उठाया

था या क्या आपने कोई कोि ा ा की थी कि प्याज का जो रेट 60–65 रूपये किलो हो गया था उसको कम किया जाए ?

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप चेयर को एड्रैस करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि प्याज की कीमत को कम करने के लिए जिस प्रकार दिल्ली की सरकार प्याज का इम्पोर्ट करने को उत्सुक थी क्या हरियाणा सरकार ने भी इस बारे मे कोई पग उठाया था, क्या वे इसके बारे मे बताएगे ?

श्री गणे ाी लालः अध्यक्ष महोदय, पहले तो प्याज न मिलने के कारण आसूं आते थे लेकिन अब मिलने के कारण आसू आ रहे हैं। मेरे सम्मानित साथी को भाायद पता नही है कि प्याज की अब कोई समस्या नही रही है। मैने फिर भी प्र ान का जवाब देते हुए एक बात कही थी और ''इन्टनै ानल कास्पिरेसी'' भाब्द का इस्तेमाल किया था। पिछली बार भी ऐसा ही था। अध्यक्ष महोदय, ये बार बार कह रहे है, आपकी सरकार गई, दिल्ली की सरकार गई, यह गया वह गया लेकिन this is some international conspiracy to destablise the country. दूसरे कप्तान साहब ने कहा कि इस तरह के इंसीडैस इन फयूचर न हो उसके लिए क्या स्टैप्स लिए गए है। अध्यक्ष महोदय, चार प्रकार कि लैब्ज स्थापित की गई है जो कि टेस्टिंग का काम करती है जिसके तहत हमने 400 सैम्पल का जिकर किया था जिसमे 241 केवल मस्टर्ड आंयल

के थे और उसमे से 35 बिलो स्पैसिफिके ान थे। 4 टेस्टिंग लैब्ज को डी0एफ0एस0सीज0 और डी0एमज0 के माध्यम से निर्दे ा दिए गए थै। वैसे 500 सालो से सरसो का तेल चल रहा है और उसमे कभी कोई गडबड नही हुई इसलिए मै बार बार आबसै ान कर रहा था और कप्तान साहब से बार बार निवेदन कर रहा था कि इन फयूचर ऐसा कोई चांस नही होगा। (विघ्न)

श्री अ ोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हू कि पिछले दिनो आलू और प्याज के रेट अचानक बढ थे जिसकी वजह से उपभोक्ताओ को कठिनाई उठानी पडी थी। क्या मंत्री महोदय बताएगे कि अब जब किसानो की आलू की अच्छी फसल आई है और उसके दाम गिर गए है तो क्या सरकार किसानो को फायदा देने के लिए कोई न्यूनतम रेट फिक्स करेगी ताकि उनको कोई नुकसान न हो ?

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, स्टेट गवर्नमैट यह दाम फिक्स नही करती है। This right is exvlusively with the Government of India, not with the State Government.

Deaths occurred in Police Custody

824. Shri Jai Singh Rana: Will the Minsiter for Home be please to state-

(a) the number of persons, if any, died in police custody/jails in the state during the period form July, 98 to date; and

(b) whether any policemen held responsible for the aforesaid incidents; if so, the action taken against them ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा):

(क) जुलाई, 98 से अब तक 2 व्यक्तियो की पुलिस हिरासत मे तथा 25 जेलो मे मृत्यु हुई ।

(ख) पुलिस हिरासत मे हुई मौत की 2 घटनाओ के जिम्मेवार, 3 पुलिस कर्मचारियो के विरूद्ध 2 अलग अलग अपराधिक मुकदमे दर्ज किये गये, जो न्यायालय मे विचारधीन है। जेल हिरासत मे होने वाली 25 मौतो के लिए कोई पुलिस वाला जिम्मेवार नही ठहराया गया।

श्री जय सिंह राणा: अध्यक्ष महोदय, जिन दो आदमियो की मौत पुलिस हिरासत मे हुई है उसमे तीन पुलिस कर्मचारियो को दोशी ठहरया गया है। मंत्री जी वह बताए कि वे पुलिस कर्मचारी किस रैंक के थे, उनका क्या नाम था और वे किस जेल से सम्बन्धित थे ? इसके साथ ही जो जेल हिरासत मे 25 मौते हुई है उनका क्या कारण है और क्या उनके परिवार वालो की तरफ से इनके पास कोई ि ाकायत आई है कि उनकी मौत इस कारण हुई है जिसके लिए वहा के कर्मचारी/अधिकारी दोशी है ?

श्री मनी राम गोदारा: अध्यक्ष महोदय, इनके प्र ान के उतर मे ''क'' नम्बर पर एक व्यक्ति का नाम राजा पुत्र चन्दगी वासी हनुमान नगर, जीन्द है इसकी मौत 5.7.1998 को हुई। इसमे सब

इन्सपैकटर बनवारी लाल, असिटैन्ट सब इन्सपैकटर अनिल कुमार के विरूद्ध मुकदमा न0 442 धारा 302/343/34 आई0पी0सी0 के तहत दर्ज किया गया है। डिस्ट्रिक्ट अटोर्नी, जीन्द के अनुसार धारा 302 को आई0पी0सी0 304 मे बदल दिया गया है । दोनो दोशी पुलिस कर्मचारियो को दिनांक 6.8.1998 को गिरफतार किया गया है। मुकदमा का चालान दिनांक 21.10.1998 को न्यायालय मे दिया गया जो न्यायालय मे विचारधीन है। यहा यह बात जरूरी है कि दोनो आरोपित पुलिस कर्मचारियो को अदालत से अग्रिम जमानत मिल गई थी। दोनो कर्मचारी निलम्बित किए गए है तथा उनके विरूद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही भ्रारू की गई है। क्या सदस्य साहेबान मुकदमे के तथ्य भी पूछना चाहेगे ? लेकिन मै इनको यह भी बता देता हू। दिनांक 30.6.1998 को सब इन्सपैक्टर बनवारी लाल, असिटैन्ट सब इन्सपैकटर अनिल कुमार न0 231/जीन्द ने राजा पुत्र चन्दगी राम को चोरी के मुकदमे की छानबीन के सबंध मे उसके निवास स्थान से पकडा तथा आरोप है कि उसे दिनांक 3–7–1998 तक अवैध हिरासत मे रखा और यातनाये दी गई। बाद मे उसे दिनांक 4–7–1998 को मुकदमा न0 330/98 धाराधीन 457/380 आई0पी0सी0 थाना सदर जीन्द मे गिरफतार करना दिखाया गया। पुलिस हिरायसत मे दी गयी यातनाओ के कारण राजा अचाकन बिमार पड गया। बाद मे उसे सिविल अस्पताल जीन्द मे भर्ती करया गया जहां से उसे पी0जी0आई0 रोहतक मे रैफर किया गया। जंहा दिनांक 5–7–1998 को उसकी मृत्यु हो गई। इस संबध मे बनवारी लाल

तथा असिसटैन्ट सब इन्सपैक्टर अनिल कुमार के विरूद्ध मुकदमा न0 442 दिनांक 7–7–1998 धाराधीन 302–343/34 आई0पी0सी0 थाना भाहर जीन्द दर्ज किया गया। डिस्ट्रिक्ट अटार्नी जीन्द की राय के बाद अनुसधान धारा 302 को 304 आई0पी0सी0 मे बदल दिया गया। केस न0 2 इस प्रकार है। सती ा कुमार उर्फ बबूल पुत्र श्री रण्धीर सिंह वासी खाडा खेडी अब अजमेर बस्ती जीन्द के संबध मे असिसटैन्ट सब इन्सपैक्टर रामकि ान के विरूद्ध मुकदमा न0 642 दिंनाक 4.10.1998 धाराधीन 304/ए आई0पी0सी0 थाना भाहर जीन्द दर्ज किया गया। मुकदमा का चालान दिनांक 27–10–1998 मे दिया गया जो न्यायालय मे विचारधीन है। असिसटैन्ट सब इन्सपैक्टर को उसकी लापरवाही के लिए निलम्बित भी किया गया है तथा उसके विरूद्ध विभागिया कार्यवाही भी की जा रही है।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी बताया कि एक केस को धारा 302 से धारा 304 मे बदल गया है मै जानना चाहूगा कि इसकी जिम्मेदारी किसी है और यह धारा क्यो बदली गई है ? इस केस की जो इक्वायरी की गई है क्या वह उच्च अधिकारी द्वारा की गई या नही ? अगर हां तो उसका नाम क्या है ? मैने जेलो मे रहने वालो के बारे मे भी पूछा था कि इनकी मौत कैसे हुई है मंत्री जी ने उसका जवाब भी नही दिया है ? जेलो मे हुई इन मौतो के क्या कारण है ? जो व्यक्ति जेल मे मरे है क्या उनमे से कोई पुलिस की गोली से भी मरा है या नही ? ये सारी चीजे स्पश्ट करने की कृपा करे ?

श्री मनीराम गोदाराः स्पीकर साहब, जो इन्कवायरी के बाबत पूछा है कि 302 से 304 कैसे हुआ तो इस मामले मे डिस्ट्रिक्ट अटार्नी ने गवर्नमैट को यह राय दी थी कि 304 का केस बनता है क्योकि जिस तरीके से इसकी मृत्यु हुई है उसमे दफा 304 ही लगती है और इसलिए दफा लगाई गई, उसी पर गिरफतारियो हुई, उस पर न्यायालय मे केस पे ा किया गया और उसी पर जमानत हुई।

श्री जय सिंह राणाः यह बताए कि पहले 302 और फिर 304 क्यो लगाया गया ?

श्री मनी राम गोदाराः मर्डर के नाम पर रिपोर्ट दर्ज की जाती है तो दफा 302 लगा दी जाती है बाद मे इंक्वायरी के आधार पर जब मृत्यु के कारणो का पता लगता है उस हिसाब से दफा बदली जाती है।

श्री जंय सिंह राणाः 25 आदमियो की हिरासत मे जो मृत्यु हुई है उसके बारे मे बताए?

श्री मनी राम गोदाराः वह भी बता देता हू। जुलाई 1998 मे आज तक जेल मे 25 सजायाफता व विचाराधीन कैदियो की मौत हुई। इसमे सजायाफता व विचाराधीन दोनो कैदी भामिल है। इसमे रमे ा चन्द्र पुत्र हरी नारायण जिला जेल, जीन्द विचाराधीन कैदी था। यह कैदी 4.7.1998 को सिविल अस्पताल जीन्द मे बीमार के कारण दाखिल हुआ था और 25–7–1998 को

उसकी मृत्यु हो गई। बलबीर सिह उर्फ धीरा पुत्र श्री करतार सिंह जिला जेल, रोहतक मे था। (ाोर एवम विघ्न) अध्यक्ष महोदय, दिनांक 4.5.1998 को उसे जिला जेल रोहतक मे भेजा गया था और 18.6.1998 को पी0जी0आई0 रोहतक मे उसे बीमारी के कारण भर्ती किया गया था 21.7.1998 को उसकी मृत्यु हो गई।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैने नाम नही पूछे है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, ये बडी बात है That Hon'ble Home Minister is fully prepared and he is telling each and every figure. (Interruptions) (इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटो पर खडे हो कर बोलने लगे।)

Mr. Speaker: I would request all the members to take their seats.

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, यह कविता तो इनकी सुननी पडेगी, चाहे अच्छी लगे या न लगे। They are not serious about the question hour. These are the details of the answer. He has categorically asked the names of 25 persons.

श्री अध्यक्षः राणा साहब, या तो आप यह कहे रहे है कि सतुश्ट है अन्यथा गृह मंत्री जी डिटेल मे जवाब देगे। If you are satisfied, then I will ask the Home Minister to take his seat.

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हम कविता से संतुश्ट हो गए है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, सुश्टि दोनो तरफ से होनी चाहिए। एक ही संतुश्टि के कोई मायने नही है। It is reciprocal satisfaction. It is the efficiency of the Home Department.

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, राम बाबू पुत्र राम लखन जिला जेल रोहतक इसका पता है रेलवे स्टे ान पटौदी जिला समस्तीपुर। यह मानसिक रोगी था तथा दूसरे मानसिक रोगी ओमप्रका ा पुत्र चन्दन के साथ झगडा करते समय ईंट से जख्मी हो गया था और पी0जी0आई0 रोहतक ले जाते समय 15.8.1998 को दम तोड गया। (विघ्न)

श्री खु र्शीद अहमदः स्पीकर साहब, बस इतना ही काफी है हम इनके रिप्लाई से सन्तुश्ट हो गये है।

श्री अध्यक्षः खु र्शीद जी यह आपकी सन्तुश्टि की बात नही है यह राणा साहब की सन्तुश्टि की बात है।

श्री मनीराम गोदाराः राणा साहब, ने सप्लीमैटरी प्र ान पूछा था और उसी का ही मै जवाब दे रहा हू।

श्री जय सिह राणाः स्पीकर साहब, बस काफी हो गया।

श्री अध्यक्षः पहले आप अपने प्र ान का उतर सुनिए।

श्री जय सिंह राणाः ठीक है स्पीकर साहब, हमने तो आपकी बात माननी है। जो आप आदे ा देगे वह सब मानने पडेगे।

श्री मनीराम गोदाराः देखिए, आपने जो कुछ प्र ान पूछा था उसका मै जवाब दे रहा हू।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हम इनके जवाब से सन्तुश्ट है।

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, यह आपके सन्तुश्ट होने की बात नही है। यह जिस सदस्य से प्र ान पूछा है उसकी सन्तश्टि की बात है।

श्री मनी राम गोंदाराः बाबू राम ने 15–8–1998 को पी0जी0आई0 रोहतक ले जाते हुए दम तोड दिया था। इस बारे 302 आई0पी0सी0 का केस सिविल लाईन रोहतक मे दर्ज हुआ था। न0 4 पाला पुत्र ज्वाला जिला जेल कुरूक्षेत्र मे आजीवन कारावास की सजा काट रहा था जिसका बाबा लाडवा थाना, थाना सदर, कैथल मे 302 आई0पी0सी0 के तहत मुकदमा दर्ज था तथा पैरोल पर था उसने दिमांक 10–8–1988 को अपने गांव मे आत्म हत्या कर ली।

श्री जय सिंह राणाः आत्महत्या का क्या सबूत है ?

श्री मनी राम गोदाराः उस कैदी ने अपने घर पर आत्महत्या की थी उसका क्या सबूत हो सकता है। न0 5 पर है भाहजात पुत्र मोहम्मद खु ीिद जो जिला जेल भिवानी मे विचाराधीन कैदी था जो किथौर जिला मेरठ का रहने वाला था। उसको बिमारी की हालत मे पी0जी0आई0 रोहतक ले जाते हुए दिनांक 3–9–1988 को रास्ते मे मौत हो गई। न0 6 रामकला पुत्र हरी सिंह जो केन्द्रीय कारागार हिसार मे विचाराधीन कैदी था जो ि ाव नगर हिसार का रहने वाला था जिसकी बीमारी के कारण दिनांक 4–9–1998 को पी0जी0आई0 रोहतक मे मौत हो गई। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, क्रमाक सख्या 7 पर जो नाम लिखा है वह है छुटन पुत्र रहीम खान, जिला जेल गुडगांव। वह गांव चन्दोका, पी0एस0 पुन्हाना, जिला गुडगांव का स्थाई निवासी था। उस ने जेल के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। (ाोर एवम विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये जो कुछ पूछना चाहते है मै उसका जवाब दे रहा हू अगर ये सुनना नही चाहते है तो आप हुक्म दे दे मे सुनाना बंद कर दूगां। (ाोर)

श्री अध्यक्षः राणा साहब, क्या आप सतुश्ट हो गए है ? क्या आपने जवाब सुन लिया है ?

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैने तो छोटी सी बात पूछी थी कि अस्पताल मे कितने लोग मरे ?

श्री अध्यक्षः आपने यह भी पूछ था कि ये कैसे और कहा मरे थे। (ाोर)

श्री जय सिह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैन यह भी पूछा था कि अस्पताल से बाहर कितने व्यक्ति मरे, जिसका जिकर ही नही किया गया है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ऐसा लगता है कि Hon'ble member is satisfied.Please take your seat. Next Question.

Primary Health Centre of Bilaspur

838. Shri Ramji Lal: Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) whether it is fact that the Primary Health Centre, Bilaspur has been degraded; and

(b) if so, the reasons thereof ?

स्वास्थय मंत्री (श्री ओमप्रका ा महाजन):

(क) नही, श्रीमानी जी।

(ख) उपरोक्त के दृश्टिगत कारण बताने की आव यकता नही है।

श्री रामजी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूगा कि जब यह मेरा सवाल विधान सभा मे आया तो मंत्री जी ने इस मामले मे छानबीन करने की कोि ा ा

की और हाल ही मे यमुनानगर के सी0एम0ओ0 को एक पत्र लिखा गया तथा वहां से रिकार्ड भी मंगवाया गया। उस सी0एम0ओ0 से यह पूछा गया कि 1977 मे उस हस्पताल मे कितने रोगी आए, और 1998 मे कितने रोगी आए?

श्री अध्यक्षः आप प्र ान पूछिए।

श्री रामजी लालः अध्यक्ष महोदय, मै प्र ान ही पूछ रहा हू। मै बातना चाहूगा कि वहां पर कोई रोगी कैसे आएगा, जबकि वहां पर कोई डाक्टर ही नियुक्त नही है। हालाकि वहा पर डाक्टरो को दो पोस्ट्स स्वीकृत है।

श्री अध्यक्षः आपका प्र ान तो यह था कि उस हस्पताल को डिग्रेड किया गया है या नही। (ाोर एवम विघ्न)

श्री रामजी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को पूछना चाहूगा कि जब वहा पर कोई डाक्टर ही नही होगा तो कोई रोगी वहां पर कैसे आ पाएगा ? जब से यह सरकार बनी है तब से आज तक वहां पर कोई डाक्टर नही लगाया गया है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन्होने यह तो मान ही लिया है कि आपने वहा पर हस्पताल नही तोडा है। इनका कहना यह है कि वहां पर डाक्टर नही है, जिसकी वहा पर नियुक्ति की जाए।

श्री ओमप्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि इन के जिले मे जितनी भी पी0एच0सीज0 है, सिवाय एक पी0एच0सी0 के सभी डाक्टर है।

श्री अध्यक्षः इन्होने वि ोश रूप से बिलासपुर पी0एच0सी0 के बारे मे पूछा है।

श्री ओमप्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हूं कि पी0एच0सी0 बिलासपुर मे इस समय कर्मचारी/अधिकारियो की टीम की संख्या 17 है। पहले पूरे राज्य के केवल 89 पी0एच0सी0 हुआ करती थी जिनकी सख्ंया अब बढकर 400 हो गई है। पहले पी0एच0सी0 मे स्टाफ 18 को होता था, लेकिन अब 7 का प्रावाधान किया गया है। हम ने पत्र जरूर लिखा था कि जिस पी0एच0सी0 मे स्टाफ की कमी है, उस मे दूसरी पी0एच0सी0 जंहां पर स्टाफ फालतू है, हटाकर लगाया जाए। अध्यक्ष महोदय, बाद मे हमने उस चिटठी पर विचार किया कि बिलासपुर की ओ0पी0डी0 की संख्या 100 से भी अधिक हैं इसलिए हमने अपना प्रोग्रोम कैसिल कर दिया।

श्री अध्यक्षः रामजी लाल जी आप यह बातये कि अब बिलासपुर मे डाक्टर है या नही।

श्री रामजी लालः अध्यक्ष महोदय, बिलासपुल मे आज के दिन एक डाक्टर है और वहां पर दो पोस्टे है। (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मेरे पास डिटेल है कि बिलासुपर मे कितना स्टाफ है वहा पर 17 पोस्टे है जिसमे एक पोस्ट एस0एम0ओ0, एक पोस्ट एम0ओ0, 2 फार्मासिस्ट, एक स्टाफ नर्स, एक लेखा परीक्षक, एक रेडियोग्राफ, एक स्टेनो टाईपिस्ट, एक क्लर्क, एक हैल्थ सहायक, एक मलेरिया इस्पैक्टर, एक ड्राईवर, एक कम्पयूटर आपरेटर, 3 क्लास–4 इत्यादी कर्मचारी है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से बिलासपुर मे 17 का स्टाफ है। (विघ्न)

Building for the Veterinary Dispensary, Ismaila

910 Shri Balwant Singh: Will the Minister for Animal Husbandry be pleased to state-

(a) whether is is fact that the Veterinary Dispensary of Village Ismaila is functioning without its buliding ; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration fot the Government to construct building for the said dispensary?

प ाुपालन मंत्री (श्री जसवन्त सिंह):

(क) जी नही।

(ख) प्र ान नही उठता।

श्री बलवत सिहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हू कि मेरे हल्के के इस्माइला गांव मे प ाु

चिक्तिसा औशधालय है जिसकी बिल्डिंग बिल्कुल टूटी हुई है क्या मत्री महोदय उस बिल्डिंग को बनावायेगे, अगर बनवायेगे तो कब तक बनवायेगे ?

श्री जसवत सिहः अध्यक्ष महोदय, इस्माइला गांव मे सन् 1954–55 मे की विलेज यूनिट के नाम से एक डिस्पैसारी बनाई गई थी जो चिकित्सा के काम के साथ साथ आर्टिफि ियल इंसैमीने ान का काम भी करती थी। वहां पर एक डाक्टर और एक क्लास 4 की पोस्ट है। इस बिल्डिंग की व्यवस्था अच्छी नही थी। इसलिए सन् 1994–95 मे दो बडे कमरे बनाये गये जिनका एरिया तकरीबन 12/20 और 12/20 बनाया गया। अध्यक्ष महोदय, 1996–97 मे एक कमरा 12/12 और 9/35 का बराडा भी बनाया गया। इसकी चार दीवारी भी 450/5 फुट की कराई गई। अध्यक्ष महोदय, इस हस्पताल का दरवाजा नही है वह भी लगाव देगे। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, 1994:95 मे कांग्रेस की सरकार थी जिसने यह बिल्डिंग बनवाई थी, हो सकता है अब यह टूट गई होगी, इसलिए हम इस बिल्डिंग की रिपोयरिंग करवा देगे।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह नही है मेरा सवाल तो यह है कि जो बिल्डिंग टूट गई है उसको बनवायेगे या नही?

श्री जसवंत सिहः अध्यक्ष महोदय, मैने माननीय साथी को बडे विस्तार से इस हस्पताल की बिल्डिंग और कमरो के बारे

मे बताया और साथ साथ साईज भी बताया है अगर इसकी हातल ठीक नही है तो इसको मै खुद मौके पर आऊंगा तथा इन के साथ चक्कर मौका देखूगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः श्री बंलवत सिंह मायना जी की बात ठीक है कि रिपेयर तो होनी चाहिये।

श्री जसवंत सिंहः इसकी रिपेयर की अगर जरूरत हुई तो जरूर रिपोयिरिंग करेगे।

15.00 बजे

श्री अध्यक्षः अब प्र ानकाल समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे हए तारांकित प्र ान के लिखित उतर

Providing of Employment

845. Shri Krishan Lal: Will the Minister for Labur and Employment be pleased to state the number of unemployed persons registered with employment exchanges in the state during the year 1997 and 1998 separately, togetheriwith number of persons to whom employment was given amongst them.

श्रम तथा रोगजागर मंत्रीः (श्री रमे ा चन्द्र कौि ाक)

वर्श 1997 व 1998 मे राज्य के रोजगार कार्यालयो मे दर्ज एवम नौकरी पर लगे प्रार्थियो की संख्या निम्न है:–

वर्श	पजीकृत प्रार्थी	नौकरी पर लगे प्रार्थी
1997	263961	20487
1998	292473	14236

Providing of Employment

845. Shri Dhamrmbir: Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether the State Government has formulated any special scheme for providing better health services in Mewat area during the year 1998;

(b) if so, the details thereof?

स्वास्थय मंत्री (श्री ओमप्रका ा महाजन):

(क) जी, हा।

(ख) गांव मण्डी खेडा तथा मानेसर (जिला गुडगाव) के दो अस्पतालो का निर्माण प्रक्रिया मे है।

Shortage of J.B.T Teachers

861. Shri Kailsash Chander Sharma: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that there is a great shortage of J.B.T teachers in district Mohindergarh; and

(b) whether it is also a fact that the teachers got themselves trasferred after joining the duty in the aforesaid district; if so, the steps taken or proposed to be taken to curb such tendency?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) जिला महेन्द्रगढ मे जे0बी0टी0 अध्यापको के 1867 पद स्वीकृत है जिन मे से 1668 पद पहले ही भरे हुए है। दिनांक 20.1.1999 की स्थिति अनुसार इस जिले मे जे0बी0टी0 के 199 पर रिक्त है। हरियाणा स्टाफ चयन आयोग ने सरकार को दिनांक 16. 12.1998 को 2377 उम्मीदवारो के नामो की सिफारि ाो भेजी है जिन मे से दिनांक 6.1.1999 को जिला प्राथमिका ि ाक्षा अधिकारी, नारनौल को 199 उम्मीदवारो की सूची नियुक्ति हेतू भेजी जा चुकी है और यह सभी 199 रिक्त पद फरवी, 1999 तक भर लिये जायेगे।

(ख) सरकार ने महिला अध्यापक तथा 70 प्रति ात विकलांग पुरूश अध्यपको को उन की कठिनाईयो को ध्यान मे रखते हुए अन्तर जिला स्थानान्तरण की नीति बनाई है। इस नीति के अन्तगर्त दूसरे जिले के केवल ऐसे जे0बी0टी0 अध्ययापको , जो

महेन्द्रगढ जिले मे कार्यरत है, को उनके पैतृक जिले मे ही बदला जाता है।

Canal Based Water Supply Scheme

853. Shri Anil Vij: Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide Canal based was supply scheme to the towns in the State particularly Ambala Canntt; and

(b) if so, the time by which the aforesaid propoal is likely to be materialiszed ?

स्वास्थय मंत्री (श्री जनगनाथ):

(क) जी, हा।

(ख) योजना को प्रारम्भ करने की सम्भावना थल सेना द्वारा परियोजना के निर्माण हेतु 70 एकड भूमि नगरपालिका को स्थानान्तरण करने पर निर्भर करती है।

Providing of facitlity of Ultra Sound in L.N.J.P Hospital

881. Shri Ashok Kumar: Will the Minister for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide the facility of Ultra Sonud in L.n.J.P Hospital, Kurukshetra, if so time by which it is likely to be provided?

स्वास्थय मंत्री (श्री ओमप्रका ा महाजन): लोकनायक जय प्रका ा हस्पताल, कुरूक्षेत्र मे आल्ट्रासाउंड की सुविधाये पहले ही प्रदान की हुई है।

Providing of Seweratge/Water

884. Shri Shri Krishan Hooda: Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govenment of provieded Civic amenities like the sewerage, Water etc. in Hari Singh Colony, Viajy Nagar, Kamala Nagar, Shastri Nagar and Saink Colony of Rohtak City, if os, the time by which the said prposal is likely to be materialized?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री जनगनाथ): हरि सिंह कालोनी, विजय नगर तथा कमला नगर के अनाधिकृत बढे क्षेत्रो मे जल वितरण की अतिरिक्त पाईपलाईन बिछाने का कोई प्रस्ताव नही है और न ही अन्य दो अनाधिकृत कालोनियो भाास्त्री नगर एमव सैनिक कालोनी मे पीने के पानी की पाईप लाईन बिछाने का कोई प्रस्ताव है।

इस कालोनियो मे सीवर प्रणाली लगाने का प्र ान इस समय विचाराधीन नही है।

Grant of Municiapal Council, Bahadurgarh

903. Shri Nafe Singh Rathee: Will the Minister for Local Government be pleased to state:

(a) whether it is fact that the grant given to Municipal Council, Bahadurgarh in the Year, 1997-98 has been withdrawn; if os, the reasons thereof; and

(b) whether there is any proposal under conisderation of the Government, to return the said grant to M.C Bahadurgarh ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा):

(क) नही, श्रीमान जी। तथापि दसवे वित आयोग की सिफारि ा पर वर्श 1996–97 के दौरान दिया गया अनुदान नगरपरिशद,बहादुरगढ से वापिस लिया गया था, क्योकि उस समय परिशद मे निर्वाचित निकाय नही था।

(ख) नगरपरिशद, बहादुरगढ मे अब चुनाव हो चुके है।परिशद के योजना प्रस्ताव पर, अनुदार देने हेतू इस वर्श विचार कर लिया जायेगा।

Purchase of Contessa Cars

887. Shri Ram Pal Majra: Will the Minister be pleased to state-

(a) whether any norm for pruchasing of Contessa Cars has been fixed; if os, the details there of; and

(b) the number of Contessa Cars purchased by the Minister' Car Section during the year, 1996-97.

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) मंत्रियो को कन्टैसा कारे आबटिंत करने बारे नार्म निर्धारित किया हुआ है और दिनांक 5.6.1997 को यह निर्णय लिया गया कि सभी मंत्री जिसमे राज्य मंत्री भी भाामिल है, कन्टैसा कार के पात्र होगे।

(ख) वर्श 1996–97 के दौरान 15 कन्टैसा कारे खरीदी गई थी।

Water Works of Bhairon Bhaini Village

896. Shri Balbir Singh: Will the Minister for Public Health be pleased to state whether any enquiry regarding the construction of water tank in the Village Bharion Bhaini of Meham Constitunecy, distirct Rohtak is being conducted; if so, the time by which be completed togetherwith the time by which the water supply of the said village is likely to be started ?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री जनगनाथ): जी हां। चुनावो क्षेत्र महम, जिला रोहतक के गांव भैरो भैणी मे बनाये गए पानी के टैक से सम्बन्धित विभागीय जांच की गई तथा दोशी अधिकारियो/कर्मचारियो के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। भैरो/भैणी II माईनर जहां से नहरी पानी लिया जा रहा है उसको सिचाई विभाग द्वारा सुदृढ किया जा रहा है। सिचाई विभाग द्वारा माईनर को सुदृढ करने करने उपरान्त जलघर को लगभग 2 मास के अन्दर कार्यान्वित कर दिया जायेगा।

Shortage of D.A.P

836. Shri Dhir Pal Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there was a shortage of D.A.P fertilzer in the State during the month of November, 1998; if so, the reasons thereof; and

(b) whether it is also a fact that suppliers of D.A.P are forcing the farmers to purchase Urea alongwith D.A.P in the State; if so, the action taken against them ?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) मास नवम्बर, 1998 के दौरान डी0ए0पी0 उर्वरक की कोई कमी नही थी। पिछले वर्श मौसम के इसी मास के दौरान, 1.99 लाख मिट्रिक टन खपत की तुलना मे राज्य सरकार ने नवम्बर तक 2.12 लाख मिट्रिक टन डी0ए0पी0 का प्रबन्ध किया।

(ख) इस सम्बन्ध मे राज्य सरकार को कोई ि ाकायत प्राप्त नही हुई थी।

Setting up of Yamunanagar, Thermal Power Plant

916 Smt. Kartar Devi: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total acres of land acquried for setting up the thermal power plant in Yamunanagar toghetherwith the amount of compensation given to the farmers;

(b) the amount so far spent on the construction of aforsaid thermal plant togehterwith the type of work done at the site;

(c) the total expenditure will be incurred on the contruction of above said plant togetherwith the time by which it will be completed; and

(d) the quantum of power will be gererated by the above siad plant togetherwith the extent to which the electricity distriubution system will be improved ?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): श्री मान जी, एक विवरण के पटल पर पुस्तुत है।

विवरण

(क) यमुनानगर मे थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के लिए 1187.875 एकड भूमि अधिग्रहण कर ली गई है तथा भूमि के स्वामियो को 987.98 लाख रूपये का मुआवजा दे दिया गया है।

(ख) यमुनानगर थर्मल प्लान्ट के निर्माण पर खर्च की गई राि ा ये है:–

1.	भूमि की लागत	987.98 लाख रूपये
2.	भूमि के समतल करने तथा सर्वेक्षण की लागत	61.13 लाख रूपये

3.	चारदिवारी, 2 न0 स्टोरेज एवम कार्यालय सेडस सहित 50 न0 क्वाटरो के निर्माण के लिये एन0टी0पी0सी0 को की गई अदायगी।	500.00 लाखा रूपये
		1469.11 लाख रूपये

(ग) चरण–1 लगभग 2000 करोड रूपये की लागत पर प्रत्येक 250 मैगावाट की यूनिटो के निर्माण का प्रस्ताव है। यह विनिधान अन्तराश्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक विडिग प्रक्रिया के माध्यम ये चयन किये जाने वाले एक स्वतन्त्र विधुत उत्पादक द्वारा किया जायेगा। विधुत प्लान्ट ठेके का नियतन करने की तिथि से 3–4 वर्शो की अवधि मे पूरा हो जायेगा।

(घ) 500 मैगावाट की स्थापित क्षमता के चरण–1 के अन्तर्गत प्लान्ट एक वर्श मे लगभग 37230 लाख यूनिट बिजली उत्पादन करेगा। इससे राज्य मे, वि ोश कर यमुनानगर बैल्ट मे बिजली की आपूर्ति स्थिति मे सुधार होगा। इससे वर्तमान उपभोक्ताओ को निर्विघ्न आपूर्ति देने के साथ साथ, औधोगिक, वाणिज्यिक, कृशि तथा घरेलू क्षेत्रो के उपभोक्ताओ को समुचित सेवा करना भी सम्भव होगी।

Amount spent on the repair of Roads

930. Shri Ramesh Kumar: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state the names of the roads repaired in the Baroda constituency during the year, 1998 togetherwith the expenditure incurred thereon, separately?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

तालिका

वर्श 1998 के दौरान बडौदा निर्वाचन क्षेत्र मे निम्नानुसार सडके मुरम्मत की गई है:–

क्रमाक सख्या	सडक का नाम	खर्च की गई रा ि (रूपये लाखो मे)
1.	सनौली पानीपत गोहाना रोहतक सडक	6.44
2.	गोहाना सफीदो सडक	1.84
3.	गोहाना लाखन माजरा सडक	3.49
4.	गोहाना बडौदा जुलाना सडक	1.96
5.	बुटाना से गनगाना सडक	1.46
6.	बडौदा से कहलवा सडक	0.80

7.	गोहाना जीन्द सडक	4.54

राज्य उच्च मार्गो तथा अन्य सडको के योजका पर पैच कार्य का विवरण निम्न प्रकार से है।

(क)	योजको तथा पहुचायको गोहाना लाखन माजना सडक	1.14
(ख)	योजको तथा पहुचायको गोहाना पानीपत सडक	1.09
(ग)	योजको तथा पहुचायको गोहाना बडौदा जुलाना सडक	3.10
(घ)	योजको तथा पहुचायको गोहाना सफीदो सडक	0.72
(ड)	योजको तथा पहुंचायको गोहाना जीन्द सडक	2.78
	जोड	29.36

Consturction of New Roads

934. Shri Jaswinder Singh Sindhu: Will the Minister for P.W. D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to

construct the following new roads in the Pehowa consitituency-

(i) from Dhurala to Hongala;

(ii) from Gumthalal Garhu to Pabala;

(iii) from Gumthala Garhu to Pabala:

(iv) from Gumthala Garhu to Rasulpur;

(v) from Dhirpur to Adhoni;

(vi) from Bari Jarase to Village Syana Saiyadan; and

(vii) from Chhajupur to Arnaya ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): नही, श्रीमान जी।

Change of Electrictiy Rates

946. Rao Narender Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to change the electircity rates under Salb System on the Basis of water table in Ateli and Kanina blocks of Mohindergarh district; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to conduct any servey for re assessment of water table in the above said blocks?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) पूर्ववर्ती हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड/अब हरियाणा विधुत प्रसारण निगम ने महेन्द्रगढ जिले के अटेली तथा कनीना ब्लोको मे ट्यूबवैलो की औसत गहराई के आधार पर दिनांक 1.5. 1998 से स्लैब प्रणाली लागू कर दी थी।

(ख) महेंन्द्रगढ जिले के कनीना तथा अटेली ब्लोको सहित सारे राज्य के लिए पानी की सतह को पुन निर्धारण करने के लिए कृशि विभाग द्वारा एक सर्वेक्षण किया गया है। स्लैब् प्रणाली अब नवीनतम सर्वेक्षण पर आधारित होगी तथा ब्लाक की बजाय पटवार परिमडल गहराई की गणना करने के लिए यूनिट होगी।

अतारिंकत प्र ान एवम उतर

Transfer for Land

59. Shri Anil Vij: Will the Minister for Local Bodies be pleased to state-

(a) the area of land transferred from Ambala Cantonment to Municipal Council Sadar Ambala and from Government of India to the Government of Haryana by Excision of certain areas from Ambala Cantonment dated 5-2-1977; and

(b) the details of the area as referred in (a) above sold, leased out encroached and in unauthorised possession before and after Excision to Municipal Council Ambala Sadar and Government of Hayana respecitively ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा):

(क) दिनांक 5.2.1977 के एक्सीजन एग्रीमेंट की भार्ता के अनुसार 231.82 एकड ंभूमि अम्बाला कैन्टोनमैट बोर्ड द्वारा अम्बाला सदन की नोटिफाईड एरिया कमेटी को तथा 833.18 एकड भूमि भारत सरकार द्वारा, हरियाणा सरकार को स्थानान्तरित की गई थी।

(ख) एक्सीजन एग्रीमैट से पूर्व 49.81 एकड भूमि बेची गई, 97.214 एकड भूमि लीज पर दी गई तथा 30 एकड भूमि पर नायापज कब्जा/अनाधिकृत कब्जा हुआ। एक्सीजन गई तथा 6 एकड भूमि पर कब्जा/अनाधिकृत कब्जा हुआ है।

Number of theft occurred

Shri Anil Vij: Will the Minister for Home be pleased to state:

(a) the number of thefts occurred and the amount of goods stolen under the police stations Mahesh Nagar, Ambala Cantt. Ambala Sarad respectively during the period form 1996 to 1998; and

(b) the number of thefts traced, persons arrested and the amount recovered out of those as referred to as in part (a) above ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): विवरण तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण तालिका

	विवरण	थाना महे ा नगर			थाना अम्बाला कैट			थाना अम्बाला सदर		
		1996	1997	1998	1996	1997	1998	1996	1997	1998
(क) चौरियो की सख्या										
(i) घटित हुई		77	28	56	133	65	93	29	29	26
(ii) चोरी हुए माल का मूल्य		2084767	1304560	435300	42922748	3566630	2177190	1159480	251820	901500
(ख) चौरियो की										

सख्या									
(i) खोजो की सख्या	31	15	20	56	31	38	16	11	08
(ii) गिरफतार हुए व्यक्ति	64	36	60	109	42	29	42	22	08
(iii) बराबदगी	1047218	925960	223700	2201667	2338075	1117093	242900	163700	773500

Number of Patients Registered in O.P.D

61. Shri anil Vij: Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) the districwise number of pateinents registered in O.P.D and the number of doctors available in various hospitals in the state during the last five years ; and

(b) the number of patients out of those referred to in part (a) above were referred to other hosiptals (P.G.I, M.C Rohtak, AIIMS etc) for their treatment?

स्वास्थय मंत्री (श्री ओमप्रका ा महाजन): श्रीमान जी, सूचना सदना के पटल पर रख दी गई है।

सूचना

(क) जिला अनुसार बहिरंग विभाग के पिछले पाच वर्शो मे नये तथा पुराने पंजीकृत रोगियो की संख्याः

जिला	1993	1994	1995	1996	1997
अम्बाला	1062823	1114259	11115301	648341	684376
भिवानी	633208	700078	649047	805934	834948
फरीदाबाद	1526571	1483932	1474091	1357138	1438550
गुडगांव	557479	546261	506710	684851	749009
हिसार	818670	856021	731664	855134	939340
जीन्द	403557	454551	552126	553181	582605
कैथल	391292	325200	353152	389646	339738
करनाल	637225	641487	645605	622921	629120
कुरूक्षेत्र	262619	206282	251145	283299	297424
नारनौल	307196	261892	237393	329686	371542

पानीपत	315425	332987	360556	319649	369121
पंचकूला	....	....	....	558637	554422
रिवाडी	336422	331634	308097	332819	350640
रोहतक	825190	760012	984341	886482	905746
सिरसा	341512	314968	279242	284566	332448
सोनीपत	678732	619031	569237	643303	680853
यमुनानगर	761405	892801	611535	913262	936594

जिला अनुसार विभिन्न हस्पतालो मे पिछले पांच वर्शा मे उपलब्ध डाक्टरो की सख्या

जिला	1993	1994	1995	1996	1997
अम्बाला	72	72	75	80	84
भिवानी	120	120	118	124	126
फरीदाबाद	153	148	140	150	149
गुडगांव	95	96	92	185	105
हिसार	158	161	163	178	88
जीन्द	52	55	70	60	57

कैथल	60	58	64	62	51
करनाल	69	72	75	80	85
कुरूक्षेत्र	54	55	60	62	80
नारनौल	48	50	52	43	44
पानीपत	52	50	55	60	62
पंचकूला	49	49	49	49	49
रिवाडी	41	41	43	47	45
रोहतक	133	133	129	137	137
सिरसा	70	72	69	68	66
सोनीपत	80	82	85	90	94
यमुनानगर	84	90	92	90	91

(घ) जिला अनुसार पिछले पांच वर्शों मे उनके इलारज के लिए अन्य हस्पतालो मे (पी0जी0आई) मैडीकल कालेज रोहतक, अखिल भारतीय चिकित्सा आयुर्विज्ञान सस्थान रैफर किये रोगिरयो की संख्याः

जिला	1993	1994	1995	1996	1997

अम्बाला	319	308	405	394	397
भिवानी	143	146	160	229	196
फरीदाबाद	82	148	148	193	415
गुडगांव	37	59	42	59	78
हिसार	243	353	339	405	470
जीन्द	180	213	169	266	241
कैथल	142	134	134	145	143
करनाल	106	146	199	200	187
कुरूक्षेत्र	349	347	338	428	309
नारनौल	524	656	733	805	810
पानीपत	246	218	239	267	236
पंचकूला	428	483	399	452	425
रिवाडी	89	84	77	136	333
रोहतक	एन0ए0	एन0ए0	एन0ए0	151	129
सिरसा	18	20	65	71	98

सोनीपत	353	369	381	377	387
यमुनानगर	297	286	292	325	232

Astro Turf/Synthetic Tracks

62. Shri Anil Vij: Will the Minister of State for Sports be pleased to state whether there is any proposal under consieration of the Govt. to provide Astro Turf. and Syntherhic Tracks in the State for the promotion of sports like Athletics, Hockey, Football, etc. If so, the time by which the aforesaid prposal is likely to be materialized?

खेल राज्य मंत्री (श्री रामसरूप रामा): श्रीमान जी हां।

हरियाणा कृशि वि वविधालय हिसार मे एथलेटिक्स खेल मे एक सिन्थेटिक ट्रैक बिछाया जा चुका है। जहां तक अन्य खेलो का प्र ान है उनमे से हाकी के लिए एस्ट्रोट्रफ की सुविधा राज्य मे उचित स्थान पर उपलब्धार करवाने का मामला सरकार के विचाराधीन है। इस सम्बन्ध मे समय अवधि, कि यह कार्य कब तक पूर्ण हो जायेगा, का बतानया जाना सम्भव नही है।

ध्यानपाकर्शण प्रस्तावो की सूचनाए

श्री ओमप्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है कि सरकार के एक निर्णय लिया है कि गरीबी की रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले लोगो को पीले कार्ड इ यू किये जाये लेकिन पीले कार्ड उन लोगो को इ यू

किये जा रहे है जो साधन सम्पन्न है। गरीब लोग वि ोश रूप से हरिजन और बैकवर्ड जाति के लोग जो कि सही मायनो मे गरीब है, उन्हे इस बात का गिला है कि उनमे नाम इसमे दर्ज नही किये जा रहे है और यह बहुत ही महत्वपूर्ण विशय है।

श्री अध्यक्षः आपको जो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है that has been sent to the Governmnet for comments.

कैप्टन अजय सिह यादवः मेरा ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है कि श्री धर्मपाल जागडा, डी0एफ0एस0सी0 नारनौल के खिलाफ सरकार ने श्री एस0एस0 प्रसाद, डी0सी0 नारनौल के निदे ाानुसार मुकदमा दर्ज कराया है और इसकी बाकायदा सी0बी0आई0 से इक्वायरी हुई है। वे हाई कोर्ट से जमानत लेकर आये है तथा सी0बी0आई0 ने भी जांच मे उन्हे निर्दोश पाया है। इसके अलावा श्री रामकुमार एमव दो तीन कंपनियो है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह जी, आपके तीन ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है and all the three are under consideration.

कैप्टन अजय सिह यादवः सर, दूसरी बात मै यह कहना चाहता हू कि मेजर जनरल श्री एस0एस0 ग्रेवाल है उनकी गाडी..... .....

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह जो कह रहे है इसे रिकार्ड न किया जाये।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैने आपकी सेवा मे 29.1.1999 को एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव भेजा था कि हरियाणा की चीनी मिलो मे यमुना मे लगती हुई बैल्ट से उतरप्रदे ा से बहुत गन्ना आ रहा है और हरियाणा के किसान बैठे देख रहे है कि वे न तो गेहू की बिजाई कर सके है और न ही आगे सूरजमुखी की बिजाई कर सकेगे।

Mr. Speaker: That has been disallowed. Please take your seat.

श्री जय सिह राणाः अध्यक्ष महोदय, यह तो हरियाणा के किसानो के हित की बात है और हरियाणा के किसान बैठे देख रहे है कि चीनी मिलो मे यू0पी0 का गन्ना आ रहा है।

श्री अध्यक्षः जब आपको मौका मिलेगा तो आप अपनी बात कह लेना।

राज्य के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members now discussion on the Governor's Address will resume. Sh. Ashok may please speak.

श्री अ ोक कुमार (थानेसर): स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद आपने मुझें राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर पे ा हुये धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का समय दिया। स्पीकर साहब, 28 तारीख को राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण यहा पर सरकार

का दिया हुआ पढा मै उसके विरोध मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। स्पीकर साहब, गवर्नर साहब का जो अभिभाशण होता है वह किसी भी सरकार की पिछले साल की उपलब्धियो के बारे मे बताना है कि पिछले साल सरकार ने क्या क्या काम किए, और आगे सरकार की नीयत क्या है, उनको द र्ाता है। इस अभिभाशण को सुनने से और पढने से ऐसा लगा कि इस सरकार की नीयत ठीक नही है। जिसकी वजह से इन्होने इसमे काई नीति नही द र्ाई। स्पीकर साहब, यह सरकार लोगो से बडे लम्बे चौडे वायदे करके वजूद मे आई थी और इस सरकार से लोगो को जो आ ाांए थी उसके अनुरूप इस सरकार ने पिछले दो साल मे लोगो के लिए कुछ नही किया गया। स्पीकर साहब, इस सरकार ने व्यापारी भाईयो की भलाई के लिए बडे लम्बे चौडे वायदे किए थे। इस सरकार ने कहा था कि जिदंल की अध्यक्षता मे एक कमेटी बना देगे और वह कमेटी व्यपारियो के बारे मे अपने सुझाव देगी। व्यापारियो की जितनी भी दिक्कत है जैसे सैल्ज टैक्स या दूसरी दिक्कते है उनके बारे मे वह कमेटी विचार करेगी। इन्हेाने अपने घोशणा पत्र मे कहा था कि हम चुगी खत्म कर देगे। भाायद मुख्यमंत्री जी जिदल के जाने के बाद व्यापारियो को भूल गए क्योकिं जिदंल व्यापारी थे वह पार्टी को छोड कर चले गए इसलिए हरियाणा का कोई व्यापारी नही बचा। इस अभिभाशण मे व्यापरियो को जिकर ही नही है नही समझी कि व्यापारियो के लिए क्या करने जा रही है इस सरकार ने यह जानने की जरूरत ही नही समझी कि व्यापारियो को क्या दिक्कते है और व्यापारी

किस दौर पर से गुजर रहे है। स्पीकर साहब, आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कानून व्यवस्था के हालात बहुत ही खराब हो रहे है आज हरियाणा प्रदे ा मे कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। लोगो को दिन दहाडे लूटा जा रहा है। कुरूक्षेत्र जिले के लाडवा कस्बे के अन्दर इक्बाल चन्द मितल और उसकी पत्नी द र्ानी देवी अपने घर के अन्दर सो रहे थे। रात को कुछ लोगो ने उनके ऊपर हमला कर दिया जिसके कारण उसकी धर्मपत्नी द र्ानी देवी की मौके पर ही मौत हो गई और इकबाल चन्द मित्तल घायल हो गया। वह पूरे का पूरा परिवार अपने आपको असुरक्षित समझ कर लाडवा छोड कर यहां चण्डीगढ मे रहने पर मजबूर हो गया है। उन हत्यारो को आज तक नही पकडा गया है। यह 15.11.1998 की घटना है। आज 4–5 महीने हो गए है उन हत्यारो को आज तक नही पकडा गया है। इसी तरह से कुरूक्षेत्र जिले मे गांव रिवारसी है उस गांव के ऐसे हालात हो गए कि लोगो को रात को पहरा देने पर मजबूर होना पडा। उस गांव के लोग काले कच्छे वालो के डर से अपने गांव से पहरा लगा रहे थे। पहरा देते समय उस गांव के लोगो ने एक आदमी को पकड लिया। मुझे कहते हुए भार्म आती है जो आदमी पकडा गया था वह पुलिस का आदमी निकला और उसकी जीप से तीन टोपियो पुलिस कांस्टेबल की पाई गई। उसने लोगो के बीच मे माना कि उसके साथ उसके तीन साथी और थे। जब उसको पुलिस को पकडाया गया तो पुलिस ने केवल एक ही आदमी के खिलाफ केस दर्ज किया और उसके बारे मे भी यह कह दिया कि यह भाराब पीये हुए

था और यह गाडी लेकन भाग गया था। जो बाकी तीन और थे उनको आज तक नही पकडा गया है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से पिछली 18 तारीख की बात है। कुरूक्षेत्र पजांब नै ानल बैक से कृश्ण चन्द दो लाख रूपय लेकर उस बैक की मंडी ब्राच जा रहा था। रास्ते मे कुछ लोगो ने उसकी कार से टक्कर मार कर उससे दो लाख रूपये छीन लिए। उनका आज तक कुछ नही पता। इसी तरह से भााहबाद के अन्दर एक बहुत ही भार्मनाम घटना घटी जिसमे सभी मान मर्यादाओ को तोड कर रख दिया। स्पीकर साहब, भााहबाद घटना के बारे मे एक कमेटी बनाई जाए जो भााहबाद जाए और वह कमेटी देखे कि पुलिस वाले वहां के लोगो के साथ क्या क्या अत्याचार कर रहे है। वहा पर एक लडके की मौत हो गई। लोग उसके भाव के साथ भाम ाान घाट जा रहे थे तो थाने के आगे पुलिस वालो को कहा इन हत्यारो को पकडो। पुलिस वालो ने कहा कि मुकदमा हमने दर्ज किया है। हमने अभी तक कोई आदमी नही पकडा। वे लोग जब जी0टी0 रोड पर जा रहे थे तो आगे से गवर्नर साहब के साथ कोई बदतमीजी नही की। न ही कोई उनके साथ बदसलूकी की। उसके बाद लोगो पर क्या अत्याचार हुए उसका उदाहरण आज यह एफ0आई0आर0 है। 10 लोगो पर बडे संगीन मुकदमे बना दिए गए। इनके से 5 लोग ऐसे है जिनके ऊपर डकैती का पर्चा दर्ज हुआ है। इनमे से 5 लोग इन्कम टैक्स पेयी है उन पर 1800 रूपये की डकैती का पर्चा दर्ज किया गया हे। एफ0आई0आर0 के अन्दर यह लिखा हुआ है कि गवर्नर साहब 2 मिनट के लिए रूके और वापस चले गए। मै

बताना चाहूगा कि किसी ने कोई बदतमीजी नही की फिर भी उनके ऊपर राजद्रोह के मुकदमे दर्ज किए गए। स्पीकर साहब, आप भााहबाद मे जाकर देख ले। मै उस घर मे भी गया जिसका लडका मरा था। उस लडके की माता ने रोते हुए बताया कि मेरे लडका तो चला गया। मेरे घर पर जो भी बैठने आता है, कोई अफसोस करने आता है तो उसका नाम भी एफ0आई0आर0 मे लिख लिया जाता है क्योकि एफ0आई0आर0 मे एक नाम लिख दिया प्रेम सपडा और उसका एक छोटे भाई। अध्यक्ष महोदय, इसके छोटे भाई चार है। चारो भााहबाद से फरार है। क्योकि चारो के घर मे पुलिस रोज छापे मारती है। वहां पर पुलिस औरतो को डांटती है। औरतो ने हमे रो कर बताया कि रात के 12 बजे हमारे घर पुलिस आ जाती है और पूछती है कि कहां है आपका भाई, कहा पर है आपका पति ? इस प्रकार की ऐसी दह ात पुलिस ने वहा पर बना दी है जिससे वहां पर लोग भयभीत है। मेरा आपसे अनुरोध है कि इसकी जांच के लिए विधान सभा की एक कमेटी बनांए जो वहा पर मौके पर जाकर सारे तथ्यो का पता लगाये कि किस तरह का माहौल वहा पर बना हुआ है। जिस सब इन्सपैक्टर पूर्ण चन्द की ड्यटी थी उसको सस्पैड कर दिया गया और बाद मे अभी 26 जनवरी को राश्ट्रपति से उसे मैडल दिलवाने के लिए सिफारिस की गई। ये किस तरह की सरकार चलाना चाहते है यह हमारी समझ मे नही आता। कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे मे मेरा यही कहना है कि भााहबाद के अन्दर लोगो पर जो राजद्रोह और डकैती जैसे संगीन मुकदमे दर्ज

हए है, उनको आप स्वंय जारक देखे और उनको न्याय दिलवाने का काम करे।

अध्यक्ष महोदय, अब मै सिचाई के बारे मे बात करना चाहूगा । मुख्यमंत्री बनने से पहले जब चौधरी बंसी लाल जी हमारे एरिया मे जाया करते थे तो कहा करते थे कि दादूपुर नलवी नहर बनवा कर यां की पानी की समस्या को दूर कर दिया जायेगा। हमारे एरिया मे पानी का लैवल बहुत नीचे चला गया है। इसलिए इन नहर का बनना बहुत आव यक है। अब मै मुख्यमंत्री जी के ध्यान मे लाना चाहता हू कि ये दादूपुर नलवी नहर बनवाने को सुझाव है कि यदि दादूपुर नलवी नहरी नही बनवा सकते तो नरवाना ब्राचं जो कुरूक्षेत्र से होकर निकलती है उसमे से छोटी छोटी माईनरे निकाल कर हमारे एरिया मे पानी उपलब्ध करवाया जाये ताकि वहा के लोगो आबपा ाी करके अपनी पैदावार बढा सके।

अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारे मे सरकार का ध्यान दिलाना चाहूगा। प्राईवेट स्कूलो मे फीस के मामले मे तो धांधली मचा ही रखी है। इसके अलावा जो वंाह पर सैक्सन्ड पोस्टे है वे भरी नही खाली पडी है। जो पोस्टे भरी हुई है। उन पर भी 1000–1200 रूपये भी कम पे के टीचर लगा कर वे अपना काम चला रहे है। इस बारे मे ि ाक्षा मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि वहा ऐसे सभी स्कूलो का सर्वे करवाये कि ऐसे कितने स्कूलो मे कितनी सैक्सन्ड पोस्टे है और कितनी खाली पडी है? अध्यक्ष

महोदय, मै पहले भी बात कर चुका हू कि कैथल, कुरूक्षेत्र और यमुनानगर मे कोई गवर्नमैट कालेज नही है अत सरकार से मेरा अनुरोध है कि वहा पर गवर्नमैट कालेज खोला जाये।

अध्यक्ष महोदय, अब मै कृशि के बारे मे सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहूगा। सरकार भी कहती रही और भी कह रही है कि हम किसानो को 24 घंटे बिजली देगे लेकिन 24 घंटे बिजली किसानो को अभी तक तो नही मिल रही है। अध्यक्ष महोदय, सरकारी आकडो से ज्ञात होता है कि पिछली साल अनाज का जो टारगेट रखा गया था उससे 15 परसैन्ट कम अनाज पैदा हुआ है। इससे पता चलता है कि सरकार कृशि पैदावार बढाने की तरफ कितना ध्यान दे रही है। अध्यक्ष महोदय, आज गन्ने के बारे मे एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव आया था जिसे अपना डिसएलाऊ कर दिया है। मै सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूगा कि मेरा क्षेत्र गन्ने की फसल से जुडा हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर मे सबसे पहले सरस्वती भाूगर मिल लगी थी और उसके अन्दर जो गन्ना उत्पादक क्षेत्र है। वह सबसे ज्यादा है। अध्यक्ष महोदय, 2.9.1998 को केन कण्ट्रोल बोर्ड की मीटिंग करके एक आदमी को फायदा पहुचाने के लिए 21 गावो के लोगो को यमुनानगर की सरस्वती भाूगर मिल से हटा कर भादसो भाूगर मिल मे जोड दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, अगर इसी तरह के हालात चलते रहे तो आपका जो गन्ना उत्पादक का टारगेट तथा चीनी के उत्पादक का जो टारगेट है वह और भी कम

हो जायेगा क्योकि गन्ने के जो मेन ग्रोवर है वे इन 21 गांव मे है। इन गावो को भाद ाो भूगर मिल मे मिलाने के लिए तर्क यह लिया गया है कि इन लोगो ने इस आ ाय का रैजोल्यू ान दिया जबकि किसी गांव का कोई रैजोल ून नही है। स्पीकर साहब, अगर आप चाहे तो मै एक दिन मे या दो दिन मे जब भी आप कहे 21 के 21 गावो का रैजोल्यू ान लाने के लिए तैयार हू जो कि सरस्वती भूगर मिल के साथ रहना चाहते है। बरसानी सैटर सरस्वती भूगर मिल के साथ चला आ रहा था उस सैंटर को भी तोड कर भाद ाो भूगर मिल मे लगा दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद 19.11.1988 को केन कण्ट्रोल बोर्डद की सैकण्ड मीटिंग हुई। धनौरा जागीर गांव का फूल सिंह इस केन कण्ट्रोल बोर्ड का और मार्किट कमेटी के चेयरमैन का रि तेदार है, उसकी सिफारि ा पर चार गावो को उन 21 गावो से निकाल दिया गया है। उन 17 गावो के लोगो का क्या कसूर है, क्या वे किसी के रि तेदार नही है, क्या वे किसान नही है ? अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूगा कि इन बाकी 17 गावो को भी सरस्वती भूगर मिल के साथ जोड जाए ताकि इन गावो के लोग और अधिक उत्साहित होकर गन्ना अधिक लगाए। अध्यक्ष महोदय, भूगर मिल भादसो की बात आई। भादसो भूगर मिल उतरप्रदे ा का गन्ना ले रहा है। आज हमारे किसान जब वहां पर ट्राली लेकर जाते है तो 36–36 घण्टे उनकी ट्राली खाली नही होती है। इस कडाके की सर्दी मे 36 घण्टे तक किसान को ट्राली के खाली होने तक खडा रहना पडता है। स्पीकर साहब,

36 घण्टे तक जिस किसान की ट्राली खाली न हो वहां इस ठण्ड मे वह कैसे रहेगा ? इसलिए मै यह चाहूगा कि उस भूगर मिल को यह को यह हिदायत दी जाए कि वे उतरप्रदे ा से गन्ना लेना बन्द करे और उतरप्रदे ा से जो गन्ना आ रहा है उस पर सरकार को पूरी तहर से रोका लगा देनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, किसानो की बहुत सी फसल तबाह हुई है और उनकी काफी जमीन पिछले दिनो बिना बिजाई के रह गई। सरकार ने अपने अभिभाशण मे जिकर किया है कि सैटरल गवर्नमैंट ने एक टीम सर्वे के लिए भेजी थी जो सर्वेक्षण करके चली गई। अध्यक्ष महोदय, सैटरल गवर्नमैट की टीम आई और सर्वेक्षण करके चली गई, पता नही वे कब मुआविजा देगे या नही देगे परन्तु हरियाणा सरकार का भी यह कर्तव्य बनता था कि किसानो पर इतनी मार पडी है तो हरियाणा सरकार की तरफ से उनको मुआविजा दिया जाना चाहिए था लेकिन आज तक कोई मुआविजा नही दिया गया है। इसलिए मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूगा कि जिन किसानो की फसल बिना बिजाई के रह गई है उनको पूरा मुआविजा दिया जाए। (विघ्न) (घण्टी) स्पीकर साहब, इस सरकार की यह हातल देखिये कि यह अपराधियो के प्रति कितनी जागरूक है। अभी गृहमंत्री महोदय पढ रहे थे और उन्होने काफी लम्बा चौडा दावा किया है। अध्यक्ष महोदय, हांसी के खण्डेलवाल का केस हुआ था जिसके अन्दर 10 दिस्मबर को श्री एस0जैन0 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। वह पे ा भी नही हुआ और 21.01.1999 को सरकार ने उसकी बरी करवा दिया। उसका केस वापिस ले लिया जबकि

सुप्रीम कोर्ट से उसको उम्रकैद हो रही है। स्पीकर साहब, इस सरकार के रहते तो हालात आज प्रदे ा मे हो रहे है उनको देखते हुए आप ही कोई कदम उठाए। माननीय गवर्नर महोदय, तो अपना औपचारिक भाशण पढ कर चले गए क्योकि उन्होने तो औपचारिकता पूरी करनी थी। अध्यक्ष महोदय, आप ही इस सरकार को तोड दे तो कम से कम जनता को कुछ राहत मिल जाएगी वरना आप और हम सभी पाप के भागी बनेगे। अध्यक्ष महोदय, इतना नही कहते हुए मै आपका धन्यवाद करता हू। तथा इस अभिभाशण का विरोध करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री धर्मबीर गुंडगावः अध्यक्ष महोदय, 28 जनवरी को गवर्नर महोदय ने यहा पर एड्रैस पढा है और हमे सम्बोधित किया है। मै उस पर बोलने के लिए खडा हुआ हू। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय का अभिभाशण सरकार का अगले साल का नक ाा होता है कि सरकार अगले साल क्या करने जा रही है। हम यह कहते है कि इस अभिभाशण मे ऐसा कुछ नही है जिस की वजह से हम इसकी और आकर्शित हो। कोई भी परे ाानी नही है। मै सबसे पहले पावर के बारे मे कहना चाहूगा। इस बारे मे 2–3 पेज भर रखे है। मुझे अफसोस के साथ कहना पडता है कि मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि 30 जून के बाद हरियाणा मे 24 घंटे बिजली मिलेगी लेकिन इस बारे मे गवर्नर एड्रैस मे कुछ नही है। सबसे पहले तो इस बात पर हमार एतराज पैदा होता है। आज जो हरियाणा मे बिजली के हालात है वह सब जानते है। 48 घंटे मे से

एक घंटे किसान को बिजली मिलती है। इसके साथ मै यह भी बताना चाहता हू कि 6 से 9 बजे तक तो बिजली होती ही नही है कि आदमी रोटी बना सके ओर खा सके। इस कारण से तो गावो के बच्चे पढाई से वचित रह जाते है क्या वे हरियाणा के वासी नही है। यह जो 2400 करोड रूपए के कर्ज की बात कही गई है और जो ये कर रहे है कि 1999–2000 मे 412 करोउ रूपए हो जाएगे। यह इन्होने किस आधार पर कहा है ? क्या इसका असर कज्यूर पर पडेगा या इन्डस्ट्री पर पडेगा ? इस बारे इसमे कुछ नही बताया गया है। क्या बिजली का रेट सात रूपए यूनिट होगा या 6 रूपए यूनिट होगा इस बारे मे इसमे कुछ नही बताया गया है। इस बारे मे कोई जिकर नही किया गया है ? मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि इसमे माइनोरिटी और व्यापारियो के बारे मे कुछ नही कहा गया है। क्या वे हरियाण के अंग नही है? अगर ये ऐसा कहते है कि गुजरात और उडीसा मे माईरोरिटी के साथ जो हुआ है वह हरियाणा मे नही होने देगे तो अच्छा होता। इसके साथ ही इसमे इरिगे ान के लिए नान कन्वैन् ानल एनर्जी के बारे मे कहना चाहूगा। अगर आप सब मैम्बर्ज को याद हो तो उसमे सिर्फ एक फिक्रा कहा गया है some contract has been given किसको कांट्रैक्ट दिया गया यह किसी ने नही कहा कि इसकी डिटेलज क्या है। चौधरी बीरेन्द्र सिह ने पिछले सै ान मे एक बात कही थी और इस बारे भी गवर्नमैट से हमारी रिक्वैस्ट है कि वे इसमे यह बताए कि इनकी क्या क्या प्लानिंग है और ये क्या क्या करने जा होते है ताकि लोगो को भी

कुछ पता चले। अध्यक्ष महोदय, पिछले साल के एड्रेस मे इन्होने कही पर भी एस0वाई0एल0 का जिकर नही किया था। उस बारे मे इनको कहा गया था इसलिए इस साल इन्होने उसकी वजह से इसका जिकर कर दिया है। अब एक सिचाई स्कीम के लिए 39 करोड रूपए रखे गए है। क्या यह हमे दिखाने के लिए और लोगो को बहकाने के लिए किया गया है ? क्या मिनिस्टर साहब ने सिमरणजीत सिंह की स्टेटमैट नही पढी है? उन्होने कहा है कि जो नहर एस0वाई0एल0 का पानी ले जाएगी हम उस नहर को बंद कर देगे। क्या इन्होने इस बारे मे सैन्टर गवर्नमैंट से बात की है, कोई रिकवैस्ट की है ? इरिगे ान मिनिस्टर साहब ने आगार कैनाल के बारे मे बताया कि हमने इसने इसका चार्ज अपने हाथ मे ले लिया है। अध्यक्ष महोदय, हमने भी पांच साल राज किया है और पूरी कोि ा ा की कि उसका कण्ट्रोल हरियाणा मे आ जाए, लेकिन ऐसा नही हो पाया। अध्यक्ष महोदय, इन्होने तो आते ही अनाउंस कर दिया कि हमने आगार कैनाल का चार्ज अपने हाथो मे ले लिया जबकि विधान सभा के अंदर यह कहा जाता है कि इसका चार्ज अभी तक भी हरियाणा तक भी हरियाणा सरकार को यह नही मिला है। (इस समय उपाध्यक्ष महोदय, पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, इस बात मे क्या सच्चाई है इसको सरकार बताने का कश्ट करे। पिछले दिनो मेरी कास्टीच्यूएंसी के कुछ लोग मेरे पास बैठे थे वे मेरे से कहने लगे कि क्या आप विधान सभा मे यह नही कह सकते है कि प्रदे ा मे आज लां एंड आर्डर की स्थिति ठीक नही है और वह दिन प्रतिदिन खराब ही होती जा रही है तो

मैने उनसे कहा कि अब तो इसमे इम्प्रवमैन्ट हो गई है क्योकि पहले तो एक आध डाका कभी कभार पडता था लेकिन अब तो रोजाना डाक पडता है इसलिए आप और क्या चाहते है ? डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे यहां पर एक हफते के अंदर अदर कई केसिज इस तरह के हुए है। वहां पर एक डाकखाने को लूट लिया गया। यह डाकखाना भाहर के बिल्कुल सैटर मे है। इसके दूसरे दिन ही एक जेवरात की दुकान को लूट लिया गया। इसके बाद वहा पर एक टैक्सी वाले का मर्डर कर दिया गया और एक टैक्सी लेकर भाग गए। आज वहा पर रोजाना दुकानदारो को कपडे के व्यापारियो को टेलीफोन आ रहे है कि यदि आप हमे पाच पांच लाख रूपये नही देागे तो हम आपका कल्त कर देगे। सर, क्या यह लां एंड आर्डर है ? इसके बावजूद भी सरकार कहती है कि हम इसको इम्प्रूव कर रहे है। क्या सरकार बता सकती है कि लां एंड आर्डर को सुधारने के लिए उसने ये ये स्टैपस लिए है। जब हम यहां पर इस बारे मे कहते है तो सरकार कह देती है कि अब तो यह तो गया लेकिन आईन्दा यह नही होगा जबकि उसके बाद होता कुछ और ही है। फिर से रोजाना कल्त भुरू हो जाते है। हम तो इनसे एक बात कहते है कि अगर हमने कोई गलती भी कर रहे है। डिप्टी स्पीकर साहब, होम मिनिस्टर से मेरी गुजारि ा है कि वह इस और ध्यान दे। कुछ दिनो पहले इन्होने एक चिट्ठी आई0जी0 के नाम लिखकर मुझे दे थी कि इनका यह काम कर देना लेकिन उन्होने इनकी वह चिट्ठी रद्दी की टोकरी मे फेक दी। सर, मै आपके द्वारा मंत्री जी से पूछना चाहूगा कि क्या

उन्होने उसकी इस बारे मे कोई ऐक्सप्लेने ाल कांल की? क्या इन्होने उससे पूछा कि उसने मेरे साथ ऐसा क्यों किया ? हमे पता है कि इनकी यहा पर कुछ चलती नही क्या इन्होने उससे पूछा कि उसने मेरे साथ ऐसा क्यो किया ? हमे पता हे कि इनकी यहा पर कुछ चलती नही है इसलिए मै इनसे कहना चाहता हू कि अगर इनकी इस सरकार मे कुछ चलती नही है तो ये भी एक काम करे कि खुराना साहब की तरह से इस्तीफा दे दे।

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदरा): उपाध्यक्ष महोदय, इनको कैसे वहम हो गया है कि मेरे चलती है या नही चलती है।

श्री धर्मबीर: मुझे इसलिए पता चला कि इन्होने मेरे एक काम के बारे मे कहा था कि आपको इसके बारे मे आठ दिन के अदंर अंदर जवाब दे दिया जायेगा लेकिन उसका आज तक भी कोई जवाब नही मिला है। आज 9 महीने इस बात को हो गये है। जब मै मिनिस्टर था तो मै साफ कह देता था कि मै किसी का कोई भी बतल काम नही करूगा इसिलए मुझे अपनी इस बात का फरख है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से इनसे गुजारि ा है कि अगर इनकी इस सरकार मे चलती नही है तो ये ख्ाुराना साहब की तरह इस्तीफा दे दे। ऐसा करने से इनका नाम भी अखबारो मे आ जायेगा कि गोदारा साहब एक अच्छे आदमी है इसलिए उन्होने इस सरकार से इस्तीफा दे दिया। (विघ्न) मै इनको अपने यहां के केसिज के बारे मे लिखरक दे दूंगा। इसके अलावा इन्होने बडे फरख से यह भी कह दिया कि इन्होने इतने परसैंट ऐग्रीकल्चरल

प्रोडक्शन बढा दिया। हमने पिछली दफा कहा था कि इसके कोई दो राय नही है कि सरकार की पोलिसी ऐग्रीकल्चर प्रोडक्शन बढाने मे बहुत सहायक होती है। लेकिन यह सरकार किसान को तो भूल ही जाती है जो पैदावार प्रोडक्शन बढाने मे बहुत सहायक होती है। लेनिक यह सरकार किसान को तो भूल ही जाती है जो पैदावार को बढाता है। मै अपको बताना चाहूगा कि 1995 मे चौधरी भजन लाल जी ने उस किसानो को तीन हजार रूपये प्रति एकड का मुआवजा दिया था जिनकी जमीनो के अंदर पानी खडा था जब उस समय चौधरी भजनलाल जी किसान को इतना मुआवजा दे सकते थ तो यह सरकार अब ऐस क्यो नही कर सकती ? अगर नही कर सकती तो सरकार इसकी वजह बताए।

श्री मनीराम गोदाराः उपाध्यक्ष महोदय, गाबा साहब यह तो बताए कि उस समय किस तारीख को किस जगह या गांव मे और किसको इतना मुआवजा दिया गया है ?

श्री धर्मबीर गाबाः उपाध्यक्ष महोदय, इनके पास सारा रिकार्ड है इसलिए यह तो ये खुद देखे कि किसको कितन मुआवजा दिया गया है लेकिन इतना जरूर है कि चौधरी भजन लाल जी की हुकूमत के समय मे तीन हजार रूपये उन किसानो को दिए गए थे जिनकी जमीनो मे पानी खडा रह गया था। गोदार साहब बुजुर्ग है और सीनियर है लेकिन फिर भी इनको इस बात का पता नही है तो फिर इस सरकार का तो भगवान ही मालिक है।

सिचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब ने जो कहा कि भजन लाल जी ने तीन हजार रूपये प्रति एकड के हिसाब से किसानो को मुआवजा दिया था। तो मै बताना चाहूगा कि ऐसी बात नही है (विघ्न) मै बताना चाहूगा कि जो पैसा दिया गया था, यह सैन्टर गवर्नमैट ने दिया था वह पैसा कर्ज के रूप मे दिया गया था और उस पर 13 परसैंन्ट ब्याज था।

श्री धर्मबीरः मेरी अर्ज सुनिये, मंत्री जी बताए कि कौन सा पैसा ब्याज के लेते है ? जंहा तक क्रेडिबिलिटी की बात है, हमे तो ब्याज पर पैसा मिल भी जाता था लेकिन इन को तो ब्याज पर भी पैसा नही मिलता है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहता हू कि आज दिक्कत यह आ रही है जिसको किसान का दर्द है यह कुछ नही कहता और जिसको किसान की खिल्ली उडानी है वह किसान का नाम लेता है उस समय भजन लाल जी ने केन्द्र सरकार से कर्ज लेकर किसानो को जो मुआवजा दिया था आज उसकी वजह से किसानो को मुआवजा देने मे दिक्कत आ रही है और उल्टे ब्याज सैन्टरल गवर्नमैंट को देना पड रहा है। इन्हे इस बात को भूलना नही चाहिए।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, अब मै इण्डस्ट्रीज मे बारे मे कहना चाहूगा। मुझे तो कहते हुए भार्म आती है कि इस गवर्नमैट ने फरीदाबाद और गुडगांव को तो सोमनाथ का मंदिर

समझ रखा है कि जिनता चाहो लूट लो। ऊंट ले आओ, सोन उठाओ और चल दो। भाि पाल जी यहां बैठे नही है वे यह बता दे कि इस भाासनकाल मे फरीदाबाद और गुडंगांव मे कोई इण्डस्ट्री लगी है मैने पिछले सै ान मे कहा भी था कि जब तक इण्डस्ट्रीज से सी0एल0यू0 कर (Change of land use) नही उठाओगो तक तक इण्डस्ट्रीज पनपेंगी नही। क्या से बता सकते है कि जब से वे आए है कोई नई इण्डस्ट्री वहा लगी है ? यह तो मै बता सकता हू कि बहुत सारी इण्डस्ट्री वहा से उठकर नोयेडज्ञ चली गई है और ये बात हमे भी पता है और इनको भी बहुत अच्छी तरह से पता है। एक हमारे मंत्री जी है जो महात्मा गांधी के बंदरो की तरह न बुरा देखते है, न सुनते है, न बोलते है। मुझे ये बाते देखकर दुख होता है कि आज एक साहब डी0सी0 को आर्डर करते है कि आपके पास पैसा पडा है सीवल लगा दीजिए तो उनके कहने पर बसई गांव के अदंर सीवर लगा दिया गया और जब आधा बना तो फोन आया कि फलां आदमी ने इन आग्रे ान करवाना। उस आदमी के गांव वाले उद्घाटन करवाने को राजी नही हुए तो फोन आया कि काम रोक दिया जाए। बडे दुख कके लिए ऐग्री नही करते है। इसी प्रकार पानी के लिए पाईप लग गए। आनरेबल पब्लिक हैत्थ मिनिस्टर साहब बैठे है मे इनसे रिक्वैस्ट करना चाहता हू कि बसई गांव मे जांच करो ले कि वहां क्या हो रहा है सीवरेज का काम अधूरा पडा है और पानी के पाइप भी पडे है।

जन स्वास्थय मंत्री (श्री जगननाथ): उपाध्यक्ष महोदय, पहले भी ये मुझसे मिलते रहे, लेकिन पहले तो इन्होने नही बताया अब इन्होने बताया है तो कार्यवाही करेगे।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से धर्मबीर यादव जी कां गांव कतई जिसमे वे रहते है वह मेरी कास्टीच्यूएंसी मे आता है आज वहा के सरंपच को इसलिए धमकाया जाता है कि यह तो यह धर्मबीर यादव जी का साथ छोउ दे नही तो सस्पैड कर देगे। उस सरपंच की कई एफ0आई0आर0 काट दी गई है। मै इस महान सदन मे दावे के साथ कहता हू कि उस आदमी के खिलाफ कोई भी आदमी कोई भी इल्जाम प्रूव कर देते हे तो दूसरे दिन वहाल कर देते है। कभी बुढेरा के सरंपच को कहते है कि फंला पार्टी ज्वायन कर लो। कतई का सरंपच एक ईमानदार लडका है जो हरिजन है उसका नाम बलतीज है और कुछ पूछना चाहते हो तो वह भी बता देता हू। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः उपाध्यक्ष महोदय, गाबा साहब डा धर्मबीर जी हमारी सरकार मे लोक निर्माण मंत्री होते थे। तब आप यह कहा करते थे कि वह सबसे ज्यादा भ्रश्ट मंत्री है अब ये उसको ईमानदार बता रहे है।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, मै उस गांव के सरंपच के बारे मे बता रहा हू इन्हे चाहिए कि पहले बात को ध्यान से सुन लिया करे। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः उपाध्यक्ष महोदय, मै भी इन्हे यही बात बता रहा हू कि क्योकि इन्होने यह कहा है कि उस सरंपच को इसलिए परे ाान किया जा रहा है क्योकि वह श्री धर्मबीर जी के साथ रहता है हो सकता है जब डा0 धर्मबीर लोक निर्माण मंत्री थे उस समय सरंपच ने कोई कारनामे किये हो।

विकास मंत्री (श्री कवंल सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी सरपंच को सरकार सीधे तौर पर सस्पैड नही करती। जब किसी सरपंच के विरूद्ध किसी प्रकार की ि ाकायत आती है तो डी0सी0 या डायरैक्ट पचांयत स्तर पर पहले इक्वंायरी कराई जाती है यदि उसमे कोई तथ्य पाया जाता हो तो उसके बाद चार्ज ाीट जारी की जाती है तथा उसका रिप्लाई आने तक इंतजार किया जाता है और इस दौरान उस सरंपच को व्यक्तिगत तौर पर अपनी बात कहने का अवसर दिया जाता हैै। सस्पैन् ान के आदे ा के बाद वह सरंपच कमि ानर साहब को अपील कर सकता है और फिर हाईकोर्ट मे भी अपील कर सकता है।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से पूछता हू और साथ ही हमारे रवैन्यु मंत्री बैठे हुए है आप इस बात की इंक्वायरी करवा सकते है कि कन्नई गांव मे 28 कैनाल पांचायत की जमीन है उस पर सरकार का कोई आदमी कब्जा किये हुए है और वह सरंपच उसको खाली करने के लिए कहता है परन्तु सरकार कहती है कि रहने दो। वह जमीन 6 करोड रूपये की है। वह सरंपच पचायत की जमीन को खोना नही चाहता। उपाध्यक्ष

महोदय, मामला तो यह है आप इंक्वायरी कर सकते है। इस बारे मे मुझे भी धमकी दी गई कि आप इस मामले मे दखल न दे।

श्री कंवल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैने इस विभाग को संभालने के बाद 1997 मे विभागिय कांफ्रेस बुलाई थी और उस मे यह फेसला किया गया था एक राज्य स्तरीय अभियान भाुरू किया जाये जिसमे सभी ऐसे बडे या छोटे व्यक्तियो को पकडा जाये तो पंचायत की जमीन पर कब्जा किये हुये है तथा इसके तहत किसी को भी माफ न किया जाये।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, यह बात हर हुकूमत वाले कहते है, हम भी कहते थे, ये भी कहते है और आगे आने वाले भी कहते रहेगे।

गृहमंत्री श्री मनीराम गोदाराः उपाध्यक्ष महोदय, गाबां साहब यह क्यो नही कहते है कि हमने भी किया है, आप भी कर रहे है और आगे आने वाले भी करेगे।

श्री धर्मबीरः और किस तरह कहा जाता है ? उपाध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण के बारे मे बहुत कुछ कहा गया कि हम ने बहुत तरक्की कर ली है। मै पूछना चाहता हू कि क्या इन्होने विधवा व बुढापा पै ान को बढाया है ? मुझे यह कहते हुए बडी भार्म आती है कि जिस दिन यानि 28 जनवरी को यहा पर सत्र भाुरू हुआ था, उस दिन विधान सभा के बाहर कर्मचारियो का धरना था। उन बेचारो ने समय लेने की कोि ा ा की लेकिन उन

पर लाठिया बरसायी गई। (ोम भोम की आवाजे) उन्होने मुख्यमंत्री महोदय से समय लेने की कोि ा ा की तो सी0एम0 साहब ने कहा कि मेरे पस नही है। वे बेचारे निरा ा होकर रोते चीखते हुए अपने घर को वापिस चले गए। क्या यही सामाजिक तरक्की हम ने की है ? आप हर रोज अखबार पढते ही होगे। एक बात मै मंत्री जी के नोटिस मे जरूर लाना चाहता हू जिसको बडे ध्यान से सुनने और उसका जवाब देने की जरूरत हैं। गुडगांव कें अंदर 100 कर्मि ियल कंपलैक्सिज बने है। क्या मंत्री महोदय बता सकती है कि इन मे से कितनो के नक ो पास हुए है और कितनो के नही ? इन मे जितने कपंलैक्सिज के नक ो पास हुए है, क्या वास्तव मे उनके नाम जमीन भी है अथवा नही ? मै मंत्री महोदया के नोटिस मे यह लाना चाहूगा कि जस्टिस गोपाल सिंह का मियावाली कालोनी के अंदर प्लांट है उसकी मृत्यु हो गई है तथा उसकी कोई औलाद नही है लेकिन इनकी कमेटी ने 18 हजार रूपये लेकर के उस प्लाट का भी नक ाा पास कर दिया है। मुझे भाक है कि कंही कोई और आदमी उस पर कब्जा न कर ले। इससे बडी अफसोसनाक बात और क्या हो सकती है ? मेरे पास ऐसी ऐसी खबरो की अखबारो की कटिग्ज है। (विघ्न)

श्री करण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, आज सुबह गाबा साहब मुझे मिले थे मैने उनको भी कहा था कि आज के दैनिक ट्रिब्यून मे लिखा हुआ है कि '' गुडगांव के एम0एल0ए0 साहब कही है ?''

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, ऐसे ऐसे काम ये ही कराते है। हमे सब पता है। इन के पैसे कोई और जरिया नही है। (ाोर एवम विघ्न) मै भगवान् से डरकर कहता हू कि 1950 से लेकर 1982 तक गुडगांव से जो भी विधायक एक बान बना है, वह वहां से दुबारा नही बन सका है लेकिन मै तीसरी बार वहां से विधायक बनकर आपके सामने खडा हू। मैने सारे रिकार्ड तोडे है। (विघ्न) ये कहते है कि मेरी खोज हो रही है, मै कहता हू कि आज नही तो कल उन को मालूम हो ही जाएगा कि मै आज विधान सभा से बोल रहा हू। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हू कि म्यूनिसिपल कौसिल का एक प्रोसीजर होता है, उसकी सक सतत् प्रक्रिया होती है कि जब कोई सडक टूट जाती है तो उसकी रिपेयर कराई जाती है जब कोई बल्ब या ट्यूब वगैरहा फयूज हो जाती है तो उसको रिप्लेस किया जाता है, लेकिन गुडंगाव का तो हाल ही निराला है।

स्थाानिय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): उपाध्यक्ष महोदय, गुडगांव नगरपालिका के अंदर गाबा साहब के काग्रेस पाट्री के पार्शद ही ज्यादा बैठे है। वहा पर अध्यक्ष व पार्शद इनकी अपनी पार्टी के ही है। इनकी पार्टी के पदाधिकारी वहा पर ज्यादा है। इसलिए वहा पर तो इनकी ज्यादा चलती है।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, यही तो दुख है कि उनकी चलने नही दी जाती है। उन पर दबाव बना रहता है। (विघ्न) आज हाल यह है कि एक व्यक्ति जो आजकल चेयरमैन है,

वह अपने आप को उपमुख्यमंत्री कहता है वह यह कहता है कि जब तक किसी कार्य का उद्घाटन नही करेगे, कोई काम नही होगा। (ाोर एवम विघ्न)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): उपाध्यक्ष महोदय, हमारे राज्य मे तो कोई उपमुख्यमंत्री ही नही है।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, मै उनका नाम सदन मे लेना ही नही चाहता हू। (विघ्न) मै यह भी कहना चाहता हू कि मेरे घर के साथ वाली सडक मे एक एक फुट के गड्ढे पडे हुए है इससे अफसोसनाक बात और क्या होगी कि उसकी तरफ भी कोई ध्यान नही दिया गया है।

डा0 कमला वर्माः उपाध्यक्ष महोदय, गाबा साहब हमे ये बताए कि क्या कभी उन्होने एक भाब्द भी लिखकर दिया है कि उनके घर के साथ वाली सडक खराब है (ाोर) ये सिर्फ सदन मे ही करते रहते है।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, ये एक ऐसे अच्छे आदमी की धर्मपत्नी है कि हम तो ये सोचते थे कि उनके गुण इन मे भी होगे। उपाध्यक्ष महोदय, मै इनसे कहना चाहता हू कि इनके एग्जीक्यूटिव आफिसर इनके डायरैक्टर है और इनका स्टाफ किस मर्ज की दवा है, हमे यह तो पता लगे कि वहां पर सडक बन रही है या नही बन रही है। उपाध्यक्ष महोदय, यह महकमा मैडम के

पास तो अभी आया है, यह 5 साल तक मेरे पास भी रहा है। विघ्न)

डा0 कमला वर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, मुझे गाबा साहब की बातो को सुनकर बडा दुख हुआ है क्योकि ये बहुत ही सीनियर मैम्बर है और इतना सीनियर मैबर होने के बावजूद भी अगर ये ऐसी बात करे तो अच्छा नही लगता। आप इनसे यह पूछे नगरपालिका मे बजट पास होता है, वर्क्स कमेटी बनी हुई है, वह कमेटी वर्क्स पास करती है इस बारे मे गाबा साहब, सब कुछ जानते हुए भी अगर दोश डायरैक्ट या दूसरे स्टाफ को दे तो अच्छा नही लगता। (विघ्न)

श्री धर्मबीर: उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको इनके सारे प्रोसीजर के बारे मे बताता हू। मै बहन जी से एक बात पूछना चाहता हू, बहन जी मेरी इस बात का जवाब दे। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: गाबा साहब, आप अपने हल्के की समस्याओ के बारे मे बहन जी को लिखकर दे दे, बहन जी आपको कहा भी कि आप अपनी समस्याए इन्हे लिखकर दे दे, ये उन समस्याओ को देख लेगी।

श्री धर्मबीर: उपाध्यक्ष महोदय, मैने इस बारे मे बहन जी को पहले ही लिखकर दिया हुआ है अगर नही दिया है तो बहन जी बता दे। बहन जी, तो उस कमेटी की प्रैजीडैट है ये खुद ही बता दे कि मैने इनको लिखकर दिया या नही दिया। क्या से बात

बता सकती है कि कमेटी के जो इलैक्टिड मैबर्ज है उन्होने कभी कोई नया नक ाा पास किया है ? एग्जीक्यूटिव आफिसर उनको नक ाा पास करने ही नही देता। वह कहता है कि नक ाा वह खुद ही पास करेगा। बहन जी, आप इलैक्टिड मैबर्ज द्वारा पास किया हुआ एक भी नक ाा दिखा दें।

डा0 कमला वर्माः उपाध्यक्ष महोदय, गाबा साहह एक जिम्मेवार विधायक है। ये मुझे लिखकर दे दे कि वहा पर ये ये इररैगुलैरिटीज हो रही है तो पूरा ध्यान दिया जायेगा।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, बहन जी वहा पर अपनी आखो से सारी बाते देखकर आई है, बहन जी वहा की कमेटी की मीटिंग भी अटैड करके आयी है इसके बाद भी मै बहन जी को और क्या लिखकर दू।

श्री उपाध्यक्षः गाबा साहब, आप कृपा ककंलूण्ड करे।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, जो इस सरकार के समय मे काम हो रहे है ये एक अच्छी सरकार के काम नही है। इन्हे चाहिए कि ये ठीक ढंग से काम करे, कुछ कानून के मुताबिक काम करे। यह नही होना चाहिए कि जिसकी मर्जी से जो आये वह नही चल पडे, इण्डस्ट्रीज को बढावा देना चाहिए, कुछ किसानो को राहत देनी चाहिए। माननीय मुंख्यमंत्री साहब जो आगार कैनाल के कंट्रोल का मसला है जितना मुझे इफैक्ट करता है उतना फरीदाबाद जिले मे किसी दूसरे को नही करता होगा।

श्री हर्श कुमारः उपाध्यक्ष महोदय, गाबा साहब ने कहा है कि अगारा कैनाल के कंट्रोल का मामला सबसे ज्यादा इन्हे इफैक्ट करता है। मै पूछना चाहूगा कि ये हमे बताये कि यह इनको सबसे ज्यादा कैसे इफैक्ट करता है।

श्री धर्मबीरः मै आपसे वही तो अर्ज कर रहा हू। यह तो मेरी बदकिस्मती है, नही तो मै जिले का सबसे बडा अलाटी था। उस समय मुझे एक रूपये के अगेस्ट 15 पैसा के हिसाब से जमीन मिली थी फिर भी मुझे 3500 बीघा जमीन मिली थी। मै बाद मे हसनपुर की जमीन को बेच बाच कर खा गया नही तो कभी मेरे पास बहुत जमीन हुआ करती थी और आपकी कैनाल हसनपुर के एरिया को ही सिंचित करती है।

श्री हर्श कुमारः गाबा साहब, जहा तक आगारा कैनाल की बात है, वह आज के दिन वहा की सारी जमीन को सिचिंत कर रही है, एक इंच भी जमीन ऐसीनही है जंहा पानी न पहुचता हो। दूसरी बात मै यह कहना चाहता हू कि अगर गाबा साहब की जमीन आगरा कैनाल की कमांण्ड मे है तो हमे लिखकर दे लेकिन इनकी जमीन आगरा कैनाल के कमांड मे नही आती है, इनकी जमीन तो हसनपुर के पास खादर मे है, खादर के आगरा कैनाल का पानी चला जाता है।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय को मालूम नही है कि मेरी जमीन कहा कहा पर है। मेरी जमीन तो

नागपूर लगवा मे भी है, लीकी मे भी है, वहा हर जगह पर मेरी जमीन है ये इस बात को क्यो भूल जाते है। (विघ्न) मेरे पास 3500 बीघा जमीन थी।

श्री हर्श कुमारः उपाध्यक्ष महोदय, लीकी से जमुना की तरफ अगर गाबा साहब की जमीन है तो दूसरी बात है, लीकी रजबाहा मे, हसनपूर रजबाहा मे और लीकी माईनर दोनो मे आज की तारीख मे जाकर आप देख ले टेल पूरी हो रही है।

श्री धर्मबीरः उपाध्यक्ष महोदय, मै वही बात तो अर्ज कर रहा हू, कोि ा ा तो हमने भी की थी कि आगरा कैनाल का कंट्रोल हमे हैड ओवर कर दिया जाये। इन्ही भाब्दो के साथ मै अपनी बात समाप्त करते हुए आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री कंवल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, अभी माननीय सदस्य श्री गाबा पंचायत भूमि मे नाजायज कब्जो की चर्चा कर रहे थे, इसके बारे मे मै आपके माध्यम से श्री गाबा जी एवम सदन के सभी माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहूगा कि गुडगांव जिले मे जमीनो के बहुत ऊंचें भाव है और इंचो के भाव जमीन वहा बिकती है, इसलिए पंचायत भूमि पर नाजायज कब्जे होने का वहा खतरा बना रहता है और श्री गाबा को पता भी है कि इसी वजह से हमने कई दफा वहा दौरा किया है कि कोई नाजायज कब्जा न होने पाये। मै माननीय सदस्यो को यह भी बताना चाहूगा कि अगर

कोई गांव मे नाजायज कब्जा करता है तो सरंपच अथवा पचांयत का यह पहला दायित्व बनता है कि उस आदमी के विरूद्व (Village Common Land Act) के तहत केस दायर करके नाजायत कब्जा हटवाये। अगर पचायत कार्यवाही नही करती है तो हमारा महकमा कार्यवाही करता है। अगर कोई गांव का व्यक्ति नाजायज कब्जा करता है तो भी पचायंत और ग्राम सभा के प्रत्येक सदस्य को यह पूरा अधिकार है कि वह प्रथम श्रैणी मैजिस्ट्रेंट के पास मुकदमा दायर करके कार्यवाही करे।

श्री धीरपाल सिंह बादली: उपाध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने 28 जनवरी 1999 वीरवार को जो अपना अभिभाशण यहा पर पढा उसके विरूद्ध के लिये मै खडा हुआ हू। महामहिम राज्यपाल महोदय की एक सीमा है कि सरकार द्वारा जो अभिभाशण तैयार करके दिया जाता है उसे वे वर्श की प्रथम सिटिंग के दौरान सदन मे पढते है। हमारे पार्लियामैन्टरी सिस्टम के अनुसार उन्होने यहा आकर यह अभिभाशण पढने का काम किया। मैने इस अभिभाशण के 24 पेजो मे जितनी भी लाइने थी उनको बार बार अध्ययन किया और यह पाया कि जो कुछ इसमे वर्णन है कि ये ये काम करने जा रहे है और ये ये काम किये गये एवम पिछले साल और आने वाले साल की जो सरकार की नीतियेा रही है और आगे होगी वह सब सच्चाई से काफी दूर है। चौधरी बसी लाल ने यह सरकार बनने से पहले आम नागरिक से यह वायदा किया था कि 24 घण्टे बिजली मुहैया कराई जायेगी लेकिन

पौने तीन साल बाद भी आज बिजली की सप्लाई उतनी है है जबकि आज चाहे हरियाणा प्रदे ा का किसान है, दुकानदार है या आम उपभोक्ता है उन सब पर पिछले ढाई पैने तीन साल से तरकीबन छ मर्तबा बिजली की दरे सरकार ने बढाई। आकडें मे द ार्या गया है कि पिछली बार 348 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई थी और अब 371 लाख यूनिट की चर्चा की गई है लेकिन यह मामल केवल इन कागजो तक सीमित है। यहा के कई माननीय सदस्य भी ग्रामीण आंचल मे रहते होगे उन्होने भी सारी हालत को देखा होगा। कुछ ऐसे हल्के है जो कि ग्रामीण इलाको मे मौजूद है और कुछ भाहरी हल्के ऐसे भी है कि जब से वहां बिजली की मांग बढी है तक से बिजली गायब है। पिछले दिनों लगातार 50 दिन तक भयानक कोहरा पडा और उस कोहरे के दौरान भी हरियाणा प्रदे ा का किसान इस आस मे अपने खेतो मे ट्यूबवैल पर बैठा रहा कि कब बिजली आयेगी और वह अपने खेत मे गेहू की फसल को पानी लगायेगा। लेनिक आज तक यह सरकार 4–5 घण्टे से ज्यादा बिजली देने मे असमर्थ रही है। इस अभिभाशण मे वि व बैक से लोन लेने की चर्चा भी की गई है। एक दिन मुझे पचकूला मे भााक्ति भवन जाने का मौका मिला भाक्ति भवन के बाहर बिजली के दो खम्भे पेंट किए हुए है। उन खम्भो पर 9 बाई 6 इंच की प्लेट बना कर लटकाई हुई है और उन प्लेटो पर लिखा हुआ है, वि व बैक की सहायता से बिजली का सुधारीकरण। दो खम्भो पर प्लेट पेंट करके उन पर वि व बैक को सहायता से बिजली का सुधारीकरण लिखने से बिजली का सुधारीकरण नही हो

सकता। प्रदे ा की जनता को इस तरह से गुमराह रकने का इससे बडा ाडयंत्र और कोई नही हो सकता। सारे प्रदे ा मे घूमने के बाद मुझे बिजली का जो सुधारीकरण दिखाई दिया वह उन दो खम्भो पर ही दिखई दिया। जैसे हमारी पार्टी के सीनियर सदस्य सम्पत सिंह जी ने आकडो के साथ बताया उसके हिसाब से इनका वि व बैक के साथ जो समझौता हुआ है उसके अनुसार आने वाले समय मे बिजली की कीमते बढाई जाएगी। इस बात से इनको नाराजगी हुई। मै कहना चाहता हू कि इस तरह से समस्या का समाधान होने वाला नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस समय भाई हर्श कुमार जी सदन मे नही बैठे है। वे अच्छा जवाब देते है लेकिन वे हमारी हर बात मे इन्टरबीन करने लग गए है। किसी हल्के का नाम आ गया तो उस पर वे इन्टरबीन करने लग जाते है। यह ट्रैजरी बैचिज की साजि ा थी कि विरोधी पक्ष की और से फंला फलां सदस्य बोलगे तो उनको इन्टरबीन करना है। क्या ऐसा करने से बिजली का सुधारीकरण हो जायेगा ? क्या बिजली की सप्लाई पूरी हो जाएगी ? डिप्टी स्पीकर साहब, अलग अलग समय मे अलग अलग कैबिनेट के वरिश्ठ मंत्रियो ने प्रैंस कांफ्रैस मे स्टैटमैट दी है कि बिजली का सुधारीकरण किया जा रहा है। मै इनको एक बात कहना चाहता हू कि ऐसे बाते हाकने मांत्र से कुछ होने वाला नही है। एक बात मै इनको बताना चाहूगा कि इनकी तरह बात हाकंने वाले दो मित्र इकटठे हो गए। एक ने कहा कि हमारे दादा के पास इतनी बडी खोर थी जिसमे पांच लाख जानवर एक साथ चारा चरते थे । दूसरे ने कहा कि मेरे दादा के पास

इतने बडा बांस था कि इससे क्या क्या बात कह दी फिर उसने उससे पूछा कि आपका दादा वहां बांस रखते कहा पर थे तो उसने उतर दिया कि तुम्हारे दादा की खोर मे तो वर्तमान सरकार के मंत्री ऐसे है।

जनस्वास्थय मंत्री (श्री जगन नाथ): वे दोनो सम्पत सिंह जी की पार्टी के होगे। (हंसी)

श्री सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, क्या वे हमारे न्यारे रहे है ?

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग ऐसी ही बात हांक रहे है और लोगो को गुमराह कर रहे है। हरियाणा प्रदे ा के जो साथी सै ान देखने के लिए आए हुए है वे भी कहेगे कि हरियाणा प्रदे ा की विधान सभा के अंदर क्या हो रहा है और प्रेंस वाले भी देख रहे है यह सरकार प्रदे ा के लोगो को किस तरह से गुमराह कर रही है। आज हरियाणा प्रदे ा मे आम उपभोक्ता को बिजली नही मिल रही है उसके लिए इस सरकार की पूरी केबिनेट की जिम्मेदारी बनती है। ये लोग अपनी जिम्मेदारी से बच नही पाएंगे। इन का घमण्ड चलने वाला नही है। चौधरी भजन लाल ने भी घमण्ड किया था। यदि ये भी घमण्ड करेगे तो आपका ..... नही रहेगा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री धीरपाल सिहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह कह रहा था कि घमण्ड करने वाले लोगो को हरियाणा प्रदे ा की जनता दोबारा उस सीट पर बैठने का मौका नही देगी।

श्री उपाध्यक्षः जो भाब्द आपने कहा वह ठीक नही लगता। इसलिए रिकार्ड पर नही आना चाहिए।

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर एक ाडयत्र के तहत बोगस बिंलिंग हो रही है। जो उपभोक्ता एक्सीयन, एस0डी0ओ0 और एस0ई0 के आफिस के बीच मे चक्कर लगाता रहता है और जो उनको एप्रोच करता है उनके बिल कुछ कम कर दिए जाते है। घरेलू उपभोक्ता का हजारो रूपये का बिजली का बिल होता है। यदि वह उपभोक्ता एस0डी0ओ0 के पास एप्रोच करता है तो वह 100 या 200 रूपये के कम कर देता है इसी तरह से एक्सीयन 100–200 रूपये कम कर देता है और इसी तरह से एस0ई0 100–200 रूपये कम कर देता है मै कहता हू कि इस प्रकार की गलत बिलिंग मे आखिर उपभोक्ता का कसूर क्या है ? इस प्रकार का जो ट्रैण्ड आ गया है इस पर रोक लगाने का दायित्व सरकार का बनता है। डिप्टी स्पीकर साहब, गाबा साहब ने एक आपति दर्ज की कि बिजली 6 बजे से 9 बजे नही आती है लेकिन गाबा साहब भूल गए क्योकि ये भाहरी इलाके से है मै कहता हू कि बिजली 6 बजे से 9 बजे तक नही बल्कि ज्यादातर समय गायब रहती है। जिसके कारण प्रदे ा मे अपराधो की सख्या बढी हुई है।

16.00 बजे

हरियाणा प्रदे ा के अन्दर जितने भी अपराध हुए है अगर उनकी एफ0आई0आर0 निकलवा कर देखे तो पता चलेगा कि ज्यादातर अपराधा 6 से 9 बजे के बीच मे ही हुए है। क्योकि उस वक्त बिजली का कट होने के कारण अधेरा होता है और चोर लोग अधेरे का फायदा उठाते है जिससे चोरियो की संख्या बढ रही हैं।

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): उपाध्यक्ष महोदय, धीरपाल जी कह रहे है कि अपराधा 6 से 9 बजे सांय के बीच होते है जबकि गाबा साहब कह रहे है कि दिन दहाडे अपराध हो रहे है मै पूछना चाहता हू कि इनसे ये कौन ठीक है ?

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै माननीय गृह मंत्री जी को बताना चाहूगा कि गाबा साहब का यह कहना था कि दिन के 12 या 12 बजे गुडगांव मे एक डाकखाना लूटा गया जिसमे से लगभव सवा 11 लाख रूपये डकैत लूट कर ले गये थे जब 11–12 बजे के बीच मे ऐसी डकैती पडती है तो उसे आम हरियाणावी भाशा मे यही कहा जाता है कि दिन दहाडे डाका डाला गया है। गाबा साहब ने यह इसलिये कहा क्योकि उनके क्षे? मे यह घटना घटी थी। (विघ्न)

एक आवाजः वे सभी अपराधी पकड लिए गए है।

श्री धीरपाल सिंहः अगर पकड लिये गए है तो अच्छी बात है। सरकार ने आने से पहले चौधरी बंसी लाल जी बडे लुभावना नारे देते थे। चौधरी बंसी लाल जी कहा करते थे कि मेरी सरकार आयी तो हमारे एरिया से आजाती से पहले यानि 1947 से पहले के इलको मे जिसमे रोहतक के इलाके व झजर के इलाके थे उनको वैस्ट यमुना कैनाल का जो पानी मिलता थार उससे ज्यादा पानी मिलेगा लेकिन वह पानी घटते घटते अब नाम मात्र का रह गया है। इस पानी मे अब पीने के पानी की भी समस्या पूरी नही होती। खेती की जमीन तो पानी से महरूम है ही। आज हमारे इलाके मे कई स्थानो पर पानी का स्तर बहुत नीचे चला गया है। मेरे लिखित प्र ान के उतर मे कहा गया था कि हम हरि़द्वार से गंगा का पानी लायेगे। मै पूछना चाहता हू कि आज वह गंगा कहा बह रही है, कहां घूम रही है ? मै पूछना चाहता कि वह आका ा गंगा क्या आसमान मे घूर रही है या किन्ही वनो मे घूम रही है। एस0वाई0एल0 का निर्माण न होना हम सभी के लिए भोमफूल बात है। यह किसी एक विधायक या पार्टी का सवाल नही है। यह तो सभी के लिए एक समान बात है इस एस0वाई0एल0 नहर के न बनने से हमारे प्रदे ा की 100–150 करोड टन पैदावार हर साल कम हो रही है।

प ाुपालन मंत्री (श्री जसंवत सिंह): आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। भाई धीरपाल एस0वाई0एल0 नहर के बारे मे बात कही। मै इनको बताना चाहूगा कि इस नहर को न बनाये जाने के

बारे मे जो इनकी पार्टी ने हरियाणा के साथ खिलवाड किया है वह किसी ने नही किया। इतिहास के अन्दर किसी पार्टी ने ऐसी..... ..... नही की जैसी इन्होने की। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने जिस भाब्द का इस्तेमाल किया है वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री उपाध्यक्षः जो भाब्द इन्होने कहा है उसे कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री धीरपालः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी जसवन्त सिंह जी नये है इसलिए इनको तथ्यो की जानकारी नही है। फरवरी 1991 के अन्दर केन्द्र मे चन्द्र भोखर जी की सरकार थी और नीचे यानी हरियाणा मे हमारी पार्टी की सरकार थी। पजांब के हालात काफी दयनीय हो गए थे। चौधरी देवी लाल जी और चौधरी चन्द्र भोखर जी ने हाताल की नजाकत को देखते हुए बी0आर0ओ0 को एस0वाई0एल0 का काम करने की जिम्मेदारी दी थी। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, यह आदे ा ओन रिकार्ड है। बाद मे कांग्रेस पार्टी की सरकार आई और उस आदे ा को विदड्रा कर लिया गया। (विघ्न एवम भाोर)

श्री जसवन्त सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आज ये लोग किसान की बात करते है। इस सदन मे झूठ बोलना सबसे बडा पाप है। आपको ऐसे लोग कही नही मिलेगे। ये लोग

उनसे मिले हुए है और उनके साथ मिल कर चुनाव लडते है। प्रका ा सिंह बादल की पत्नी और उनके बेटे के लिए चुनाव प्रचार के लिए ये लोग राजस्थान गए थे। ये लोग पजांब के उन लोगो के साथ मिले हुए है जो यह कहते है कि हरियाणा को पानी की एक बूद नही देगे और यहां पर ये लोग किसान के हित की बात करते है इससे बडी गद्दारी की और कोई बात नही हो सकती है। यही वजह है कि ये लोग आज उधर विपक्ष मे बैठे हुए है और हम इधर बैठे हुए है। (विघ्न एवम भाोर)

श्री ओमप्रका ा चौटाला: डिपटी स्पीकर साहब, जब यह निर्णय लिया गया उस समय चौधरी जगननाथ जी कांग्रस पार्टी के अन्दर होते थे। यह हर पार्टी के अन्दर हर वजीरता के अन्दर वजीर होते है। बी0आर0ओ0 का फेसला कांग्रेस पार्टी की सरकार ने वापिस लिया था। उपाध्यक्ष महोदय, इनको इस बात का पता नही नही कि किसने क्या किया। इन लोगो को चाहिए कि कुछ पढे कर और तैयारी करके आया करे। इन को इस बात को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि इस प्रकार की बातो से बंसी लाल जी राजी नही होगे। पहले ये कुछ सोचे समझे और इनको अक्ल से काम करना चाहिए और दिमाग और बुद्धि से इनको काम लेना चाहिए। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: धीरपाल जी आप बोले। (विघ्न)

श्री सम्पत सिहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। जसंवत सिंह जी ने पजाब की सरकार और हमारी पार्टी का जिकर किया। हरियाणा मे हमारी पार्टी ने अकाली दल के साथ मिल कर कोई चुनाव नही लडा है और न ही पजांब मे अकाली दल के साथ मिल कर कोई चुनाव लडा है। मै एक तथ्य स्पश्ट करना चाहूगा कि जिनकी वजह से इनकी सरकार बनी और दिल्ली मे भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और भारतीय जनता पार्टी ने अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लडा और हरियाणा मे भी भारतीया जनता पार्टी के साथ मिल कर इन्होने चुनाव लडा यह हमारी अपनी स्टेट का ई L है। हमारी स्टेट के लिए एस0वाई0एल0 की प्रायोरिटी डिप्टी स्पीकर साहब, इस सरकार को अगर अपनी स्टेट के हितो का ध्यान होता तो बी0जे0पी0 के लोग पजांब मे अकाली पार्टी को स्पोर्ट नही करते। अकाली दल पजांब मे सरकार चला रहा है और वह बी0जे0पी0 की स्पोर्ट पर है और यहा की सरकार को भी बी0जे0पी0 की स्पोर्ट है। (विघ्न एवम भाोर)

श्री उपाध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप इनको बोलने दीजिए (विघ्न एवम भाोर) जसंवत सिंह जी, आप बैठिये। (विघ्न एवम भाोर) आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे (विघ्न)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः डिप्टी स्पीकर साहब, उडीसा मे पिछले दिनो क्रि चन मि नरी के पादरी तथा उसके लडके का कत्ल हुआ है परन्तु आज तक उनके कातिलो को पकडा

नही गया। मै इनसे यह पूछना चाहूगा कि इनकी दिल्ली की सरकार इस मामले मे क्या कर रही है?

बैठक का स्थगन

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायअ आफ आर्डर है (विघ्न एवम भाोर) उपाध्यक्ष महोदय, जब भी कोई बात हो जाए तो भाति बी0जे0पी0 से होती है क्योकि भाति के लिए बी0जे0पी0 का होना बहुत जरूरी है। प्रो0 सम्पत सिंह जी ठीक फरमा रहे थे। (विघ्न एवम भाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, (विघ्न) रण्दीप सिंह सुरजेवाला जी आप सुनो आप सुनो तो सही। डिप्टी स्पीकर साहब, इनके तो ईसाई पादरी का भूत चढा हुआ है। यह सोनिया जी जो एक रोमन कैथोलिक है वह कांग्रेस की प्रधान बन गई। इनको 100 करोड के दे ा की आबादी मे अपनी पार्टी का प्रधान बनाने लायक आदमी नही मिला और सोनिया इनकी पार्टी की प्रधान बन गई। ये उस पार्टी की बात कर रहे है। डिप्टी स्पीकर साहब, इनको प्रधन बनाने लायक कोई और आदमी ही नही मिला। (विघ्न एवम भाोर) डिप्टी स्पीकर सर, एक तो कांग्रेस ने उस समय ठीक नही किया जब ईस्ट इण्डिया कम्पनी हिन्दुस्तान मे आई थी और अब एक इटली इण्डिया की कम्पनी हिन्दुस्तान मे जगह नही है। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, यह दे ा अब इटली इण्डिया कम्पनी नही होने देगे। (विघ्न) कैप्टन साहब, अपने खून को पहचानो। डिप्टी स्पीकर साहब, कहा की चर्चा ? इनकी तो वो भूत चढ रहा है। डिप्टी

स्पीकर साहब, मै एक बात कहना चाहता हू। (विघ्न) बहन जी एक मिनट मेरी बात पूरी होने दीजिए। बहर करतार देवी जी आप मेरेी बात सुनिए।(विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, इसमे मैने क्या गलत बात कह दिया कि सोनिया जी 17 साल मे भी हिन्दुस्तान की नागरिक नही बनी। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आप सभी अपनी सीटो पवर बैठे और रामबिलसा भार्मा जी को बोलने दे, आप बाद मे बोल लेना।

श्री रामबिलास भार्माः वे तत्व हिन्दुस्तान की नागरिक बनी जब उनके खिलाफ केस हुआ कि प्रधानमंत्री के घर मे कोई विदे ाी नागरिक नही रह सकता है तथा सोनिया जी ने हिन्दुस्तान की नागरिकता ग्रहण की। मै यह सत्य पर आधारित बात कर रहा हू। राजीव गांधी से भाादी के बाद 17 साल तक उन्होने हिन्दुस्तान को नागरिकता लायक दे ा नही समझा। डिप्टी स्पीकर साहब, यह काग्रेस का तो दिवालियापन निकाल कि इस 100 करोड की आबादी वाले दे ा मे इनको प्रधान बनाने लायक कोई आदमी ही नही मिला। यह अन्तर्राश्ट्रीय ाडयन्त्र है डिप्टी स्पीकर सर। (विघ्न)

श्री करतार देवीः उपाध्यक्ष महोदय, रामबिला ा भार्मा जी प्रोफैसर है लेकिन यहा कैसी बात करते है। पहले तो सोनिया जी इस हाउस मे नही है और वे उनका नाम ले रहे है, दूसरे वह भारत की नागरिक है। भारतीय संस्कृति की बात भार्मा जी करते

है। राजीव गांधी से उससे भाादी कर ली तो वह राजीव गांधी की धर्मपत्नी है। तुम्हारे कहने से कुछ नही बनता, तुमने दिल्ली से सब तीर चला कर देख लिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्माः डिप्टी स्पीकर सर, मै प्वायंट आफ आर्डर पर था। मै पहले बात कर रहा था लेकिन रण्दीप सिंह सुरजेवाला जी ने खडे होकर कोई क्रि चन की बात कह दी। मैने उनकी बात का जवाब दे दिया। मै आज भी कहता हू कि रण्दीप सिंह सुरजेवाला उस पुरानी कांग्रेस पार्टी के विधायक है जिस पार्टी के पास प्रधान बनने लायक कोई आदमी नही है। सोनिया जी राजीव गांधी के साथ भाादी करके आई और 17 साल तक विदे ाी नागरिक ही रही। जब राजीव गांधी प्रधान मंत्री बन गए तब वह भारत की नागरिक बनी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्रीमती करतार देवीः भार्म जी, आपको इसमे क्या हो रहा है। आपको कांग्रेस की चिन्ता होने लगी। आप अपने को देखो।

श्री रामबिलास भार्माः उनको बी0जे0पी0 की चिन्ता कैसे हो रही है। (विघ्न) आपको बी0.जे0पी0 की चिन्मा भी तो हो रही है। (विघ्न)

(इस समय कांग्रस पार्टी के सदस्य श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला तथा उनकी पार्टी के उपस्थित सभी मैम्बर्ज बोलने के

लिए खडे हो गए और नारे लगाते हुए बैल मे आ गए तथा वहा पर उन्होने धरना दिया।)

श्री उपाध्यक्षः आप अपनी सीटो पर जाए। सरजेवाला जी अपनी सीट पर जाकर बैठे। (ाोर एवम नारेबाजी) हाउस 15 मिनट के लिए एडजर्न किया जाता है।

(The Sabha then adjoruned and re-assembled at 4-30 P.M)

भाब्दो को निकालने/वापिस लेने सम्बन्धी मामला

(इस समय काग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्य सदन की बैल मे बैठे रहे ओर जोर जोर से नारे लगाते रहे।)

श्री अध्यक्षः मेरी सभी माननीय सदस्यो से प्रार्थना है कि वे कृपा करके अपनी सीटो पर चले जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

लोकनिर्माण मंत्री (भवन तथा सडके): (श्री कर्ण सिह दलाल) अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्यो से अनुरोध है कि वे बैल मे बैठने का कारण बताए। ये लोग जो यहा पर बैल मे आकर बैठ है आप कृपया इनसे यह पूछे कि ये यहा पर किस बात के लिए बैंठे है ? (ाोर एवम व्यवधान) कांग्रेस पार्टी के जो माननीय सदस्य बैल मे बैठे हुए है उनसमे मै निवेदन करना चाहता हू कि वे अपनी सीटो पर जाकर आपनी बात को स्पश्ट करे कि वे यहा किस लिए बैठे है। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आपने भी उनसे अनुरोध किया है कि

पहले उनको अपनी सीटो पर जाकर बैठना चाहिए ओर फिर अपनी बाते कहनी चाहिए। ये सभी जो माफी मांगने की बात कह रहे है, ये अपनी अपनी सीटो पर जाकर सदन के ध्यान मे यह बात तो लाए कि ये किस बात की माफी मंगवाना चाहते है। इननो अपनी बात हाउस मे बतानी चाहिए।

श्री अध्यक्षः खु ीद अहमद जी, मेरी आपसे एक प्रार्थना है कि आप तो बहुत ही सीनियर मैम्बर है आप मंत्री भी रहे है। इसी तरह से गाबा साहब जी इसी कैटेगरी मे आते है इसलिए आप सभी को अपनी सीटो पर बैठना चाहिए और इसके बात बीरेन्द्र सिंह जी को अपनी पार्टी की तरफ से पोजी ान ऐक्सप्लेन करने दे। (ाोर एवम व्यवधान) जब तक आप लोग बैल से उठकर अपनी सीटो पर नही जाएगे। तक तक मे बीरेन्द्र सिंह को बोलने के लिए एलाऊ नही करूंगा।

(इस समय कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्य बैल से उठकर अपनी अपनी सीटो पर चले गए।)

श्री अध्यक्षः अब बीरेन्द्र सिह जी, आप अपनी पार्टी की तरफ से पोजी ान ऐक्सप्लेन करे।

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, आप उस समय सदन मे नही थे बल्कि माननीय उपाध्यक्ष महोदय, चेयर पर बैठे हुए थे तब ि ाक्षा मंत्री श्री रामबिलास भार्मा जी ने हमारी पार्टी की राश्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के बारे मे कुछ भाब्दो का

प्रयोग किया, यह भाब्द ऐसे है जिनको मै रिपीट नही करना चाहता, जिनको मै दोबारा नही बोलना चाहता। अध्यक्ष महोदय, इस दे ा के अदंर 67 सालों की लम्बी स्ट्रगल के बाद प्रजातंत्र कायम हुआ है और दे ा आजाद हुआ है। उसके बाद इस दे ा मे जो सविंधान डाक्टर भीमराव अम्बेडकर द्वारा नि चत किया गया है, उसके आर्टीकल्ज मे यह नि चत किया गया है कि दे ा के अंदर जो भी नागरिक है उनके अधिकार समान है? चाहे उनके मजहब कोई भी हो, चाहे वे किसी धर्म के हो, चाहे किसी जाति के हो, चाहे किसी रंग के हो, वे सभी समाप्त है। लेकिन इस दे ा मे जब से केन्द्र मे एक ऐसी सरकार है जो इस दे ा को धर्म के नाम पर जाति के नाम पर बाटना चाहती है। इन लोगो के पिछले एक साल से इसी तरह से के प्रयास रहे है। (विघ्न)

Shri Ram Bilash Sharma: This is no explanation of the incident. This is unfair.

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी, पहली बात तो यह है कि अगर कोई उस समय के दौरान मे अनपार्लियामैट्री भाब्दो का प्रयोग हो that may be expunged Do not go into the details of national events. जो कुछ बात आप यहां की घटना के बारे मे कहना चाहते है वह कहे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से चौधरी वीरेन्द्र सिंह से पहले अपनी बात कहना चाहता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

Shri Birender Singh: He has no right to speak.

स्थानिय भाासन मंत्रीः (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मै बीरेन्द्र सिह जी से निवेदन करना चाहती हू कि यदि कोई अनपार्लियामैट्री भाब्दो का प्रयोग है तो वे उसकी विवेचना करे, बाकी केन्द्र सरकार कैसे है, क्या कहती है उसके बारे मे हम कुछ नही सुनगे। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः कुछ सुनने की तैयारी रखो, कुछ सुनने का माद्दा रखा। जो सच्चाई है, उसको सुनने पडेगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिह जी, आपको यही एक कश्ट है कि उन्होने यह बात कही है जो नही कहनी चाहिए थी। अगर आप भी वहा कहेगे तो there will be no end.जब मैने आते ही वहा कहा कि Mr. Birender Singh will explain the whole matter. इसका मतलब यह है कि आप उन पर भी फेयर नही रखते it unfortuate.

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने राम बिलास जी को सिर्फ यह कहा कि भारत के सविधान मे माइनोरिटीज के लिए, समाज के दलित वर्गो के लिए प्रौटैक ान है वरना तो इन जैसे साम्प्रदायिक लोग तो गरीब आदमी को जीने नही देगे। वह बडे खेद की बात है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, यह गलत बात है। ये गालियो देने पर उतारू है। मुझे भी अपनी स्थिति ऐक्सप्लेन करने की इजाजत दे। ये मुद्दा बनाना चाहते है। (ाोर एवम व्यवधान) They have nothing to say.

श्री अध्यक्ष: मै एक बार फिर बीरेन्द्र सिंह जी से रिक्वैस्ट करता हू कि वे बडे ब्रीफ मे भााामिल, भााालीनता से पार्लियामैट्री लैग्वेज मे अपनी बात कहे। (विघ्न) अगर आप कहना चाहते है तो कहे, It is upto you अगर आप कहना नही चाहते तो you please take your seat I would not allow you to disturb the House.

Sh. Birender Singh: We are not disturbing the House.स्पीकर साहब, मै जो बात कह रहा हू कि वह यह कह रहा हू कि सामाजिक तौर पर जो पिछडे, दलित और अल्प संख्यक समुदाय है उन लोगो को भी सविधान के तहत हर प्रकार की प्रौटैक ान है और अपने धर्मो मे वि वास रखने का हक है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिह दलाल: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को अनुरोध करता हू कि जो मुद्दा है जिस बारे ि ाक्षा मंत्री महोदय ने ऐसी कोई बात कही है तो वे सदन के अन्दर कहे यहा पर हमारे प्रैस के भाई मौजूद है और हरियाणा की जनता इस सदन की कार्यवाही को देख रही है अगर इन्ही किसी बात की आपति है तो उस बात को कहे।

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप यह बताये कि आपको किसी बात पर खेद हुआ है ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै उन भाब्दो का उच्चारण करना नैतिकता के विरूद्ध समझता हू।(विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, फिर ये सदन की कार्यवाही मे रूकावट क्यो डाल रहे है?

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आपको इस सदन मे यह परम्परा डाल रखी है कि जो व्यक्ति इस सदन का सदस्य न हो उसका नाम लेकर उसके खिलाफ कोई आरोप इस सदन मे नही लगाया जाएगा। मेरे साथी ने जिस प्रकार की बात इस सदन मे उठायी है वह बडी खदेजनक बात है। अगर इस तरह की व्यवस्था इस सदन मे रही तो इससे सदन की मर्यादा घटेगी, बढेगी नही। जिस तरह से श्री मदन लाल खुराना ने अपने पद से इस्तीफा देकर जिस बहादुरी के साथ साम्प्रदायिक पार्टी का नंगा नाच नचाने का ड्रामा किया है वह गलत बात थी। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप अपनी बात को पूरी करे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बडी डैरोगटी बात कही है जिसको हम कंडम करते है, इस हाउस को भी इस बात का कडम करना चाहिए और मंत्री जी को इस बात के लिए सदन के अन्दर माफी मांगनी चाहिए।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिह, चौधरी खु र्ीद अहमद जी, बहन करतार देवी, चौधरी धर्मबीर गाबा जी, कैप्टन अजय सिंह जी, सारे काग्रेसी सदस्य इस सदन के वरिश्ट सदस्य है, हम भी इनके साथ विरोध पक्ष मे बैठते रहे है। मेरा अपना 20 वर्श का अनुभव इस महान सदन कर रहा है मैने इस दौरान यह देख है कि इस महान सदन का रहा है मैने इस दौरान यह देखा है कि इस महान सदन का अपना आचारण है, इतिहास है और मै कभी इस सदस्यो की भावना को ठेस पहुचाने के बारे मे कल्पना मे भी विचार नही कर सकता। स्पीकर साहब, आज चर्चा के दौरान चौधरी सम्पत सिंह जी ने एक बात कही थी। उस बात के सन्दर्भ मे मै उपाध्यक्ष महोदय, की अनुमति लेकन प्वायंट आफ आर्डर पर अपना जवाब दे रहा था कि श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला जी बीच मे बिना अनुमति के खडे हो गये और उन्होने मेरे ऊपर आरोप लगाया और मेरी पार्टी पर आरोप लगाया । वे हर बात मे बीच मे बाधा डालते है चाहे व दादूपुर नलवी की बात हो, चाहे कोई और बात हो, चाहे दिल्ली की सरकार की बात हो। स्पीकर साहब, रिकार्ड आपके पास मौजूद है, लिखने वाला लिखते है, सुनने वाला सुनते है उस समय चौधरी औमप्रका ा चौटाला जी, चौधरी सम्पत सिह जी, और चौधरी धीरपाल सिह जी भी इस सदन मे मौजूद थे, श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि बी0जे0पी0 की सरकार ईसाईयो पर अत्याचार कर रही है। स्पीकर साहब, मैने उस समय यह कहा कि आपकी पार्टी की प्रधान तो वह है जो भाादी के 17 वर्श बात तक

भारत की नागरिकता को ग्रहण करने के लिए भी नही सोच सकी। जब इस बारे मे लोकसभा मे बात आई तब उन्होने भारत की नागरकिता ग्रहण की। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र सिंह जी, अब आप ही बातए कि क्या श्री रामबिलास भार्मा जी ने कोई गलत बात कही थी। (विघ्न) आप ऐसे ही गलत बात नही बोल सकते।

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोंदय, गलत बात भाब्दो से नही बल्कि भावना से भी कही जाती है। इनकी भावना तो बहुत ही संकीर्ण है, बहुत ही गलत है। (ाोर एवम विघ्न) इसलिए जब तक यह बात क्लीयर नही हो जाती, तब तक हम सदन की कार्यवाही नही चलने देगे। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सदन की कार्यवाही को क्यो चलनी नही देगे? आप ऐसा नही कर सकते है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दीजिए। (ाोर एवम विघ्न)

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमि ान है कि भाई राम बिलास जी ने जो बात कह, उसका चौधरी बीरेन्द्र सिह जी एतराज कर रहे थे। मै उनसे पूछना चाहूगा कि उन्होने जो दिल्ली की सरकार के बारे मे कहा, क्या यह ठीक भावना से कहा है ? (ाोर एवम विघ्न) श्री बीरेन्द्र सिह ने दिल्ली सरकार

पर दुर्भावना जो जो इल्जाम लगाया उनकी वह बात बेबुनियाद है गलत और असत्य है। (ाोर एवम विघ्न)

Mr. Speaker: Mr. Surjewala, I warn you. Please take your seat. other wise i will have to name you.

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन के सामने मै निवेदन करना चाहता हू कि नागरिकता की जहां तक बात है यह न मेरी बपौती है और न चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की। इस दे ा का इतिहास न तो मै बना सकता हू और न ही चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बना सकते है। (ाोर एवम विघ्न) इस दे ा की 100 करोड की जनसख्या मे अगर किसी की भी भैंस दूध नही दे तो प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेय को जिम्मेवार ठहराना कहा तक उचित है ? यह तो कोई अच्छी बात नही हुई। (ाोर एवम विघ्न)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, ये कुछ भी कहते जाए, इनको सब कुछ कहने का अधिकार है ? (ाोर एवम विघ्न)

Mr. Speaker: I wern you. Please take your seat. otherwise I will have to name you. आप बहुत सीनियर मैम्बर है। कृपया आप बैठिए।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, राम बिलास भार्मा जी तो मेरे से भी सीनियर सदस्य है।

श्रीराम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से चौधरी बीरेन्द्र सिह जी, श्री खु र्शिद अहमद जी व बहिन करतार देवी से पूछना चाहता हू कि जो पार्टिया पचास साल से बनी हुई है उनके बारे मे मै चर्चा क्यो न करू जब आप मेरी 9 महीने की पार्टी की सरकार के बारे मे गलत बोल रहे है। (ाोर एवम विघ्न) चौधरी बीरेन्द्र सिह जी मेरी बात सुनिए। इस महान सदन के प्रति और काग्रेंस व राश्ट्रीय लोकदल के माननीय सदस्यो के प्रति मेरी पूरी आस्था है। (ाोर एवम विघ्न)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, हमारी अध्यक्षता के प्रति जो असम्मानजनक भाब्द कहे गए है वह बहुत ही गलत है।..... ....

श्री अध्यक्षः जो कुछ बहिन करतार देवी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाये। इससे पहले कि मुझे कोई कार्यवाही करनी पडी करतार देवी जी आप अपना स्थान ग्रहण करे। आप एक वरिश्ठ सदस्या है।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपको एक सुझाव है कि दोनो तरफ से जो बातो कही जा रही है उनको आप देख ले अगर कोई गलत बात है तो उसको इस सदन की कार्यवाही से निकाल दिा जाये।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, आप मेरी बात सुने।

Mr. Speaker: Mr. Surjewala, without permission of the Chair don'try to speak.

श्री जसंवन्तः अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि इस सदन मे दो तरह की बाते नही होनी चाहिए। एक तो अनपार्लियामैट्री और दूसरी असत्य बात नही होनी चाहिए। मै आदरीणय सदस्यो मे पूछना चाहता हू कि श्री रामबिलास भार्मा जी ने कौन सी अनपार्लिमैट्री या असत्य आत कही है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे जाये। एक बात मैने आते ही कही थी कि कोई भी अनपार्लियामैट्री बात रिकार्ड नही की जायेगी। जो भी अनपार्लियामैट्री बात होगी उसको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जायेगा। (ाोर एवम विघ्न)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुन तो ले।

Mr. Speaker: Mr. Surjewala, I warn you and I will have to name you. Please take your seat.

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह भी प्रथा डली हुई है कि सदन के बाहर कें व्यक्ति के बारे म`इस सदन मे कुछ नही कहा जायेगा। (ाोंर एवम व्यवाधान) अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि वे श्री राम बिलास भार्मा जी ने जो भाब्द कहे है वे वापिस ले अगर अपने भाब्द वापिस नही लेगे तो हम सदन की

कार्यवाही मे हिस्सा नही लेगे। हाउस एडजर्न होने के बारे मे भी नही बताया गया।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, चौ0 बीरेन्द्र सिंह जी अपने कान बंद करके रखते है जिसके कारण इन्हे हाउस एडजर्न होने के बारे मे पता नही लगा कि हाउस एडजर्न कब हुआ ?(ाोंर एवम व्यवाधान)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सोनिया गांधी दे ाी है या विदे ाी इस बारे मे श्री राम बिलास भार्मा जी को तभी मालूम पडेगा जब ये अपनी पार्टी के 11 विधायको का इस्तीफा दिलाकर दोबारा से चुनाव लडेगे। अरग ये दोबारा से चुनाव लडेगे तो इनका एक भी साथी नही जीतेगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपको एक सबमि ान है कि जो बात आपको गलत लगे या अनपार्लियामैट्री लगे, उस बात को आप हाउस की कार्यवाही से निकाल दे, चाहे वह सदस्य सता पक्ष का हो चाहे विपक्ष का हो।

श्री अध्यक्षः इस बात के बाद this matter should come to an end. Now, Mr. Om Parkash Chatuala, you please take your sead.

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप सदन मे नही थे, उपाध्यक्ष महोदय, सीट पर थे। हमारी पार्टी के सदस्य चौधरी धीरपाल जी बोल रहे थे, जैसा कि ट्रैजरी बौचिज के लोगो

की बार बार बिना बजह बीच मे इटीबिनिब करने की आदत है। (ाोंर एवम व्यवाधान) अध्यक्ष़ा महोदय, श्री सतपाल सागवान जी का कही .'.....भेज दे।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, जी ने श्री सतपाल सांगवान के बारे मे जो कहा है उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह कोई अनपार्लियामैट्री भाब्द नही है। कृपया आप अपने रूल्ज मे देख ले और अगर यह अनपार्लियामैट्री भाब्द हो तो आप मुझे कोई भी सजा दे देना। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः श्री ओमप्रका ा चौटाला जी आप विधान सभा मे बैठे है न कि चिडिया घर मे आए है। कृपया आप बैठियें। राम बिलास भार्मा जी, बीरेन्द्र सिंह जी ने अपनी बात कह दी है अब आप भी अपनी बात थोडे भाब्दो मे कहे। (ाोंर एवम व्यवाधान) श्री सागवान, आप भी बैठिए और हाउस मे चाहे सता पक्ष हो या विपक्ष हो जो यह कहते है कि हाउस नही चलने देगे then noboday will be allowed to speakd without the permission of the chair.

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर था और आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मै अपनी बात कर रहा था तो श्री सांगवान को क्या अधिकार था कि वे बीच मे खडे होकर बोलने लग जाये। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह कन्ट्रोवर्सी तो आपने क्रिएट कर दी।

17.00 बजे

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत लिये बगैर ही श्री सांगवान ने कुछ कहना भाुरू कर दिया।

श्री अध्यक्षः यह न्यौता तो आपने ही डाला है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः आप स्पीकर साहब, है इसलिए आपको स्पीकर के हिसाब से बात करनी चाहिए।

Mr. Speaker: I have nothing to learn from you. This is wrong statement.

श्री ओमप्रका ा चौटालाः सतपाल सांगवान बार बार क्यो खडे हो जाते है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठ जाए। (ाोर) चौटाला जी, आप किस की परमि ान से बोल रहे है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः मै आपकी परमि ान से बोल रहा हू।

Mr. Speaker: I request Mr. Sangwan and Mr. Chautala to please keep your self in your seats. Now Mr. Sharma will speak.

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने उस वक्त अपनी पार्टी के प्रधान का नाम लिया । मेरे

से भी उस समय उनका नाम निकल गया। स्पीकर साहब, किसी का नाम लेना अनपार्लियामैट्री है, यह बात जचती नही। मैने सारी घटना माननीय हाउस के समाने रखी। मेरी भावना किसी का आदर कम करने की नही है। इस बात के ये सब भाई बहन च मदीद गवाह है। मै इतिहास को तेाड मरोड नही सकता और न ही ये भाई इतिहास को तोड मरोड सकते है। मेरा इरादा तो क्या मेरी कल्पना नही है कि मै इनकी किसी भावना को ठेस पहुचाउ। स्पीकर साहब, मेरी जुबान पर अनपार्लिमैट्री भाब्द आता ही नही है। जिस सस्कृति मे मै पला बढा हू। उससे मेरी जुबान से कोई अनपार्लिमैट्री भाब्द नही निकल सकता। मै इन भाईयो का अपने हदय से पूरा आदर करता हू। मुझे खुद भी यह मालूम नही है कि मैने क्या अनपार्लिमैट्री भाब्द कहा था। मेरा सवा छ फुट के कद से किसी को कोई ठेस लगी हो तो मेरी किसी बात से इनकी किसी भावना को ठेस लगी हो तो ऐसी बात नही। स्पीकर साहब, दे ा की जनता महान है वहा इस दे ा की मालिक है। अगर जनता किसी को प्रधान मंत्री बना दे या वह किसी पार्टी के हाथ से दे ा की बागडोर दे दे तो इसमे कोई क्या कर सकता है। इनकी पार्टी ने दे ा मे 50 साल तक जो किया उस दे ा की जनता तंग आ चूकी थी इसलिए दिल्ली मे हमारी पार्टी की सरकार बनी उसको ये भाई हजम नही कर पर रहे है। स्पीकर साहब, पजांब मे भारतीया जनता पार्टी ने अकाली दल के साथ मिल कर चुनाव लडा और उन्होने मिल कर पजाब से सरकार बनाई। ओमप्रका ा चैटाला के साथ हम मिले हुए है। दिल्ली मे हमने

इनके साथ मिल कर चुनाव लडा और राजस्थान मे इनके साथ मिल कर चुनाव लडा। इनके समर्थन मे केन्द्र मे बाजपेयी जी की सरकार चल रही है। खेत खेत और क्यारी क्यारी क्या फर्क है। प्रजातत्र है इस समय जो वातावरण है वह मिलाजुला वातारवरण है। डाट की छत है, लदाव की छत है एक दूसरे के सहारे खडी है। स्पीकर साहब, मै आपके जरिए सदन से निवेदन करना चाहूगा अगर मेरी बात से माननीय सदस्यो की भावना को कोई ठेस लगी हो तो उसके लिए मै दुख प्रकट करता हू और मै उसके लिए इनसे क्षमा मांगता हू लेकिन मैने ऐसी कोई बात नही कही जिससे इनकी भावना को कोई ठेस लगे और न ही मैने कोई अनपार्लिमैट्री बात कही है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now the matter comes to an end. Shri Dhirpal Singh may resume his speech.

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से जो प्रैस नोट जारी किया है उसमे खेत के अन्तिम छोर पर पानी देने का आ वासन दिया जाता है अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के बादली मे जिन माईनरो से या चैनलो से पानी लगता है उनमे पिछले पौने तीन साल से जब से यह सरकार गठित हुई है तब से बे ाक कृशि मंत्री जी पता करवा ले अन्तिम छोर पर जो गांव पडता है उनमे पानी नही गया है। मेरे हल्के मे गांव लुकसर, सोलदा, बादली इस्माइला माईनर पर बपौडा, छारा, जागीपूर बामौला और

कुलताना आदि जो गांव है ये टेल पर है मेरा कहने का मतलब यह है कि इस सरकार के गठन के बाद से आज तक इन गावो की टेल तक पानी नही पहुचा। 12 तारीख तक यह सै ान चलेगा। बे ाक सरकार इस बात की इन्क्वायरी करवा ले। मेरी बात का जीता जागता उदाहरण यह पत्र जो मुझे आपके आफिस से मिला है उससे मिल जाता है मैने एक काल अटै ान मो ान दिया था कि जाहंगीरपूर पम्प हाउस का कनैक्ान पिछले 4 महीनो से बिजली का बिल न देने के कारण कटा पडा था जिस कारण पिछले चार महीने मे गेहूं व सरसो की फसल के लिए आबपा ाी नही हो पाई। साथ ही साथ लोगो को पीने का पानी भी नही मिल पाया क्योकि जहागीरपूर के साथ वाटर वर्क्स के कनैक्न भी लिकड है। मेरे इस नोटिस के बाद उसका बिल अदा किया गया ओर बिजली का कनैक्ान चालू किया गया है ंमैने जो काल अटै ान मो ान दिया है वह स्वीकार होगा और उस पर मुझे चार प्र ान पूछने की इजाजत होगी। मै पूछना चाहता हू कि पिछले चार मास से जो कनैक्ान कटा हुआ है जिस के कारण पानी की सप्लाई न होने के कारण गेहू की बिजाई नही हो पाई उसके लिए कौन जिम्मेवार है ? वहा पर प्रोपर पैदावार नही होगी उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा ? इस दौरान बिजली न होने के कारण किसानो को जो घाटा हुआ है क्या उसका मुआवजा सरकार देगी ? मै सरकान से जानना चाहूगा हू कि सरकार ने वहा पर कोई अल्टरनेटिव साधन क्यो नही किया। सरकार की तरफ से असत्य भाशा कह कर सदन को हरियाणा प्रदे ा को गुमराह किया

जा रहा है कि हम टेल तक पानी पहुचा रहे है। अध्यक्ष महोदय, सरकार की गैर जिम्मेदारी नीति के कारण किसानो को डी0ए0पी0 खाद समय पर नही मिला जिससे किसान बिजाई नही कर पाये। सरकार ने अब की बार पिछले साल से कम डी0ए0पी0 खाद मुहैयया करवाया जिस कारण इस खाद की कमी किसानो के लिए बनी रही। डी0ए0पी0 की कमी की वजह से किसानो को काफी परे ाानी उठानी पडी। डी0ए0पी0 की कमी के कारण प्राईवेट सप्लायर ने यूरिया खाद बेचा जिसे महगे दाम पर किसानो को खरीदा जिससे किसान पर दोहरी मार पडी। सरकार का दायित्व बनता है कि वह किसानो की समस्याओ का ध्यान रखे न कि इस 10 दिन की सिटिंग के समय मे हम आरोप प्रत्यारोप लगा रक सदन का समय बर्बाद कर। मैने आपकी गैर हाजरी मे एस0वाई0एल0 नहर बनाने के बारे मे चर्चा की थी। मै कह रहा था कि इस नहर के न बनने की वह से हरियाणा प्रदे ा काफी पीछे रहा है। एक सम्मानित मंत्री ने इस प्रकार की भाशा का प्रयोग किया जो कि यह द ार्ा रहा है कि वे क्या है। एक संत महात्मा ने कहा था कि जो बोलने वाला बोलता है उसके मुह से जो वाणी निकलती है उस वाणी से ही उसका करैक्टर बाहर निकलता है। कोई मंत्री किसी जिम्मेदारी पर पर बैठ कर गैर जिम्मेदारी की बात करे तो उससे उसको कोई बडा या ऊचा पद मिलने वाला नही है, बल्कि उससे यह जाहिर होता है कि उसके अन्दर क्या है। मै यह कहना चाहता हू कि इस अभिभाशण मे यह स्वीकार किया गया है कि बेमौसमी बारि ा की वजह से गन्ने की

खेती मे लगातार कमी हुई है और आगे और भी कमी हो रही है। जिससे हमारी सरकार मिले पिछड जाएगी। इन मिलो मे लोगो का पैसा लगा हुआ है और मिलो की संख्या बढती जा रही है। जिसे हमारी सरकार मिले पिछड जाएगी। इन मिलो मे लोगो का पैसा लगा हुआ है और मिलो की संख्या बढती जा रही है जबकि गन्ने की पैदावार और खेतो मे कमी हो रही है। इसलिए सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। सहकारी मिल, करनाल मे वेवजह से किसानो के विरोध के बावजूद भी उनको भादसो भूगर मिल के साथ जोडा गया है। ये लोग भूगर मिल करनाल के साथ जुडे हुये थे। इस इलाके के लोगो की भावनाओ का अनादर करते हुये उनको करनाल की भूगर मिल से काट कर भाद ाो भूगर मिल के साथ जोडा गया है। भादसो भूगल मिल का इलाका उससे अलग है। इन लोगो को भादसो भूगर मिल के साथ जोडने के लिए किस से विचार विम र्ा किया गया ? अध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर डायरैक्ट या कमि ानर अथवा दूसरे अधिकारियो मे से किसने यह सुझाव दिया? इस से पूरे इलाके मे निरा ाा है तथा सभी किसान परे ाान है। इस इलाके का गन्ना भादसो भूगल मिल को जा रहा है जबकि किसान भूगल मिल करनाल के साथ रहना चाहते है। उन किसानो की भावनाओ और समस्यओ को देखते हुये इसका समाधान किया जाना चाहिए। ऐसी कोई अनहोनी बात नही हुई है जिसको ठीक न किया जा सकता हो। उन किसानो की भावनाओ की कद्र करते हुये उन किसानो को सहकारी भूगल मिल, करनाल के साथ जोडने किया जाए, ऐसा मै

चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी सदन से चले गये है मै उनके विभाग से सम्बन्धित एक बात कहना चाहता हू। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कण्डी प्रौजैक्ट के अन्दर पानी जमा करके छोटे छोटे डैम्ज बनाने की स्कीम आई थी उस पर पैसा अलाट हुआ लेकिन जितने बांध कागजो मे दिखाए गये मौके पर उतने बांध नही है। स्वयं मुख्यमंत्री जी ने हैलीकाप्टर मे हवाई सर्वेक्षण किया और ऐसा ही पाया लेकिन वह रिपोर्ट कहा गई है उसमे कौन दोशी है उसका कोई पता नही ? यह एग्रीक्लचर से जुडा हुआ मामला है। एग्रीक्लचर डिपार्टमैट को लोन मिला था। यह लोन वि व बैक से मिला था और उस बैक लोन के द्वारा आज ज्यादातर अधिकारी बाहर यात्रा कर रहे है। जो लोन बर्ल्ड बैक से मिला है वह एग्रीकच्लर हयूमन रिर्सोर्सिज डिवैल्पमैट प्राजैक्ट के तहत मिला है। (विघ्न) उसमे अधिकारी इटली, नीदरलैड, स्विट्जरलैड और अमरीका की यात्राा कर आये। इन चारो दे ाो मे से तीन दे ा ऐसे है जहां की खेती हिन्दुस्तान से काफी पिछडी हुई है। इटली, नीदरलैड, स्विट्जरलैड दे ाो मे जाकर पता नही वे क्या प्राप्त करना चाहते है ? अगर यह ग्रान्ट होती तो हम लोग भी इसकी तरफ से आंख मीच लेते लेकिन यह लोन है और लोन पर ब्याज भी देना है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि जिस दे ा की खेती हम से पिछडी हुई है पता नही अधिकारी वहा पर क्यो गये ? मेरी यह आपति है जो कि मै दर्ज करवाना चाहता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारे वित्त मंत्री जी बैठे हुये हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैंने न किसी आफिसर का

नाम लिया है और न ही किसी के पद के बारे में कहा है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह जो एग्रीकल्चर के लोन दिए जाते हैं उसमें कमर्शियल बैंक धांधली कर रहे हैं। वैसे तो यह मैटर सैन्टर से सम्बन्धित है लेकिन हरियाणा सरकार यह लोन दे रही है। आज किसान ट्रैक्टर या दूसरी चीजों के लिए लोन लेता है उसके दो खाते बनाने चाहिएं। एक तरफ तो इन्ट्रस्ट का खाता हो और दूसरी तरफ प्रिंसीपल अमाउन्ट का खाता होना चाहिए। किसान डिफालटर नहीं होता है और बैंक 6 महीने का लोन उसके प्रिंसीपल अमाउन्ट के साथ कर देता है। इस वजह से किसानों को ब्याज पर ब्याज देना पड़ता है अगर यह सरकार इस बारे में ध्यान देगी तो किसानों को इससे राहत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, बैंकों को कोई अधिकार नहीं है कि वे ब्याज पर ब्याज वसूल करें। यह गलत तरीका है इसको ठीक करना चाहिए। जैसा मैने बताया है प्राईवेट बैंक वाले वैसे ही करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के नोटिस में मैं यह बात लाना चाहता हूं कि झज्जर और महेन्द्रगढ़ के जिलों में फुवारा सैट्स खरीदने की सुविधा किसानों को दी हुई है। किसान यह सैट्स बैंकों से लोन लेकर लेते हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर किसान दिसम्बर में सैट लेता है तो उसकी सबसिडी मार्च में जमा होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जैसे ही किसान सैट ले उसी समय वह सुविधा किसान के खाते में जाए। अगर 4–5 महीने लेट जाएगी तो किसान को बेवजह ब्याज देना पड़ेगा। इसे सरकार को रोकना चाहिए। सर, अक्तूबर के महीने में बे–मौसम बारि ा होने की

वजह से खेती नश्ट हुई है। किसानों का धान मण्डियों में पड़ा रहा और वह सबसिडाईजड प्राईस पर भी नहीं बिका। प्राईवेट ट्रेडर्ज ने भी उसे नहीं खरीदा। उस वक्त 300 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भी धान नहीं खरीदा गया। किसान लाचार हो कर उसको वापिस ले गया। अध्यक्ष महोदय, बाजरे की खेती अच्छी हुई लेकिन मौसम की वजह से वह खराब हो गई और हैफेड ने उसे खरीदा। अध्यक्ष महोदय, कलायत, कैथल और पेहोवा में धान की फसल खराब हो गई थी और किसान को उसको वापिस ले जाना पड़ा था। सरकार को इस बारे में कोई व्यवस्था करनी चाहिए। इसके बाद कानून व्यवस्था के बारे में हमारा जो एतराज है वह मैं मंत्री महोदय के पास दर्ज करवाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में एक इ0टी0ओ0 बड़ी ईमानदारी से अपनी ड्यूटी का पालन कर रहा था लेकिन बेईमान लोगों को यह अच्छा नहीं लगा और उन्होंने उस ईमानदार अधिकारी को बेमौत मार दिया। अध्यक्ष महोदय, हमें इस बात की चिंता है कि क्या यही कानून व्यवस्था है? अगर यही कानून व्यवस्था है तो हम इसकी निन्दा करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे जिला रोहतक में पी0एन0बी0 की एक ब्रांच है और इस ब्रांच के साथ ही 50 गज की दूरी पर वहां के एस0पी0 का निवास स्थान भी है। इस ब्रांच से एक भाई और बहन जैसे ही पैसा निकलवाकर बाहर निकले तो वहां पर बदमा ाों ने उनको घायल कर दिया। बैंक का गार्ड ऐसे ही देखता रहा और उसने बैंक का ताला तो लगा लिया लेकिन उन बच्चों की कोई मद्द नहीं की। वे बदमा ा एक लाख रूपये उनसे लेकर भाग

गये। वहां पर इस केस में आज तक भी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, जहां यह घटना हुई है वह भाहर की एक मेन रोड है जो कि बहुत ही बिजी रहती है। वहां पर उन बदमा ाों ने उनको चाकुओं से घायल किया। इसी तरह से एक केस रिवाड़ी में हुआ है। वहां पर एक सन्त महात्मा आजाद नाथ जी जो जिला रेवाड़ी के असवाल गांव के महन्त थे, उनको भी कुछ लोगों ने किसी बात को लेकर गोलियों से भून दिया। इस बारे में मेरी जानकारी में यह भी आया है कि आज तक भी इस केस में कोई परचा दर्ज नहीं हुआ है। अगर वाकई में इस केस में कोई परचा दर्ज नहीं हुआ है तो सरकार का यह दायित्व बनता है कि लोगों का वि वास प्राप्त करने के लिए जल्दी से जल्दी परचा दर्ज करवाया जाए। इसी तरह से फरीदाबाद के सैक्टर 37 के सराय गांव में 12–1–99 को दिन के दो बजे खेलने वाले पार्क के अंदर दो मासूम बच्चों को मारने का काम किया गया है। इन बच्चों का कोई कसूर नहीं था किसी से इनकी नाराजगी नहीं थी लेकिन अपराधी लोग केवल समाज को खराब करने के लिए उनको मारकर चले गये। इसी तरह से हमारे झज्जर के गुरूकुल में स्वामी उमानन्द महाराज जी के साथ भी एक घटना हुई। इस महान व्यक्ति के आ ार्वाद से ही इस सरकार का गठन हुआ है। उनके पास कुछ सोने और चांदी के हीसटोरिकल सिक्के थे लेकिन जनवरी के महीने में कुछ लोग उनके पास गए और महाभारत के समय के उनके वे सिक्के जो कि दुर्लभ थे, लेकर भाग गए। उन स्वामी जी ने एच0बी0पी0 और चौधरी बंसी लाल जी को चुनावों

से पहले भरपूर समर्थन दिया था लेकिन आज स्वामी जी यह मान रहे हैं कि उनसे उस समय भूल हुई कि उन्होंने इन लोगों को समर्थन दिया। अगर ये लोग उनसे मिलेंगे तो वे इन को असलियत बताएंगे जबकि एक समय वे इन लोगों के गीत गाते थे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से अगर घटनाएं होती रहीं तो लोगों का कानून व्यवस्था से बिल्कुल ही वि वास उठ जाएगा। इसी तरह की एक घटना झज्जर में हुई। झज्जर से एक बारात गई। उस बारात में कुछ छोटी–मोटी बात हो गई थी और कुछ लोगों में झगड़ा हो गया था तभी एक सज्जन लड़के ने झगड़ा मिटाने के लिए बीच–बचाव किया लेकिन उसको ही कसूरवार मानकर उसको मारने का काम किया गया। जिस लड़के का कोई कुसूर नहीं था उसको ही मारकर वे चले गए। वह उस झगड़े में नहीं था उसकी तो केवल यही मं ाा थी कि झगड़ा न हो लेकिन वह ि ाकार हुआ। इसी प्रकार से गुड़गांव में दिन के सवा बारह बजे मेन पोस्ट आफिस में सवा ग्यारह लाख रूपये की एक डकैती पड़ी। इस तरह की जो घटनाएं हो रही हैं वह निन्दनीय हैं क्योंकि इनसे आम नागरिक का वि वास कानून व्यवस्था से उठ रहा है। अध्यक्ष महोदय हमारे रोहतक भाहर में एक पर्यटन केन्द्र है उसमें से कुछ लोग 6 लाख 91 हजार रूपये लूटकर ले गए। वहां पर एक तिजोरी, जो कि दो तीन क्विंटल की थी, को भी वे लोग अपने साथ ले गए। अध्यक्ष महोदय, आज बदमा ा लोगों में इतनी हिम्मत है कि हर चीज को साथ ले जाते हैं इसी तरह से करनाल में रात को 20–50 लोग आए और चार दुकानों को खूब

लूटा और उसके बाद उन चार दुकानों का नक ाा ही मिटाकर रख दिया, अस्तित्व ही मिटा दिया। इसी तरह मेरे पास फिगर हैं– 1997 में रोहतक में 32 हत्याएं हुई, 14 अपहरण हुए, लूटपाट 11 हुई और 2 डकैती हुई, 1998 में 68 हत्याएं हुई, 23 अपहरण, 23 लूटपाट और 6 डकैतियां हुई। इस प्रकार इनमें दुगुनी से तिगुनी तक बढ़ौतरी हुई। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मेरे साथियों को यह बात अच्छी नहीं लग रही है इसलिए मैं सड़कों के बारे में जिक करना चाहूंगा। सड़कों पर रोज प्रैस नोट जारी हो रहे हैं। कंवल सिंह जी यहां पर बैठे नहीं है वे चौधरी साहब के समधी साहब के साथ गुभाना गांव गए थे वहां बादली से पेलपा तक जो सड़क है वह बहुत ही खराब हालत में है वे देख आए थे और मैंने कर्ण सिंह दलाल जी से इस बारे में कहा था व इससे पहले धर्मबीर जी जब मंत्री थे तो उन्हें भी मैंने कहा था कि वह सड़क चलने लायक नहीं है लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। कांग्रेस के भाइयों ने भी अपने पिछले रिजाइम में बखेड़ा खड़ा करके रखा और किसी सड़क की ओर ध्यान नहीं दिया और अब मैं एच0बी0पी0 की सरकार का ि ाकार हो रहा हूं। उन्होंने भी राजनीतिक द्वेश की भावना से काम किया। कोई भी सड़क ऐसी नहीं है जिस पर वाहन ठीक से चल सके। वाहन चलना तो दूर की बात है पैदल चलना भी मु ि कल हो रहा है। मैं चाहता हूं कि सरकार ईमानदारी से काम करे और जो सरकार की साख गिर रही है उसे बचाए। जब चौधरी बंसी लाल जी रोहतक में ग्रीवेंसिज कमेटी के

चेयरमैन थे तब भी मैंने उन्हें कहा था कि भाराब के बारे में आपको अंधेरे में रखा हुआ है आपकी यह नीति फेल होगी।

Mr. Speaker: Chaudhary Sahib, please conclude.

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहता हूं कि आज सरकार बिजली के मामले में, सड़कों के मामले में, पानी के मामले में, विकास के मामले में, रोजगार के मामले में अनदेखी कर रही है। (घंटी) आम आदमी सरकार से नाराज हो रहा है। इसका लेखाजोखा चुनाव में भुगतना पड़ेगा और इसका हिसाब लोग लेंगे और फरवरी के चुनाव में लोगों ने इसका नजराना भी दिया है, लोकसभा का चुनाव बानगी था, आने वाले समय में ये लोग मुड़कर सत्ता में नहीं आएंगे इसलिए समय पर चेतें और अपने गिरेबानों में झांककर देखें। लोगों के पास जायें और लोगों के दुख दर्द को देखें कि लोग क्या चाहते हैं? इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्षः ऐग्रीकल्चर स्टेट मिनिस्टर बैठी हैं। चौधरी धीरपाल जी की एक बात से मैं सहमत हूं। 1996 में हमने भी बजट सै ान में बात उठाई थी कि जो को–ऑपरेटिव बैंक हैं, पी0एल0डी0बी0 हैं वे जो खाते रखते हैं उनमें एक तरफ उनकी कैपिटल अमाउंट रखते हैं और एक तरफ उनका इंट्रैस्ट रखते हैं और जो कॉमि र्यिल बैंक हैं वे हर छठे महीने उसमें चकवृद्धि ब्याज लगाते हैं जबकि नाबार्ड के और मिनिस्ट्री ऑफ ऐग्रीकल्चर, गवर्नमैंट ऑफ इंडिया के ऑर्डर आए हुए हैं कि ऐग्रीकल्चर लोन

पर कम्पाउंड इट्रैस्ट नहीं लग सकता, if it is so then एग्रीकल्चर मिनिस्टर और फाइनेंस मिनिस्टर मेरी इस बात को नोट करें और देखें कि ऐसा कैसे हो रहा है और उसका क्या समाधान हो सकता है?

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): अध्यक्ष महोदय, पैडी की सेल के बारे में सम्मानित सदस्य ने जो जिक किया है उसके बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमने हिन्दुस्तान के फूड एण्ड सप्लाई मंत्री श्री सुरजीत सिंह बरनाला जी से कह कर 31.10.1998 तक लैवी फी कराया, ब्रोकर के लिए 22 से 27 प्रति ात कराया, और डेमजिंग और डिसकवरिंग को भी साढ़े चार से आठ प्रति ात बढ़ाया। आज की तारीख तक जो 22 लाख 11 हजार मीट्रिक टन चावल की खरीद हुई है उसमें से 7 लाख 11 हजार मीट्रिक टन बासमती चावल है और 10 लाख 61 हजार मीट्रिक टन चावल स्पोर्ट प्राइस से ऊपर बिका है। केवल 3 लाख 18 हजार मीट्रिक टन चावल जो स्पेस्फिके ान से बिलो था वह चावल ही कम भाव से बिला है।

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी की जानकारी के लिए एक बात बताना चाहता हूं कि मंत्री महोदय ने जो उल्लेख किया है उसमें तो केवल सैलर वालों को ही लैवी का लाभ हुआ है। दूसरा जो गोली, नमी वाली और टूटन वाली जीरो के बारे में आदे ा की बात की है वह तो सरकार के पत्राचार में ही लगभग एक महीने का समय लग गया था जब

पंजाब सरकार के इस प्रकार का आदे ा जारी कर दिया उसके बाद इस सरकार ने आदे ा जारी किया। मैं मंत्री जी से एक आ वासन चाहूंगा कि उस एक महीने के दौरान चावल की जो खरीद हुई है क्या वे उस खरीद को भी उचित मानते हैं? किसानों को तो उसका पूरा भाव नहीं मिला। यदि ये किसानों को उसका पूरा भाव दिला दें तब तो कुछ बात हो (विघ्न) धन्यवाद।

श्री कुलदीप सिंह बि नोई (आदमपुर): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे पहली बार इस सदन में बोलने का अवसर प्रदान किया। मेरा बोलने का इस महान सदन में पहला प्रयास है। मैं इस प्रयास के माध्यम से अपनी तथा अपनी आदमपुर हल्के की जनता की बात रखने का प्रयास करूंगा जिन्होंने अपनी हक की लड़ाई लड़ने के लिए मुझे इस महान सदन में चुनकर भेजा है। अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। राज्यपाल महोदय का अभिभाशण वर्तमान सरकार की कारगुजारी, उसकी नीतियों और उसकी उपलब्धियों का लेखा–जोखा होता है। लेकिन इस अभिभाशण को बार–बार पढ़ने से यह पता चलता है कि सरकार ने एक असत्य का पुलिन्दा तैयार किया है। राज्यपाल महोदय ने भी अपनी औपचारिकता को पूरा करते हुए इसे पढ़ा है और सरकार ने इस के माध्यम से न केवल हरियाणा प्रदे ा की जनता को बल्कि महामहिम राज्यपाल महोदय को भी गुमराह करने की कोि ा ा की है। इसलिए इस अभिभाशण का मैं विरोध करता

हूं। अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी को मत दिए थे आज वे अपने आपको ठगा–ठगा सा महसूस कर रहे हैं। जिस भाराब–बन्दी नीति को लेकर चौधरी बंसीलाल सत्तारूढ़ हुए थे आज वे अपने लक्ष्य से बिल्कुल विमुख हैं। इस अभिभाशण में इस बात का कहीं भी उल्लेख नहीं है कि भाराब–बंदी के दौरान कितने बेगुनाहों के खिलाफ झूठे मुकदमें बनाये गये और जहरीली भाराब पीने से कितने बेगुनाहों की जानें गई। इस अभिभाशण में इस बात का भी जिक्र नहीं है कि सरकार ने कितनी बार अपने फैसले बदले हैं। कहीं एक्सग्रेसिया के बारे में, कहीं भाराब–बंदी के बारे में, चाहे हुड्डा के प्लाटों की बात हो या औद्योगिक प्लाटों की बात हो, सरकार ने अपने फैसले बदले हैं। इस अभिभाशण में इस बात का भी उल्लेख नहीं है कि राज्यपाल महोदय का रास्ता भााहबाद में क्यों रोका गया था और आई0ए0एस0 और न जाने कितने अधिकारी हैं जिनका सरेआम अपमान किया गया है। इसलिए इस अभिभाशण को एक प्रकार का भ्रमित दावा मान लिया जाये। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य एक कृशि प्रधान प्रदे ा है लेकिन आज प्रदे ा के किसानों की जो बहुत ही बुरी हालत हो गई है, वह सब आपके सामने है। न किसानों के लिए बिजली है, न खेतों के लिए पानी है, और न ही पीने के लिए पानी है। हरियाणा के कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं, जिन में सेम आई हुई है तथा कुछ क्षेत्रों में अभी तक बारि ा का पानी खड़ा है जिनकी वजह से बिजाई नहीं हो पाई है। अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि पिछली सरकार

के समय में जब बाढ़ आई थी तो किसानों को 3 हजार रूपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा रा ि ा दी गई थी। इसी प्रकार से राज्य में पिछले 3 सालों में नरमा, कपास और जीरी की फसलों का भी नुक्सान हुआ है, लेकिन इस सरकार ने किसानों को कोई भी मुआवजा या सहायता रा ि ा प्रदान नहीं की है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं सदन का ध्यान राज्य की कानून एवं व्यवस्था की तरफ दिलाना चाहता हूं। हरियाणा प्रदे ा में आज जो कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी हुई है हिन्दुस्तान के इतिहास में आज तक किसी भी राज्य में ऐसी स्थिति नहीं हुई थी। आप जानते ही हैं कि राज्य में चारों तरफ हा–हाकार मचा हुआ है। भय और आंतक का माहौल प्रदे ा के अंदर बना हुआ है। भारीफ आदमियों और बहू–बेटियों का घर से निकलना मु ि कल हो गया है। आए दिन कत्ल, बलात्कार, अपहरण और डकैतियों की वारदातें होती रहती हैं। इसकी एक छोटी–सी मिसाल अकेले बहादुरगढ़ की आप देख सकते हैं, जहां पर अनेक नाबालिंग लड़कियों के साथ बलात्कार किया गया और फिर बाद में उनकी हत्या कर दी गई लेकिन असली मुल्जिम आज तक गिरफतार नहीं किया गया है। यह इस सरकार के लिए बहुत ही भार्म की बात है। (ाोर एवं विघ्न)

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, ये नौजवान भाई पहली दफा इस सदन में आए हैं, इसलिए मैं इनको म ाविरा देना चाहता हूं कि ये भी उन गलतियों का अनुसरण न

करें और उन रास्तों पर न चलें जिन पर इनके पिता जी चलते रहे हैं, कहीं ऐसा न हो कि इन को भी उस लाईन पर लाया जाए जिस पर इनके पिताश्री को लाया गया है। (ाोर एवं विघ्न) मैं जो कुछ भी कह रहा हूं इस नौजवान की हौंसला–अफजाई के लिए ही कह रहा हूं। (ाोर एवं विघ्न) जहां तक बहादुरगढ़ वाली बात की मिसाल इन्होंने दी है और कहा है कि असली मुल्जिम आज तक पकड़ा नहीं गया है। मैं स्पश्ट कर देना चाहता हूं कि पुलिस विभाग ने असली मुल्जिम पकड़ लिया है, उसको पब्लिकली भी बता दिया गया है। फिर भी अगर इन को भाक है तो मैं समझता हूं कि इस भाई को पता होगा कि असली मुल्जिम कौन है क्योंकि यह ''बेबी किलर'' वाला कांड तो इनके पिताश्री के हरियाणा के मुख्यमंत्रित्व काल में ही भाुरू हो गया था। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको तो बिना बात ही वहम हो रहा है। मैं तो इस नौजवान के फायदे के लिए ही बोल रहा हूं। मैं इनको आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ये अपनी पार्टी के दूसरे साथियों का अनुसरण न करें, अपने पिताश्री का अनुसरण न करें, मैं बिल्कुल सही बात इनके फायदे के लिए कह रहा हूं। (ाोर एवं विघ्न)

श्री कुलदीप सिंह बि नोई: अध्यक्ष महोदय, मेरे काबिल भाई ने कहा कि हमें मालूम होगा कि असली बेबी किलर कौन है इसलिए हम कह रहे हैं कि अभी असली बेबी किलर पकड़ा नहीं गया है। हम इसलिए कह रहे हैं कि थोड़े दिन पहले इन्होंने एक

आदमी को पकड़ा था और कहा था कि यह असली बेबी किलर है लेकिन बाद में पता लगा कि वह तो कोई और आदमी है इसलिए मैं कह रहा हूं कि ये ठीक तरह से जांच करें और देखें कि असली बेबी किलर कौन है? अध्यक्ष महोदय, सत्ता पक्ष के भाई कह रहे हैं कि मैं इस हाउस का नया सदस्य हूं, मेरे को हराने के लिए हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ने पूरा जोर लगाया था लेकिन मैं इनकी छाती पर पैर रखकर जीतकर आया हूं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं इस हाउस को बताना चाहता हूं कि श्री कुलदीप जी किस तरह जीत कर आये हैं। ये पूरे हरियाणा प्रदे ा को चोट पहुंचाकर जीते हैं। मुझे भी इनके हल्के आदमपुर में जाने का मौका मिला था। पूरे हरियाणा प्रदे ा की नौकरियों का हक आदमपुर को दे दिया था। अध्यक्ष महोदय, श्री कुलदीप सिंह हमारी छाती पर पैर रखकर जीतकर नहीं आये बल्कि हरियाणा प्रदे ा का भाोशण करके और चौ0 ओम प्रका ा जी की मेहरबानी से जीते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कुलदीप सिंह जी, मुझे पता है कि आप जो कुछ बोल रहे हैं वह ठीक बोल रहे हैं लेकिन आप किसी पड़ौसी के कहने पर गलत बात न कहें और अपनी बात जल्दी पूरी कीजिए। (विघ्न)

श्री कुलदीप सिंह बि नोईः अध्यक्ष महोदय, चौ0 बंसी लाल जी कहा करते थे कि वे हरियाणा प्रदे ा में गंगा से नहर लायेंगे और हरियाणा प्रदे ा के किसानों को पानी देंगे। आज इस सरकार को बने तीन साल हो गये और इन तीन सालों में उस नहर का जिक्र नहीं सुना, आसमान से नहर निकलकर आ रही हो तो पता नहीं। इसी प्रकार से एस0बाई0एल0 का जिक्र किया करते थे। स्पीकर सर, केन्द्र में भाजपा की सरकार है और हरियाणा में भी भाजपा तथा हविपा की मिली–जुली सरकार है फिर भी एस0वाई0एल0 कैनाल कम्पलीट नहीं की जा रही है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई मेडन स्पीच दे रहा हो और कोई बीच में बोले तो यह रिवायत के खिलाफ है।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): श्री धीरपाल ने बड़ी भालीनता से अपनी बात कही तो हमने ध्यान से सुनी लेकिन अगर कोई टोंटिंग वे में अपनी बात कहे तो उसका जवाब साथ की साथ ही देना पड़ता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी, आप बैठिये। कुलदीप सिंह जी, आप अपनी बात सिर्फ दो मिनट में कन्कलूड कीजिए।

श्री कुलदीप सिंह बि नोईः अध्यक्ष महोदय, बिजली और पानी न मिलने की वजह से उत्पादन में भी कमी आई है। कपास का उत्पादन पिछले तीन सालों में 15 लाख गांठों का था और राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में माना है कि इस

बार केवल 8.63 लाख गांठों का उत्पादन था। यह भी सरकार की एक और विफलता है। अध्यक्ष महोदय, कृशि और उद्योग दे ा की गाड़ी के दो चक्के होते हैं। कृशि के बारे में तो मैं जिक्र कर चुका हूं। उद्योगों के बारे में बताना चाहूंगा कि आज उद्योगों की हरियाणा प्रदे ा में सबसे ज्यादा खस्ता हालत है। कोई भी नया उद्योग नहीं लग रहा और सैकड़ों उद्योग हमारे राज्य से दूसरे राज्य में चले गये हैं और सैकड़ों उद्योग बन्द पड़े हैं क्योंकि दूसरी स्टेटों से हम कम्पीट नहीं कर सकते क्योंकि हरियाणा सरकार ने बिजली के रेट ही इतने ज्यादा बढ़ा दिये हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार कहती है कि ि ाक्षा के ऊपर खास तौर से ध्यान दिया है जिसकी एक मिसाल हिसार की जम्भे वर यूनिवर्सिटी है। अध्यक्ष महोदय, हाउस के माननीय सदस्य–गण जानते हैं कि भजन लाल सरकार ने कितनी कोि ा ों के बाद यह यूनिवर्सिटी भाुरू की थी और हरियाणा प्रदे ा की पहली टैक्निकल यूनिवर्सिटी है जिसमें कई प्रकार के टैक्निकल कोर्सिज हैं लेकिन यह सरकार इसे बन्द करने जा रही है बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि यह बन्द कर दी है। इतना भारी एजिटे ान हुआ, सैकड़ों लोग धरने पर बैठे और इस सरकार के मंत्री महोदय श्री मनी राम गोदारा जी धरने वालों के पास गये और आ वासन दिया था कि फिर से इस यूनिवर्सिटी को मान्यता देंगे लेकिन कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुई है।

अध्यक्ष महोदय, राज्य की सड़कों की जितनी बुरी हालत है उसका तो ब्यान करना मुि कल है। अब से पहले बिहार ही एक ऐसी स्टेट होती थी जिसमें सड़कें बिल्कुल टूटी पड़ी होती थीं और लोग कच्चे रास्तों में चलना पसन्द करते थे लेकिन आज हरियाणा की सड़कों की हालत बिहार की सड़कों से भी बुरी है। यही हाल गलियों का है। केन्द्र सरकार से इन कामों के लिये पैसा भी मिलता है लेकिन पता नहीं, सरकार उसका क्या करती है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे टाइम तो थोड़ा दिया है लेकिन मैं अब दो–तीन बातें अपने हल्के के बारे में कहना चाहता हूं और खास तौर से मेरे हल्के के साथ यह सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है। इस सरकार को बने पौने तीन साल हो गये इस सरकार ने इन पौने तीन साल में विकास के नाम की एक भी ईंट नहीं लगाई और न ही किसी बेरोजगार को रोजगार दिया है। लोगों पर झूठे मुकद्में बनाये जा रहे हैं और सरपंचों को तंग किया जा रहा है।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): हमने आदमपुर हल्के में वाटर सप्लाई की 6 पानी की डिगियां बनाई हैं। आप कह रहे हैं कि एक भी ईंट नहीं लगी है।

श्री अध्यक्ष: 6 डिंगियों में तो काफी ईंट लगी होंगी क्या वे बगैर ईंट के बन गई।

श्री कुलदीप सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं उनसे अलग से बात कर लूंगा। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में अपनी बात

समाप्त करता हूं। मैंने सात महीने पहले आदमपुर हल्के का चुनाव लड़ा था। चुनाव के दौरान इस सरकार के सारे मंत्री वहां पर डेरा डाले बैठे थे। आदमपुर हल्के के गांवों में सड़कें और गलियां टूटी पड़ी हैं उनकी कोई मुरम्मत नहीं की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी से गुजारि ा करूंगा कि वे भेदभाव की राजनीति छोड़कर मेरे हल्के की तरफ भी ध्यान दें। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर पे ा हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भााामिल होने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने बड़े विस्तार से सरकार की पिछले साल की कारगुजारियों और आगे सरकार का क्या इरादा है उनके बारे में अपने अभिभाशण में चर्चा की है। जैसे माननीय सदस्य कुलदीप सिंह ने जो पहली बार सदन में बोले हैं उन्होंने भी कहा है कि यह संवैधानिक जिम्मेदारी है जो राज्यपाल महोदय को निभानी पड़ती है, लिखे कोई पढ़े कोई।

श्री अध्यक्ष: क्या आपको चौधरी कुलदीप सिंह ने बताया है?

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कुलदीप सिंह जी ने कुछ ऐसे बिन्दुओं को छुआ है जिनके बारे में

मैं चर्चा करना चाहता था। कोई भी नया सदस्य सदन में जिन बिन्दुओं को छूता है, हो सकता है उन बिन्दुओं के बारे में दूसरे सदस्यों का नजरिया कोई और हो। अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक बात कहना चाहता हूं कि मौजूदा हरियाणा सरकार को बने पौने तीन साल हो गए। लोगों ने इनको कोई वोट दे कर या यूं कहिए कि बहुमत की सरकार समझ कर हरियाणा में पांच साल का भाासन करने के लिए नहीं भेजा। इसलिए आज लोगों में भी, विधायकों में भी और कर्मचारियों में भी, सभी में एक आवाज है कि हमने इस सरकार को पांच साल के लिए नहीं भेजा था। अब हम तो अपना फैसला तब करेंगे जब चुनाव होंगे। कम से कम विधायक ही अपना फैसला करें कि वे क्या चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इसलिए कहना चाहता हूं कि आज हरियाणा सरकार की जनता के हाथ में वोट नहीं हैं जो भाासन को या सरकार को बदल दे। आज हरियाणा की जनता यह चाहती है कि क्या इस महान सदन में हरियाणा प्रदे ा की 2 करोड़ जनता की भावना अभिव्यक्त हो रही है। मुझे यह बात कहने में कोई झिझक नहीं कि कांग्रेस की अपनी कमजोरियों की वजह से लोगों ने किसी दूसरी पार्टी को सत्ता सौंपनी थी इसलिए हरियाणा के लोगों ने किसी एक पार्टी को कैलियर मैन्डेट नहीं दिया। उन चुनावों में कांग्रेस 9 सीटों पर सिमट कर रह गई। हमारा जो मुख्य विपक्षी दल है यह 24 सीटों पर सिमट कर रह गया। रामबिलास जी भाई की बी0जे0पी0 जिन्होंने बंसी लाल जी के साथ मिलकर, इनसे समझौता करके चुनाव लड़ा था 11 सीटों तक

ही पहुंची। इन दोनो पार्टियों ने चुनाव से पहले जो समझौता किया था उस वक्त इन्होंने कोई नीति निर्धारण की बात नहीं कही कि हमारी सरकार बनेगी तो हम किन चीजों को महत्व देंगे, कौन से सैक्टर होंगे, कौन सी उम्मीदों पर हम खरे उतरेंगे, ऐसा इनका कोई इरादा था ही नहीं। इन्होंने सरकार बनाने से पहले एक इरादा रखा था, इनका एक स्लोगन था कि हम भाराब–बंदी करेंगे। स्पीकर साहब, अकेली भाराब बंदी लोगों की आर्थिक अवस्था या सामाजिक अवस्था को नहीं बदल सकती। भाराब बंदी एक अच्छी बात हो सकती है। हर राजनैतिक नेता और राजनीतिक दल की मं ाा है कि भाराब बंदी होनी चाहिए। सरकार ने भाराब बंदी की लेकिन इस भाराब बंदी की आड़ में कुछ स्वार्थी लोगों ने बड़े आराम से पैसा कमाया। इन्होंने इस आड़ में इसको वैपन बना लिया और इसकी आड़ में लोगों ने आराम से पैसा इक्टठा किया जिससे लोगों में निरा ाा जगी। यह सरकार नीतिगत की बात करती है और नैतिक मूल्यों की बात करती है इन्होंने पहले भाराब बन्दी की और इसे फिर से इन्ट्रोड्यूस किया। इन्होंने इस भाराब बंदी को फिर से भाुरू करने से पहले इस भाराब बंदी की आड़ में 600 करोड़ रूपये के डायरेक्ट टैक्स सिर्फ यह कह कर लगा दिए कि हरियाणा में भाराब बंदी की वजह से जो घाटा हुआ है उसको पूरा करने के लिए टैक्स लगाये गए हैं। चाहे वे टैक्स बिजली की दरें बढ़ा कर लगाये हों या बसों के किराये बढ़ा कर लगाये गए हों या दूसरी भाक्ल में लगाये गए हों, टैक्स सरकार ने लगाये। जब सरकार ने भाराब बन्दी को खत्म करके पुनः भाराब की बिकी

चालू की तो सरकार का विचार था कि 750 करोड़ रूपये इस रिपोर्सिज से आयेंगे यानि भाराब बंदी के हटाने से आयेंगे। सरकार अपने संसाधनों से जो रिसोर्सिज मोबलाईज कर सकेगी उसके बारे में एक अखबार ट्रिब्यून में यह खबर छपी थी कि पिछले 8 महीने में टैक्स कुलैक ान से इतना पैसा इक्ट्ठा करेगी यानि इससे टैक्स कुलेक ान 12–15 परसैंट बढ़ेगा। लेकिन सरकार की सोच के विपरीत सिर्फ सवा चार परसेंट इन पिछले 8 महीनों में टैक ा कुलैक ान हो सकी। सरकार की सोच के मुताबिक भाराब के इस रिसोर्सिज से जो बढ़ोतरी होनी चाहिए थी वह भी नहीं हो पाई। (विघ्न) आज जगन नाथ जी कह रहे हैं कि हमने इतनी पानी की टंकी बना दी हैं, मैं इनको कहना चाहूंगा कि ये टंकियां तो पहले की बनी हुई हैं। आपने वहां पर पानी की टंकी क्यों नहीं बनाई, जहां पर बनाई जानी आव यक हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इस लिए कह रहा हूं कि प्रदे ा के अन्दर संसाधनों की कोई कमी नहीं है। (विघ्न) प्रदे ा को प्रगति की जो गति मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिल पाई है।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the House be extended upto 8-30 p.m.?

Voices: Yes, Sir.

Mr. Speaker: The time of the House is extended upto 8.30 p.m.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि भाराब खुलने के बाद हरियाणा की जनता से अतिरिक्त कर प्राप्ति के बाद जो गति प्रगति के कामों को दे सकते थे वह सरकार नहीं दे पाई। तीन साल के भाासन में इस सरकार की ऐसी कोई उपलब्धि नहीं है जिसका जिकर यहां किया जा सके। डिवैल्पमैंट के मामले में सरकार ने कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जिसकी हम कोई प्र ांसा कर सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि एग्रीकल्चर सैक्टर के बारे में माननीय राज्यपाल महोदय के पिछले साल के अभिभाशण और इस साल के अभिभाशण में कोई महत्वपूर्ण बात नहीं कही गई है। ये दोनो अभिभाशण मैंने पढ़े हैं। किसी राज्य का विकास और हरियाणा जैसा राज्य जो कि कृशि प्रधान राज्य है और जिस समय ग्रीन रैवोल्यू ान आया तो उसने खूब विकास किया और उसे इसमें सफलता मिली। चार साल पहले यहां के नागरिकों की पर कैपिटा इन्कम दे ा में दूसरे नम्बर पर थी। अध्यक्ष महोदय, दो दिन पहले सदन में चर्चा हो रही थी कि गरीबी रेखा के नीचे जो फेमिलीज हैं उसमें केन्द्र सरकार जो नॉर्म्ज तय करती है उसमें भाायद हरियाणा का एक भी परिवार ऐसा नहीं है जो कि उसमें आता हो क्योंकि इसमें वे कहते हैं कि मकान कच्चा होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पंजाब और हरियाणा दो ऐसे राज्य हैं जिनमें कृशि के कारण आय बढ़ी है तथा ज्यादा बेहतर हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना

चाहता हूं कि आपको याद होगा कि 1966 में जब हरियाणा बना था तो हरियाणा खाद्यानों के मामले में एक डैफि ाट स्टेट था और उस समय हरियाणा में खाद्यान्न का उत्पादन 2.5 लाख टन था जो कि हरियाणा राज्य के 76 लाख लोगों की डिमांड को भी पूरा नहीं करता था लेकिन उस समय ग्रीन रैवोल्यू ान ने दे ा में अपने पांव जमाने भाुरू किए तो केवल हरियाणा और पंजाब ही दे ा भर में इस में सफल रहे। अध्यक्ष महोदय, पिछले दस साल का रिकार्ड देखें। मैं कृशि क्षेत्र की बात इस लिए करता हूं क्योंकि कृशि क्षेत्र में जितना उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता है उसका उपयोग नहीं हुआ है, जो कि प्रगति का मूल मंत्र है, हरियाणा का विकास हरियाणा की अधिक अवस्था और हरियाणा के लोगों को दूसरे बढ़ते हुए क्षेत्र में कम्पीट करने का मौका मिल सके, वैसी प्रगति हम नही कर पाए है। अध्यक्ष महोदय, फिगर्ज के माध्यम से मे आपको बताना चाहता हूं कि आज हमारी जो एग्रीकल्चर की प्रगति है वह बाकी सभी फील्डज में एप्लीकेबल है। 1998–99 में आपने फूडग्रेन का लक्ष्य 118.50 लाख टन का निर्धारित किया था और 1996–97 में 113 लाख टन था (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) में यह बात इसलिए कह रहा हूं अगर पांच लाख टन तीन साल में इन्क्रीज करते है और इनकी एवरेज निकाली जाए तो पांच सौ करोड़ बनती है। इन तीन साल में हम किसान को पांच सौ रूपय का अधिक धन मुहैया करवा पाए है। उपाध्यक्ष महोदय, जिस रफ्तार से हरियाणा में जनसंख्या बढ़ रही है जिस तरह से हरियाणा में ग्रामीणों का एक्सपोजर बढ़ रहा है, चाहे वह टी0 वी0

के के साधन सम्पन्न रहते है तो उसके मन में भी यह फिलिंग होती है कि मै कोई कीड़ा मकोड़ नही हूं। इन हालात में क्या मेरे बच्चे पढ़े–लिखेगे? वह सोचता है कि उसकी भी कोई जायदाद हो, उसकी भी समाज में कोई कंट्रीब्यू ान हो। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार में जो एग्रीकल्चर ब्योरोक्रटस और एग्रीकल्चर साईटिस्ट है वे इसी हिसाब से हरियाणा में भी एग्रीकल्चर को प्रोडक ान बनाएं। उपाध्यक्ष महोदय, एक परसेन्ट भी प्रोडक ान एक साल में नही बढ़ाई है। उपाध्यक्ष महोदय, मै यहां पर जो बात कह रहा हूं यह कोई राजनैतिक बात नही कह रहा हूं। आज हरियाणा में लॉ एड आर्डर के क्या हालात है? अभी मुझसे पहले बोलते हुए भाई सम्पत सिंह जी, धीरवाल जी और दूसरे साथियों ने भी लां एड आर्डर की बात की है। इन साथियों ने बोलते हुए बहुत से क्षेत्रों के बारे में कहा। इन्होंने कहा कि गोहाना और करनाल में यह हुआ। में इनकी डिटेल में नही जाना चाहता हूं। मै तो केबल यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा के अन्दर पिछले तीन सालों में कानून व्यवस्था की इतनी खस्ता हालत कैसे हुई? उपाध्यक्ष महोदय, उसकी दो वजह है। एक वजह तो यह है कि जितने भी हमारे प्लानर्ज है, जितनी हमारी ब्यूरोक्रेसी है और जितने भी राजनैतिक दल जो सरकारों को चलाते है चाहे यह बी0 जे0 पी0 हो, चाहे वह हविपा हो या दूसरे दल हो इसको अपनी प्रायरीटी बदलनी होगी आज इनको यह मार्क करना पड़ेगा, यह नि ाना तय करना पड़ेगा कि कौन से ऐसे अदायरे है कौन से ऐसे एरियाज है जिसमें हम प्रोडक ान और प्रोडक्टिविटी को वूस्ट दे

सके। अगर तीन साल पहले 113 लाख टन अनाज के उत्पादन का आपने लक्ष्य रखा और उसके तीन साल बाद यह यह लक्ष्य 118 लाख टन के उत्पादन का होता है तो आने वाले पांच सालों में हरियाणा का किसान भूखा मरेगा और जब किसान भूखा मरेगा तो उन गांवों में रहने वाले मजदूर, गांवो में रहने वाले जमीदार जिसके पास जमीन है उसके पास अपने गुजारे के लिए कोई साधन नही होगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसकी एक मिसाल मै आपको बताना चाहता हूं कि जब ग्रीन रैवेल्यू ानरी ने उछाल लिया था तो उस समय हर गांव में लोगों ने अपने पुराने मकान तुड़वाकर नए मकान बनवाए थे, अपनी हवेलियां बनवाई थी, दरवाजे लगवाए थे और बैठके बनवाई थी। लेकिन आज जब हम गांवों में जाते है तो है तो हम पाते है कि गांवों में काम नही हो रहा है, न गांवों में आपका भट्टे लगते नजर आएंगे न भट्टो की ईटो पर राज और मजदूर काम करते नजर आएंगे। न लोहार के लिए काम है और घर के दरवाजे और खिडकियां वाले खाती के पास कोई काम है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि अगर उस किसान के पास उपज के कोई साधन हो, भी प्रबन्ध कर सकेगा। वह यह भी चाहेगा कि उसके बच्चे अच्छे–अच्छे कपड़े पहने। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा में एक और बात यहां पर कहना चाहूंगा कि हरियाणा की दो करोड़ की आबादी में पांच लोगों की यूनिट के हिसाब से 40 लाख परिवार हो और उनकी अगर रूपय पैसे की भाक्ति बढ़ी हो तो उस रूपये पैसे की भाक्ति से वे अपने घर में फ्रिज लगाने की कोि ा ा करते है, पंखा लगवाने की

कोि ा ा करते है और कूलर लगवाने की कोि ा ा करते है। अगर इसी इंडस्ट्रीज को सरकार बढ़ावा दे तो हरियाणा में चालीस लाख परिवार सम्पन्न हो सकते है इसलिए अगर इसी इंडस्ट्रीज को सरकार बढ़ावा दे तो हरियाणा में चालीस लाख परिवार सम्पन्न हो सकते हे। अगर एक साल में एक लाख परविार भी यह फैलता करें कि हम अपने घरों के कमरों में कूलर लगवाएंगे तो इस इंडस्ट्री को बूस्ट मिलता है। सर, मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि यह सरकार कृशि के ऊपर कोई तवज्जोह नही दे रही है और अगर कृशि के कहने का अभिप्राय यह है कि यह सरकार क ृशि के ऊपर कोई तवज्जेह नही दें रही है और अगर कृशि के ऊपर तवज्जेह नही दी गयी तो आने वाला समय देहात के लोगों के लिए, किसानों के लिए और गरीबों के लिए बड़ा भयंकर हो सकता है। कौन से ऐसे कीर्तिमान आपने स्थापित किए है जिनका आप जिक्र करते ही? उपाध्यक्ष महोदय, मै पिछली वर्श के राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में ऐग्रीकल्चर के बारे में से एक पैरा आपको पढ़कर सुनाता हूं–

"Agriculhire being the mainstay of Haryana,s economy, My Government has been laying maximum emphasis on enhancing agricultural production Sustained efforts in this direction resulted in the State, achiveing the highest ever foodgrains production of the order of 114.55 lac tonnes during the year 1996-97 as against the target of 112-90 lac tonnes. Where is the enhancement of production? The production of cotton and oilseeds also reached a record level of 15.04 lac

bales and 10.04 lac tonnes respectively. thereby exceeding their production largests of 15 lac bales and 9 lac tonnes fixed for the said year."

The production of sugercane also attained a very high level. They have fixed the target of 9 lac tonnes and the high level attainment was only 9.06 lac tonnes. I do not understand. which is this attainment, which is very miraculous. सर, एग्रीकल्चर प्रोडक ान के बारे में गवर्नर महोदय ने जो अपने इस वर्श के अभिभाशण में लिखा है उसमें हमने यह कहा—

We have fixed our target of foodraons production at 118.50 tac tonnes for the year 1998-99. इसमें यह कहा है कि इस बार खरीफ की जो फसल है वह नोन सीजनल रेन की वजह से खराब हुई है। अध्यक्ष महोदय, मै यह बात इसलिए कहना चाहता हूं कि अगर आपने हरियाणा की इकोनोमी का बूस्ट करना है प्रोडक ान है वह मार्जिनल इंक्रीज न हो बल्कि ज्यादा बढ़े और वह कम से कम आज की स्थिर्ति से डयोढ़ा हो। अगर हम 150 लाख टन का उदे य रखेगे तो हम दो साल बाद यह कह सकते है कि हमने हरियाणा के किसान इकोनोमी को ऊपर उठाने की कोि ा ा की है। अगर ऐसा नही किया गया तो फिर हरियाणा के किसान को उनकी फसलों का पूरा दाम नहीं मिलेगा तथा हरियाणा के किसान को खाद, बीज, एवं कीड़ मार दवाईयां ठीक से नहीं मिलेगी। आज कुछ लोग मार्किट में कई तरह के धंधे करते है। कृशि को प्रोडक ान कम होने की सबसे बडी वजह यह

भी है कि जो सार्टिफाईड बीज होते है यह किसानों को नही मिल पाते है। जो हरियाणा सीड सर्टीफके ान एजेंसी है वह किसी और से बीज तैयार करबाकर उन पर अपना ठप्पा लगवाकर कहती है कि यह बीज ग्रेडे ान में ठीक है और इससे पैदावार ज्यादा होगी लेकिन ऐसा होता नही है क्योंकि अनेकों ऐसी मिसाले है चाहे वह कॉटन सीड की बात हो या पेडी के बीच की बात हो, इनमें किसानों ने यह समझा कि उन्होंने बहुत अच्छी जगह से बीज लिया है इसलिए उनका उत्पादन ज्यादा होगा लेकिन ऐसा नही हुआ और उनकी खेती चौपट हो गयी। अध्यक्ष महोदय, कई चीजो पर हम किसानों को सबसिडी देते है। जो इस किसानों को सबसिडी देते है। जो इस किस्म के बीज तैयार करते है उनका तीन सौ रूपय प्रति विवंटल सबसिडी दी जाती है। इसी तरह से व्हीट के बीज और दूसरी अन्य फसालों के बीज को तैयार करने के लिए 500 रूपये प्रति क्विंटल सबसिडी दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, मै यह जानना चाहता हूं कि यह सबसीडी किसको दी जाती है? यह सबसीडी उनको दी जाती है जिनसे सीड ऐजेंसी एग्रेमैन्ट करती है कि हम आपसे बीज खरीदेंगे। मुझे सरकार इस बारे में बताए कि यह सबसीडी उनको क्यों दी जाती है जबकि खर्चा करके आज किसान अपने खेत में 500 या 515 रूपय क्विंटल गेहूं पैदा करता है। कोई अगर फाउडे ान सीड हो फिर तो मैं मान सकता हूं कि किमत ज्यादा आ सकती है लेकिन आम अनाज बीज बनाने का जो काम है उसमें सिर्फ छंटाई का काम है उसकी क्वाइलिटी की तरफ ध्यान नही दिया जाता है, चंद लोगों मै नही मानता कि उस

सबसिडी का किसान को कोई फायदा है। दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि ऐग्रीकल्चर सैक्टर में आपने किसान की यह कहा कि हम आपको 50 पैसे यूनिट बिजली देंगे बाकी जो खर्च होगा यह राज्य सरकार बहन करेंगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाईट ऑफ ऑडर है मै आपके माध्यम से चौधरी बीरेन्द्र सिह जी से जानना चाहता हूं कि ये किसानों के बारे में यह रहे थे कि करोड़ो रूपये की सबसिडी सरकार किसान का देती है उसका उन्हें फायदा नही होता। बीरेन्द्र सिंह जी अगर आप इस व्यवस्था को ठीक नही समझते तो आप कौन सी व्यवस्था को ठीक समझते है इस बारे में हमें बताएं। हम तो जब गांवो में जाते है तो किसानों को इस व्यवस्था से खु ा पाते है जो किसान एच0 एस0 डी0 सी0 से बीज लेते हैं उसके उत्पादन के बाद हम उनसे उसे बाजार कीमत से दुगुनी कीमत पर खरीद लेते है जिससे किसान को काफी फायदा होता है और हरियाणा प्रदे ा के किसान इस व्यवस्था को पसन्द करते है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः दलाल साहब, अगर आप एंग्रीकल्चर मिनिस्टर होते दो स्पीच देने से पहले में आपको बता देता कि यह क्या है? अब आप पी0 डब्यू0 डी0 मिनिस्टर है अब आप क्या करेंगे।

एक आवाजः यह तो हमारी ज्वाइंट रिसपौबिलिटी है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अगर आप ज्वाइंट रिसपौसिबिलिटी मानते है तो इनमे ऐग्रीकल्चर का महकमा वापस क्यों लिया? स्पीकर साहब, मै बताने की कोि ा ा कर रहा हूं कि जैसे किसी प्राइवेट आदमी से आप बीज तैयार कराते हो और आपकी जो सीड सर्टिफाइंग ऐजेन्सी है वह यह कह कर कि यह बीज ठीक है और हमने इसको सटीफाई कर दिया उसके बाद वह बीज किसान को जाता है तो बहुत से ऐसे केसिज है जिनमें उस बीज ने किसान को धोखा दिया। एजेंसी जो ऐक्सपैक्ट करती है वह वैसा नहीं होता इसका मतलब यह है कि जिस आदमी ने सीडी तैयार किया है उस आदमी ने सीड तैयार किया है उस आदमी की मं ाा सिर्फ पैसा कमाने की थी और जिस फार्मर ने उस सीड को तैयार किया उसकी अधिकारियों तक पहुंच थी। किसान को अल्टीमेटली सरकारी एजेन्सी पर निर्भर होना पड़ता है और उसी से बीज लेना पड़ता है। एक बीज जो आपको 800 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से मिला और उसी किसान को आपने 400 रूपये क्विंटल में दिया। उस पर जो 400 रूपये की सबसीडी आपने दी वह सीधे किसान के खाते में जाती है इसलिए मुझे इस सिस्टम के बारे में यह कहना था कि इस सिस्टम को बदलने का एक तरीका है कि इस पर यह हरियाणा ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का सुपरबिजन हो और जो कोई भी इस किस्म के सीड तैयार करता है उसको हरियाणा ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के तहत उसे ऐसे अधिकार प्राप्त होने चाहिएं कि जब तक कोई सांइटिस्ट उस पर पूरी तरह से मोहर न लगा दे तब तक वह किसान को न दिया जाए लेकिन उसके लिए

यह जरूरी है कि किसी सांइटिस्ट को इसमें इन्वौल्व करें लेकिन इसमें उन अधिकारियों के अधिकार कम होते है। इसलिए में कहना चाहूंगा कि जब तक आप उस अथौरिटी को बीच में नही डालेगे तब तक आप किसान की सही बीज मुहैया नही करा सकेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को भाायद यह जानकारी नही है कि हरियाणा बीज विकास निगम किसी प्राईवेट पार्टी को बतौर एजेंसी के बीज बनाने के लिए नही देता है कि फिर वापस उस एजेंसी से बीज लेता हूं। हरियाणा बीज विकास निगम किसानों को फाऊंडे ान बीज पैदा करने के लिए देता है और उन्ही किसानों से वापस खरीदता है। यह प्रथा एक अच्छी प्रथा है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी यह कह रहे है कि हरियाणा बीज विकास निगम प्राईवेट एजेंसी से बीज खरीदता है। हां, इन्होने जो यूनिवर्सिटी वाली बात कही है कि यूनिवर्सिटी की इसके साथ जोड़ा जाये वह ठीक है। हरियाणा बीज विकास निगम यूनिवर्सिटी से पहले ही सम्पर्क रखता है। वर्तमान सरकार को बने हुए करीब तीन साल हो गये इस दौरान नकली बीज में कही से कोई ि ाकायत नही मिली है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की पार्टी जब इस प्रदे ा में सता में भी थी उस समय करनाल में लिवर्टी सीड कम्पनी ने नकली बीज किसानों को दिये थे (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, मेरे कहने का मतलब यह है कि जो इनपुट्स आज कृशि की उत्पादकता को

बढ़ाने के लिए हम इस्तेमाल करते है उनमें पिछली सालों में काफी गिरावट आई है चाहे वह पैस्टीसाइडस हो, चाहे इसैक्टिसाईड हो, चाहे फर्टीलाईजर हो, चाहे सीइज हो चाहे वह दूसरे एग्रीकल्चरल इम्पलीमेंटस की बात हो। इसमें सबसे बड़ा इनपुट है वह बिजली का है पॉवर के बारे में चार राज्यों की एक कांफ्रैस दिल्ली में हुई थी उसमें भी यह बात आई कि हरियाणा में भी आज 32 प्रति ात से अधिक लाइन लोसिस हो रहे है। आज दुर्भाग्य से अधिकारी भी यह मानते है कि 32 प्रति ात की बजाय 40 प्रति ात लाइन लौसिस होते है। डिप्टी स्पीकर सर, कोई इंटरने ानल स्टैंडर्ड ऐसा नही है जहां 10 या 12 प्रति ात से ज्यादा लाइन लोसिस होते हों अब इस सरकार ने डिस्ट्रीब्यू ान और ट्रांसमि ान को ही इम्पूव करने के लिए राज्यपाल के अभिभाशण मे जिक्र किया है जिसके लिए 2400 करोड़ रूपये तो वर्ल्ड बैंक से टाई–अप हो गये है बाकी को दूसरी इन्वेस्टमैंट से तय करेंगे। इस सरकार ने खास तौर से पैसा डिस्ट्रीब्यू ान और ट्रांसमि ान को इम्प्रूव करने के लिए निर्धारित किया है। मै तो आखिरकार यह मानकर चलता हूं कि इस सरकार की नीयत यह नहीं है कि पावर सैक्टर में इस सरकार की आधिपत्य रहे। It should be the monopoly of this Govt. or it should be under the direct control of the State Government. that is not the intention of the State Government and that's why they are repeatedly saying that we would have three companies which will run transmission. distribution and generation. सर, जा जनरे ान की बात है उसको छोड़कर सिर्फ ट्रांसमि ान के लिए 2400 करोड़ रूपये का लोन वि व बैंक से

टाई–अप हो चुका है और उसमें से अब तक एक छोटी सी 240 करोड़ रूपये की किस्त आ चुकी है और एक हजार करोड़ से ज्यादा रूपये की दूसरी कि त भाायद इसी फरवरी में मिलने वाली है और उसके एक साल के बाद तीसरी एक हजार करोड़ से ज्यादा रूपये की कि त भी मिलने वाली है। लेकिन ये यह बात कहते है कि मात्र लोन लेने के लिए ही ये कार्पेरि ान बनाई गई है ताकि वि व बैंक की भार्तो को हम पूरी कर कसे अन्यथा हमारी ऐसी कोई इच्छा नही है कि पावर सैक्टर को प्राईवेटाईजे ान की तरफ ले लाया जाये। होना तो यह चाहिये था कि 2400 करोड़ रूपये का लोन के बाद किसान को 50 पैसे प्रति यूनिट बिजली मिलनी चाहिए लेकिन 2400 करोड़ के इस लोन की भार्तो में तय हुआ है कि 30 प्रति ात एक बार और 30 प्रति ात दूसरी बार बिजली के दामों में वृद्धि करनी पड़ेगी। उस स्थिति में तो 6 रूपये प्रति यूनिट बिजली हो जायेगी। रामबिलास भार्मा जी तो नाराज हो गये थे लेकिन मे कहता हूं भारत सरकार ने यह माना है कि यह सबसीडी को बर्दा ात नही कर सकती है इसलिए 17 रूपये यूरिया के और दाम बढ़ा दिए। उन्हौंने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वे सस्ता गेहूं गरीब आदमी को नही दे सकते है। This is the only example in the history of the post-Independence that the wheat price of PSD has been doubled. उपाध्यक्ष महोदय, आज तक कभी ऐसा नही हुआ है कि दो रूपये प्रति किलो चावल के भाव बढ़ा दिये गए हो। यह सब इस आरगुमैंट के साथ किया गया है कि आहिस्ता आहिस्ता सबसिडी

को फेज–आऊट कर दिया जाएगा। मै हरियाणा सरकार से पूछना चाहता हूं कि यदि केन्द्र की नीति के तहत आहिस्ता–आहिस्ता बिजली पर दी जा रही सबसिडी को इस प्रकार से फेज–आउट कर देगे तो किसान को 50 पैसे प्रति यूनिट बिजली कैसे दे पाएगे? इसलिए मै यह कहना चाहता हूं कि अगर किसान को कृशि उत्पादन के लिए सस्ती बिजली देनी है तो एक साधन है, जिसके लिए हमें तैयारी करनी चाहिए। उस पर हमें काम करना चाहिए। लेकिन इस बात के लिए कोई भी तैयार नही है, न केन्द्रीय सरकार तैयार है ना ही हरियाणा सरकार तैयार और न ही कोई रचनात्मक सोच है। मै कहता हूं कि जब हिमालय प्रदे ा के पास 20,000 मैगावाट हाइड्रो–पॉवर की कैपेसटी है और हरियाणा को आज के दिन बिजली के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनने के लिए सिर्फ 2 हजार मैगावाट अतिरिक्त बिजली की जरूरत है, लेकिन हाइड्रो पॉवर के लिए हरियाणा सरकार ने हिमाचल प्रदे ा सरकार के साथ या राश्ट्रीय स्तर पर पिछले 3 सालों से कोई प्रयास नही किया है। अब जो प्रयास किया गया है वह सिर्फ यह किया गया है कि हम पानीपत की 5 यूनिट्स को माडनाईज वे रिनोबेट कर रहे है जिससे बिजली की बढ़ोतरी होगी तथा पानीपत में ही बिजली यह बात तो ठीक है कि किसी के घर की बिजली जब चली जाए तो वह भी इमरजैंसी लाईट अपने पास रखता है लेकिन मै यह कहता हूं कि हमारा कंसैप्ट यह होना चाहिए कि when we have a State which is adjoining to the Hill State of Himachal Pradesh so-called uttarakhand State and the State of Jammu and

Kashmir, the entire ressources fo these hilly States can be exploited to take full advantage of this situation, if we are really serious. इस बारे में कोई नही सोचता है। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि भाखड़ा की बिजली जो 20 पैसे प्रति यूनिट मिलती है, हम हर रोज 60 लाख यूनिट वहां से ड्रा कर रहे है तथा फिर भी इसको मिलाकर और थर्मल की बिजली को मिलाकर भी साढ़े तीन रूपए प्रति यूनिट ही अनुपात निकलता है। मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि अगर आप किसान की खेती की प्रोडक ान को डयोढा य दुगुना करना चाहते है तो उसके लिए जो सबसे महत्वपूर्ण इनपुट है यह कि उसको सस्ती बिजली दें। मै आपके माध्यम से गृहमंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि किसान यूनियन को हम ऐसे ही भाक्तिहीन नही समझ सकते है। It is growing in power and it is growing in strenght. उपाध्यक्ष महोदय, किसान यूनियन सिर्फ इसलिए खफा है कि आपकी सरकार उनकी न्याय नहीं दे रही, पूरी बिजली नहीं दे रही, इनफलेटिड बिल आते है। अध्यक्ष महोदय, कई कई महीनें तक किसान का ट्यूबवैल काम नही करता फिर भी बिल आते है और वे रेट्स पर सहमति नही रखते। अगर आप हाईड्रो इलैक्ट्रीसिटी का बंदोबस्त कर सकेगे तभी किसनों को आप पूरी बिजली दे सकते है या देने में कामयाब होंगेह। मेरी तो यह धारणा है कि अगर हम किसानों को 24 घंटे बिजली देने में कामयाब रहे तो बिजली के रेट्स बढ़ने पर भी वे एतराज नही करेगे क्योंकि जब भी उनका मन करेगा या उनकी फसल को पानी की आव यकता

होगी वे स्विच ऑन करके अपनी फसल को पानी दे देंगे। लेकिन आज जो स्थिति किसान यूनियन और सरकार के बीच बनी हुई है हमारे लिए एक बड़ी चिंता का विशय है कि हम किसानों को उस रास्ते पर जाने से रोक जिस रास्ते पर जाने से कही हरियाणा प्रदे ा में लॉ एंड आर्डर की स्थिति क्रिएट न हो जाये। (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, डोमेस्टिक बिजली की स्थिति भी ठीक नही है, which is only 10% to 12% of the total electricity which is consumed in the State.

श्री कंवल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, बिल तो डोमिस्टिक बिजली के भी नहीं भरे जा रहे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक डोमैस्टिक बिजली का सवाल है और जहां आप लोग डोमैस्टिक बिजली के बिल लेने की बात करते है वहां पर उनके दिमाग को बर्किंग को भी समझने की कोि ा ा करें। मै आपका पूरे एक दर्जन ऐसे इंसटांस कोट कर सकता हूं जहां पर 50, 60, तथा 70 प्रति ात डोमस्टिक कंजूमर्स ने अपनी बिजली के बिल अदा कर रखे है लेकिन वहां का एकाएक ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है तो वे एक्सियन के पास जाते है, एस0 ई0 के पास जाते है, वे लोग महीनों तक घूमते रहते है लेकिन बिल जमा होने के बाद भी ट्रांसफार्मर ठीक नही होता है, तब उन लोगों को बड़ी तकलीफ होती है।

श्री सतपाल सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, ऐसी बात नही है जहां पर 50 प्रति ात बिल भरे गए है वहां पर ट्रासफार्मर 2 दिन के अंदर बदल दिया जाता है। (व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै आरग्यूमैंट में तो नही जाना चाहता लेकिन में एक बात और पूछना चाहता हूं कि मै रैगूलर अपना बिल भरता हूं और मेरे ट्रांसफार्मर पर 600 कनैक ान है। उन 600 कनैक ान में से 400 आदमियों ने अपना बिल नही भरा then what is the of 200 consumers? तो रक्षा आप करेंगे ही, आप सरकार है। जो 200 लोग बिल भरते हे उनका क्या कसूर है। उपाध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से यह सरकार चल रही है कि हम बिजली की डिस्ट्रीब्यू ान प्राईवेट हाथों में दे देंगे, यह बहुत गलत हो रहा है। मेरे कहने का मतलब यह है कि हम बिजली की डिस्ट्रीब्यू ान प्राईवेट हाथों दे देगे यह बहुत ही गलत हो रहा है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो पावर सैक्टर है उस पर आपको ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, आप अल्टीमेटली किसान को अ योरड बिजली मुहैया करायें जिससे उनका एजीटे ान भी खत्म हो तथा किसानों की जो डिमाड्ज इनफलोटिड बिजली के बिल्ज के बारे में है उनको ठीक करना चाहिए, जिनका मीटर ठीक तरह से नही चल रहा उसको ठीक कराया जाये, जो मीटर गलत यूनिट निकाल रहा है उसको भी ठीक किया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि किसानों की समस्याओं को समझ कर उ'न्हें दूर किया जाये और

अगर आप एग्रीकल्चर को प्रायरीटी क्षेत्र मानते है तो किसानों को पूरी बिजली देने का एक ही तरीका है कि उनको अ योरड पावर दें। उपाध्यक्ष महोदय, ए योरड पावर के बारे में मे यह कहना चाहता हूं कि यह मिथ है कि अगर कोई इंजीनियर कहे कि आठ घण्टे लगातार बिजली पक्की ही मिलेगी। ए योरड पावर सप्लाई का यह मतलब है कि uniniterrupted power supply for 24 hours together and if there is any interruption. it should be intimated to the farmers in advace.

श्री अतर सिंह सैनीः उपाध्यक्ष महोदय, मै बीरेन्द्र सिंह जी को बताना चाहूंगा कि इस साल में 33278 ट्रासफार्मज बदले गये है जो कि खराब हुये थे।

एक आवाजः बीरेन्द्र सिंह जी बाला ट्रांसफार्मर बदला गया है या नही?

श्री बीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे वाला कोई ट्रांसफार्मर नही है। मै आंकडो के आधार पर कोई बात नही करना चाहता था लेकिन यदि ये आंकड़ों की बात करते है तो में बताता हूं कि मैने अपने हलके में एस0 ई0 से यह कहा कि ट्रांसफार्मर को बदल दी जो कि खराब है और उस एस0 ई0 ने मुझे कहा कि जब तक ये लोग एक–एक पैसा नही चुका देंगे तब तक हम ट्रांसफर्मर नही बदलेंगे। उस एस0 ई0 का नया तो मुझे याद नहीं है वह भाायद एक महीने में रिटायर होने वाला था। मैने कहा कि मै इस हलके का विधायक है और यदि आप एक महीने के अन्दर

ये जो आपने बिमारिया पैदा की है उनका आप इलाज नही करेगे तो हम आपका पेराब करेंगे लेकिन मुझे तो यह बात बाद में पता चली थी कि वह एक महीने में रिटायर होने वाला था और रिटायरमैट के समय तो लोग नर्म होते है लेकिन उसकी तो भाशा ही ऐसी थी और यह गर्म मिजाज में बात करता था।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने जो ट्रांसफार्मर वाली बात कही है, उपाध्यक्ष महोदय उस बारे में में आपको माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि इसके पीछे बिजली चौरी करने की जो मानसिंकता है और स्टेट में एक भी ट्रांसफार्मर ऐसा नही है जिस पर क्षमता से दुगुना लोड न हो। (विघ्न) माननीय सदस्यगण, कृपया बात को सुनिए और बीच में टोका–टाकी करने का कोई फायदा नही है। इसी बिजली चोरी करने की मानसिकता के बारे मे मैं सदन को बताना चाहूंगा कि जो लोग बिजली के बिल भरते है और जिन्होंने बकायदा मीटर लगवाये हुये है उनको बिजली कंज्यूम करने का पूरा हक नही मिलता लेकिन आज जो लोग बिजली की चोरी करते है यह बिजली की चोरी की सारी डिवैल्पमैंट कांग्रेस सरकार न ही की हुई है। आज हो सकता है कि चने के साथ घुन भी पिसता हो लेकिन कांग्रेस सरकार ने ही लोगों में यह चोरी की मानसिकता पैदा की और आज उसका खामियाजा जनता भी भूगत रही है और सरकार को भी भुगतना पड़ रहा है।

कैप्टन अजय सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इनके काम की गति तो धीमी है।

श्री हर्श कुमारः उपाध्यक्ष महोदय, कैप्टन अजय सिंह जी को जैसी गति चाहिए वैसी ही गति करने की क्षमता हमारे पास है। (विघ्न)

एक आवाजः यह महकमा तो श्री हर्श कुमार का नहीं है।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): उपाध्यक्ष महोदय, यह महकमा हम सबके पास है और में आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि यह कोई नाई की दुकान नहीं है कि वही हजामत बनायेगा।

श्री उपाध्यक्षः बीरेन्द्र सिह जी आप जल्दी कन्कलूड करिये।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सर, मैं कन्कलूड तो कर दूंगा लेकिन मै दो–चार बातें कहता चाहा रहा हूं वो तो कहने दीजिए।

श्री उपाध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी, आपको काफी समय मिल गया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैने कोई समय बर्बाद तो नही किया है ये जो बीच मं इन्ट्ररप ान हो रही है। उसकी वजह से मै आपनी बात पूरी नही कर पा रहा।

श्री उपाध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी ठीक है जितनी जल्दी हो सके आप कन्कलूड करें।

श्री बीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा अदायरा बहुत ही महत्वपूर्ण है जो कि कृशि से जुड़ा हुआ है वह सिंचाई का है और में यह पर सिंचाई के बारे में एक बात कहना चाहता हूं कि चाहे वो वह सरकार हो, या आगे हमारी सरकार बने या किसी और की बने लेकिन यह लिखना छोड़ दे कि एस0 वाई0 एल0 पर बड़ा ध्यान दिया जा रहा है।

यह बात में इसलिये कह रहा हूं कि अब तक इस मुद्दे पर हम एक मत होकर नही सोचतें और बिना किसी पोलिटिकल ग्लोगन के या बिन किसी पार्लिटकल सिमिक के एक जुट होकर प्रयास नही करेंगे तब तक हम एस0 वाई0 एल0 के बारे मे बात करते अच्छे नही लगते। यह भी अच्छा नही लगता कि सारा ध्यान केवल सता पक्ष, विपक्ष आलोचना करने में और विपक्ष सता पक्ष की आलोचना करने में लगा रहे। मेरा यह कहना है कि आप दूसरे साधन जुटाने की कोि ा ा करें एस0 वाई0 एल0 कैनाल बनेगी ही बनेगी, मै कोई ऐसी बात कह कर अपना स्टैंड कमजोर नही करना चाहता। हर्श कुमार जी, मेरा यह कहना है कि एग्जिसटिंग चैनल्ज से हमें एक लाख अस्सी हजार मिलियन एकड़ फीट पानी मिल सकता है। इस अभिभाशण में यह जिक्र है कि इस सरकार ने 45 करोड़ रूपया नरवाना लिंक कैनाल और भाखड़ा मेन लाईन की सफाई के लिए पंजाब सरकार को दिया है। आपकी सरकार पीने

तीन साल से है। तीन साल पहले इन दोनो कैनाल के केरियर चैनल्ज की कैपोसिटी से 1600 क्यूसिकस पानी कम ड्रा करते है।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): हमारी सरकार आने के बाद हमने उनकी केपोसिटी में बढ़ौतरी की है।

श्री वीरेन्द्र सिंह: आपने बढ़ौतरी तो की होगी लेकिन में इन बात को नही मानता। I am a member of the Committee on Estimates. When we wereorally examining the Irregation Department, it was admitted by Engineer in Chief that Narwana Link Canal. Bhankra Main Line Canals are drawing less water i.e. 1600 cusecs. अध्यक्ष महोदय, मीटिग में वे यह भी कहते है थे कि उसमें मैक्सिसम 2600–2700 और ज्यादा से ज्यादा तीन हजार क्यूसिकस पानी जा सकता है। मेरे कहने का मतलब है कि इस सरकार द्वारा पंजाब सरकार के पास 45 करोड़ रूपया जमा करवाने के बाद क्या आपकी पंजाब सरकार की और यह अ योरैंस मिली है कि पंजाब सरकार उस नहर की गाद निकलवा देगी और उसकी रिपेयर का काम करवा देगी ताकि हम पूरा पानी ड्रा कर सकें। मै तो यहां तक कहता हूं कि एस0 वाई0 एल0 कैनाल के समझौते के बाद आप एक लाख अस्सी हजार मिलियन एकड़ फीट पानी एग्जिससिंग केरियर चैनल्ज से ड्रा करते हो लेकिन जो 1600 क्यूसिकस पानी कम आ रहा है उसके लिए सफरर कौन है उसके सफरर है गुड़गांव जिला, महेन्द्रगढ़ जिला रिवाडी जिला, रोहतक जिला और सोनीपत जिला जो डब्ल्यू0 जे0 सी0 द्वारा सिंचित एरिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह उन लोगों

का 1600 क्यूसिक्स पानी है जो पंजाब को जाता है हम उसको ड्रा नही कर सकते। इससे ज्यादा इनकम्पीटैसी इस सरकार की और क्या हो सकती है? इस सरकार ने उस पानी के लिए पिछले पीने तीन साल में एक भी पैसा खर्च नही किया और न ही पानी की मात्रा बढ़ाने पर कोई पैसा खर्च किया।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जहां तक इस सरकार की बात है और इससे पहले की सरकार की बात है आप इस बारे में रिकार्ड उठा कर देख ले जितना आपकी सरकार के समय में भाखड़ा मेन लाईन और नरवाना ब्रांच से हमें पानी मिलता था उसमें हमने बढ़ौतरी की है और वह बढ़ौतरी 400 क्यूसिकम पानी की है। पंजाब से जिन कैरियर चैनल्ज से जो पानी मिलता था वही कैरियर चैनल्ज आपके समय में थे और वही कैरियर चैनल्ज अब है। आपकी सरकार भी पंजाब सरकार को उन चैनल्ज की सफाई के लिए पैसा देती थी और हम भी उनकी सफाई के लिए पंजाब सरकार को पैसा दे रहे है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि जब भी हरियाणा प्रदे ा की सता किसी भी पार्टी के हाथ में रही या किसी भी नेता के हाथ मे रही या आई उस समय किसी ने भी इसको गम्भीरता से नही लिया, इसमें कोई दो राय नही है। आपकी सरकार के बाद हमारी सरकार आने के बाद भाखड़ा मेर लाईन और नरवाना ब्रांच में 400 क्यूसिकृत पानी हमने पंजाब से फालतू लिया है जो आपके समय में नही मिलता था।

श्री बीरेन्द्र सिहं: उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैने पहले ए योर्ड बिजली सप्लाई के बारे में कहा उसी तरह से किसानों को ए योर्ड पानी भी दिया जाए। अगर हम बिजली पूरी मात्र में उपलब्ध नही करवा सकते तो कम सिंचाई के लिए पानी अव य उपलब्ध करवाना चाहिए क्योंकि जहां पर ट्यूबवैल कामयाब नही है जैसे रोहतक, झज्जर, सोनीपत, आधा जीन्द का एरिया, आधा हांसी का एरिया, यानि हिसार से नीचे का एरिया और भिवानी का एरिया है, इनमें जमीन का पानी काफी नीचे चला गया है और नीचे जमीन का पानी खारा है जो फसल के लिए ठीक नही है। खारा पानी होने की वजह से वहां पर ट्यूबवैल्ज नही लग सकते। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) इसलिए वहां पर नहरी पानी की आव यकता अधिक है। यदि इन एरियाज में नहरी पानी उपलब्ध पूरी मात्रा में हो जाता है तो इस एरिया के लोग भी साढ़ी और सावनी की दो फसलें अव य ले सकते है। अध्यक्ष महोदय, जब कुरूक्षेत्र में धान लग सकता है तो सोनीपत, रोहतक, भिवानी में धान की फसल क्यों नही हो सकती। इन एरियाज के लोग धान की फसल लगाते है लेकिन बारि ा ठीक समय पर न होने कारण और नहरी पानी पूरा न मिल पाने के कारण उनकी धान की खेती में पानी की अभाव में सूखी जाती ह। यदि इन एरियाज के लोग भी दो–दो फसलों ले लें तो उनकी भी आर्थिक अवस्था अच्छी हो सकती है। आर्थिक अवस्था जहां की ठीक नही होगी वहां पर हालात भी खराब रहते है। मै इसके लिए गृह मंत्री जी को दोशी नही मानता, पुलिस को दोशी नही मानता। यदि

कही कमी है तो हमारे सिस्टम की कमी ह। हमारा सिस्टम ठीक न होने कारण हमें पंजाब से 1600 क्यूसिक पानी कम मिल रहा है। यदि हमें डब्ल्यू0 ज0 सी0 से पूरा पानी मिल जाये तो हम महेन्द्रगढ़, नारनौल, रिवाड़ी भिवानी के खेतों के लिए अधिक पानी दे सकते है। जब पिछले सालों में बंसी लाल जी मुख्यमंत्री थे तो उस वक्त ये डब्ल्यू0 जे0 सी0 का पानी भिवानी तो ले नए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि उन नहरों में 1600 क्यूसिक पानी कम चलता है। अब यह सरकार हथनीकुंड बेराज बनाने का ढोल पीट रही है। हथनीकुंड बैराज तो ताजेवाला हैडवर्कस की रिप्लेसमेंट मात्र है। अब सरकार हथनीकुंड बैराज की आड़ में बड़ा में बड़ा भारी ढोल पीट रही है। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः चौधरी साहब, हथनीकुंड बैराज से हमें रेनी सीजन से पानी अधिक मात्रा में मिल पायेगा, जिससे हमें बहुत फायदा मिल सकता है। (विघ्न) इनके सीनियर नेता गये, अब इनको क्या कहें। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बीरेन्द्र जी ने डब्ल्यू0 जे0 सी0 सिस्टम के बारे कही इनसे मै इस बारे में एक बात जानना चाहूंगा कि हरेक को हर हालात का पता होना चाहिए कि पीछे क्या किया गया और यह भी पता रहना चाहिए कि अब सरकार क्या कर रही है। ये खुद सिंचाई मंत्री रहे है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मै कभी सिंचाई मंत्री नही रहा।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के समय में भाखड़ा में जितना पानी था उसका पता है हमने उसमें 400 क्यूसिक पानी और बढ़ा दिया हैं। जहां तक डब्ल्यू0 जे0 सी0 की बात है, उसमें भी पानी बढ़ा है। हथनी कुण्ड बेराज के बारे में मै कहना चाहता हूं कि हमें बरसात के चार महीनों में पानी फालतू मिलेगा। आज ताजेवाला का जो सिस्टम है वह पानी उससे नहीं मिलता। चार महीने के लिए हमें फालतू पानी मिल जाएगा और उस फालतू पानी को हम दक्षिणी हरियाणा में दे सकते है जिससे वहां की को फायदा हो सकता है और इस तरह उन किसानों को पानी मिल सकता है।

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी, अब आप अपनी बात को एक मिनट में कन्कलूड कीजिए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा समय तो मंत्री जी ने जबाब देने में ही ले लिया है लेकिन फिर भी में अपनी स्पीच को कन्कलूड करने में पांच मिनट का समय ही लूंगा। स्पीकर सर, मेरी सबमि ान यह है कि हथनी–कुण्ड बेराज मॉडर्न टैक्नोलोजी से बन रहा है और इससे रेनी सीजन के पानी का इस्तेमाल आगे तक करते रहेगे। हथनी कुण्ड बैराज से समस्या का समाधान होने वाला नही है। अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार यमुना के तेज बहाब के पानी का इस्तेमाल करना चाहती है तो किसाऊ डैम के लिए भारत सरकार पर दबाव देना चाहिए। चौधरी बंसी लाल जी कहा

करते थे कि वे गंगा का पानी हरियाणा में लाएंगे लेकिन गंगा का पानी लाने की जरूरत ही नही है अगर यमुना के पानी को किसाऊ डैम पर रैगुलेट कर सकते है तो हरियाणा के किसान को ए योर्ड इरिगे ान दे सकते है। स्पीकर सर, खास कर के जिन 10 कर सकते है तो हरियाणा के किसान को ए योर्ड इरिगे ान आप दे सकते है। अध्यक्ष महोदय, एक और बात कह कर मै आपनी बात को समाप्त करूंगा। बातें तो और भी अभी काफी है लेकिन भाायद आप मुझे उनको कहने के लिए समय नही देंगे इसलिए एक बात कह कर मै अपनी स्पीच को समाप्त करूंगा। अध्यक्ष महोदय, वाटर लोगिंग की समस्या एक गम्भीर समस्या हैं हमें इससे बड़ी तकलीफ होती है। सात लाख एकड़ भूमि में पानी के कारण खरीफ की फसल बर्बाद हो गई। राजस्व मंत्री जी के मुताबिक 30 हजार एकड़ भूमि में अब भी पानी खड़ा है और उसमे रबी की फसल की बिजाई नही हो पाई। पता नही सरकार इस बात को समझती है या नही। इस साल अनसीजनल रेन हुई और उसका पानी इकट्ठा हो गया। पिछले सालों में किसानों ने जो पानी रोका था और नीचे के पानी की एक्सप्लॉयट नहीं कर सकते। हरियाणा के 89 प्रति ात पानी का एक्सप्लाम्यटे ान नही हो पाया। 1/3 हरियाणा ऐसा है जिससे नीचे के पानी का एक्सप्लॉयटे ान नही कर सके और नीचे का पानी खारा है। ब्रेकि ा है उसकी वजह से ऊपर थोडा सा पानी पड़ते ही ऊपर और नीचे का पानी मिल जाता है इसलिए वहां 1995 में फ्लड आया था। 1995 के बाद यह नौवी फसल है और ऐसे कई परिवार है जिनकी नौ की नौ फसलें

बरबाद ही चुकी है, उसके कारण हरियाणा में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बिगड़ी है। (घण्टी)

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, जहां तक वाटर लौगिंग की बात है, यह बात ठीक है कि रोहतक और सोनीपत के इलाकों में खड़े पानी की वजह से फसल की बिजाई नही हो पाई। बरसात के पानी के खड़े रहने का एक कारण यह भी है कि जिन लोगों ने अपने हिस्से से फालतु पानी लिया और दूसरों के हिस्से का पानी आगे नही जाने दिया। माईनर्ज की टेल पर या खालों की टेल पर पानी नहीं जाने दिया यह वाटर लोगिंग उसकी भी एक वजह है। इसके हाथ ही मै एक बात और भी कहना चाहता हूं कि लोग पानी की चोरी करते थे। अध्यक्ष महोदय, जो लोग पानी की चोरी करते थे उनसे बीस गुना आबियाना बसूल किया जाता था। लेकिन इस चोरी को बढ़ावा देने के लिए इनकी सरकार ने 20 गुना से घटा कर छः गुना कर दिया। अध्यक्ष महोदय, अब हमारी सरकार ने इसको बढ़ा कर 30 गुना कर दिया है। (विघ्न)

Mr. Speaker: Chaudhary Birender Singh, Please conclude within minute Now you think that you have concluded you speech.

Shri Briender Singh: Sir, I will conclude within or three miniutes. स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि यह मेरी

बदकिस्मती है कि आप मेरी बात को समझ नही रहे है। सर, मै यह कहना चाहता हूं कि अगर किसी ने चोरी भी की है.....?

श्री हर्श कुमारः चौधरी साहब, जब आपकी पार्टी की सरकार का समय था उस समय आपने अपनी बात को समझकर उस पर खुद आपने अमल नहीं किया। आज आप हमें समझा रहे हैं। यह बड़ी अजीब बात है। जो आज हमारी सरकार का समय है यह हमारे से पहली आपके पास था।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, राजस्व मंत्री जी के जो अनुमान हैं कि हमने 30 करोड़ रूपया मुआवजे के तौर पर 7 लाख एकड़ भूमि पर दिया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में 114 लाख एकड़ भूमि है जो खेती युक्त है उसमें से अगर 7 लाख एकड़ भूमि पर फसलें नहीं हुई तो यह गवर्नमैंट की इन–ऐफिसिएंसी है। यहह पोलिटिकल बिल नहीं है। वरना तो जहां–जहां इस किस्म की सेम है, जहां–जहां ऐसा भौलो ट्यूबवैल्ज लगा दें और वह पानी उनमें डाल दें। मैं कहता हूं कि एक साल में जो हरियाणा का बाउल है जिसमें यह सारे इलाकों का जिक्र कियसा है वहां पर भौलो ट्यूबवैल लगाकर उस पानी को आप रजबाहों और नहरों मे डाल दें तो उससे किसानों की फसल भी बच जाएगी तथा आपको मुआवजा भी नहीं देना पड़ेगा। किसान अपनी फसलों की पैदावार को बढ़ा सकेंगे, उसकी आर्थिक अवस्था ठीक होगी। सर, जब किसान की आर्थिक अवस्था ठीक होगी तो हरियाणा में लॉ एण्ड आर्डर ठीक होगा। वरना आजज

जो हरियाणा के हालात हैं वह टैरोरिज्म से भी बुरे हालात है। हरियाणा का लॉ एण्ड आर्डर बुरी तरह से बिगड़ चुका है और उसके लिए हरियाणा की आर्थिक अवस्था ही जिम्मेवार है। (घंटी)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपका समय समाप्त हुआ अब आप बैठ जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः ठीक है जी, मैं अपनी सीट लेता हूं तथा आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री बलबीर सिंह (महम): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर महोदय के अभिभाशण के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस अभिभाशण को पढ़कर केवल फॉरमैलिटी ही की गई है और इसका यहां पर विरोध भी हुआ है। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी यहां आने से पहले वायदे किया करते थे कि मेरी सरकार आएगी तो 24 घंटे बिजली दूंगा। अध्यक्ष महोदय, जब हरियाणा प्रदे ा बना था तो उस समय लोगों के कुछ काम हुये थे ओर उस समय यही मुख्य मंत्री हुआ करते थे। इसलिए इस बार भी लोगों को यह उम्मीद थी कि इनकी सरकार आएगी तो कुछ भलाई के काम होंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, 24 घंटे की बजाए लोगों को 6 घंटे भी बिजली नहीं मिलती है। इस रकार से तो पिछली कांग्रेस की सरकार ही अच्छी कहला गई और यह केवल आपकी बदौलत ही हुआ है। ध्यक्ष

महोदय, इस समय बच्चों की पढ़ाई का सीजन है। पूरी रात बिजली गुल रहती है और बिजली न होने के कारण बच्चे कैसे पढ़ेंगे और कैसे पास होंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारे नौजवान जब अच्छी परीक्षा नहीं दे पाएंगे तो हरियाणा प्रदे ा की कैसे भलाई होगी। आज हरियाणा में इस तरह के हालात बिजली के हैं। आज आप सड़कों के हालात देख लें। किसी समय एक मिसला थी कि चौधरी बंसी लाल किसी भी सड़क का मोड़ नहीं छोड़ेंगे। लेकिन आज सड़कों में बहुत गहरे–गहरे गड्डे हैं। अध्यक्ष महोदय, आपके पास तो कंटैसा गाड़ी है और मंत्रियों के पास भी वही गाड़ियां हैं। इसलिए इन लोगों को तो बढ़िया गाड़ी के कारण उन सड़कों के बारे में पता नहीं चलता है। लेकिन हकीकत यह है कि उन सड़कों पर हल्की गाड़ियसां नहीं चल सकती। पता नहीं सारा पैसा कहां जा रहा है। आज प्रदे ा में कोई भी सड़क दुरूस्त नहीं है। कम से कम एक साल में तो सरकार को इन सड़कों की मुरम्मत करवानीं ही चाहिए लेकिन आज कोई भी सड़क नई नहीं बन रही ह। आज सड़कों के बनने के बजाए कोठियां बन रही हैं। अध्यक्ष्ज्ञ महोदय, अगर ऐसा होगा तो आप ही बतायें कि हरियाणा प्रदे ा कहां जाएगा ? अब केवल डेढ़ या दो साल की ही बात रह गई है उसके बाद इन लोगों को गॉवों के लोग अपने गॉवों में घुसने नहीं देंगे। बड़ी मु कल से एक इंसान की जूनी मिलती है और पैसे से इंसान की जूनी तबदील नहीं हो सकती क्योंकि इंसानियत अलग चीज है और पैसा अलग चीज है। यह सही है कि पैसा ऐसी चीज है कि उसके बगैर गुजारा नहीं है लेकिन वह पैसा भी किस

काम का जिससे अपनी इज्जत पर ही ऑंच आए। स्पीकर साहब, जब अगले चुनावों के बाद रिजल्ट आएगा तो तकरीबन इन सबकी जमानत जब्त हो जाएगी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बेमौसम की वर्शा की वजह से हरियाणा प्रदे ा में बहुत नुक्सान हुआ है। हमारा महम हल्का तो पिछले दो–तीन सालों से इस तरह की वर्शा से प्रभावित हुआ है। 1995 में सबसे ज्यादा नुक्सान हमारे महम हल्के में हुआ था तब से लेकर इस साल तक लगातार हमारे हल्के में चौथी फसल की बिजाई नहीं हो पायी है।

श्री अध्यक्षः बलबीर सिंह जी, बीरेन्द्र सिंह तो नौंवी फसल की बात कर रहे थे और आप चौथी फसल की बात कर रहे हैं।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप 1995 से हिसाब लगा लो। यह चौथी फसल ही है जिसकी बुवाई नहीं हो पाई है। गलत बोलने का क्या फायदा है। (विघ्न) जाहं पर नरमा कपास बोई जाती है वहां तो आठवीं या नौंवी फसल हो सकती है परन्तु जहां पर गन्ना बोया जाता है वहां चौथी फसल ही है जिसकी बुवाई नहीं हो पाई है। अध्यक्ष महोदय, जब जमींदार की फसल की बुवाई नहीं होगी तो वह अपना सारा खर्चा कैसे चलाएगा ? कैसे तो अपने खाने के लिए अनाज मोल लेगा और वह कैसे अपने अपना सारा खर्चा कैसे चालएगा ? कैसे तो वह अपने खाने के लिए अनाज मोल लेगा और वह कैसे अपने प ाुओं के लिए चारा खरीदेगा ? उसका तो गुजारा ही नहीं होगा। सरकार भी किसान

को खाद पर या तेल पर एक पैसे की भी सबसिडी नहीं दे रही है। पिछले दिनों किसान को बुवाई के समय डी0ए0पी0 की खाद के लिए भी दर–दर भटकना पड़ा है। लेकिन हमारे इन सम्मानित मंत्रियों की इस बारे में एक भी स्टेटमैंट नहीं आयी। अगर आयी हो तो ये बता दें। लोगों ने डी0ए0पी0 खाद लेने के लिए दर–दर ठोकरें खायी हैं। जमींदार भाईयों को पैसा देने के बाद भी खाद नहीं मिल पायी है। यह खाद का थैला 50 किलो का होता है लेकिन इस खाद को बेचने वाले हमारे व्यापारी भाईयों ने खाद के थैलों में दस–दस किलो पत्थर मिलाकर बेचा है। अध्यक्ष महोदय, जब पैसा देने के बाद भी किसानों को खाद या दवाईयां नहीं मिलेंगी तो क्या हाल होगा ? अध्यक्ष महोदय, यह हाल आज किसानों का है और मुआवजे के बारे में मुख्यमंत्री महोदय की दो बार स्टेटमैंट आ गई कि हम मुआवजा देंगे। मुआवजा कहां देंगे, यह तो लोगों को गुमराह करने वाली बात है। पिछली कांग्रेस की सरकार ने 3 हजार रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसान को मुआवजा दिया था। हमारे महम हल्के के एक करोड़ बारह लाख रूपये बंटने बाकी रह गए थे तभी इलैक ान आ गए। एस0डी0एम0 ने कहा कि इलैक ान के बाद बांटेंगे लेकिन इलैक ान के बाद वह पैसा बांटा नहीं गया और यह सरकार उस पैसे को हज्म कर गई तो स्पीकर सर, जब पिछले पैसे ही नहीं दिये तो अगले की हम क्या उम्मीद रखें ? अध्यक्ष महोदय, हमारी तरफ गन्ने की फसल ज्यादा होती है जब से हरियाणा प्रदे ा अलग हुआ है किसी सरकार ने जमींदारों पर किराया व लेबर का खर्च नहीं

लगाया लेकिन इस सरकार ने लगाया है। जमींदारों पर किराया लगाया है और मजदूरी का पैसा काट लिया है। चौधरी बंसी लाल जी की स्टेटमैंट तो आ जाती है कि मैंने 10 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ने का दाम बढ़ा दिया, दस रूपये बढ़ा कर बारह रूपये काट लिये तो उसका फायदा क्या हुआ? मैंने तो वहां के लोगों को कहा कि एस0डी0एम0 को घेर लो। अध्यक्ष महोदय, यह प्रजातंत्र है और प्रजातंत्र में ऐसा सिस्टम नहीं होना चाहिए। प्रजातंत्र में यह होता है कि कोई सदैव इस कुर्सी पर परमानैन्ट नहीं रहेगा और भी कोई आ सकता है इस बात का सरकार को ध्यान रखना चाहिए। चौधरी कंवल सिंह जी सम्मानित मंत्री भी यहां बैठे हुए हैं वे बताएं कि क्या उन्होंने मेरे हल्के में एक गली बनाने के लिए भी पैसा दिया है? स्पीकर साहब, ये तो अपने हल्के के काम करवाने में लगे हुए हैं, मैं इनसे कहना चाहूंगा कि और भी भाई हैं। स्पीकर साहब, कंवल सिंह जी ने एक ड्रेन खुदवाई। (विघ्न) वह वि व बैंक का पैसा था उसमें हरियाणा सरकार का पैसा नहीं था उसमें अपने चहेते लोगों को, रि तेदारों को कमी ान तो खिला दिया वह ड्रेन अभी भी अधूरी पड़ी है। अध्यक्ष महोदय, आपका और मेरा मिलता–जुलता हल्का है उस ड्रेन के पानी को रोहतक जिले में घुमा दिया जबकि पानी का लेवल उधर ही था। अध्यक्ष महोदय, हमारे महम हल्के में तकरीबन बड़े–बड़े गांव है जिनमें 3–4 पंचायतें एक–एक गांव में हैं परन्तु उन गांवों में आज नरक के समान जीवन हो रहा है। वहां इतना बुरा हाल है कि लोगों का गलियों से गुजरना भी मु कल हो रहा है। आप

जानते हैं कि हमारी बहन–बेटियां ज्यादातर पर्दे में रहती हैं जब लोगों का खाली गुजरना मुि कल हो तो वे पर्दे सहित कैसे गुजर सकती हैं क्योंकि उन्हें तो गोबर–पानी का काम भी करना पड़ता है। अगर हमारे सम्मानित मंत्री जी जो कि एक ईमानदार आदमी हैं उनकी ठण्डी नजर हमारी तरफ भी हो जाये तो उनके लोगों का जीवन भी सुखी हो सकता है। स्पीकर साहब, इन गांवों में सीवरेज सिस्टम भी लागू करना चाहिये मैं चाहूंगा कि मंत्री जी इस बात पर ध्यान दें। क्योंकि चाहे डी0सी0 साहब के पास चले जायें या एस0डी0एम0 साहब के पास, चाहे मंत्री जी के पास जाएं वहां हमें एक ही बात सुनने को मिलती है कि पैसा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि सरकार ने भाराब बंदी को खोलने के बाद 1200 करोड़ रूपये के टैक्स लगाये हैं जबकि भाराब बंदी के कारण तो 600 करोड़ रूपये का नुकसान हुआ था यह रिकार्ड की बात है। (विघ्न)

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी तो माननीय सदस्य कह रहे थे कि मुझे पढ़ना नहीं आता अब कह रहे हैं कि यह रिकार्ड की बात है।

श्री अध्यक्षः किसी ने लिखकर दे दिया होगा।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले साल आपने रूल्ज की किताब अंग्रेजी में दे दी थी लेकिन इस साल आपने अच्छा किया कि हिन्दी में दे दी है इसलिए मैं इसे पढ़कर आया

हूं। अध्यक्ष महोदय, दारू बन्द करने के कारण 600 करोड़ रूपये का टैक्स लगाया था परन्तु बाद में दारू भी खोल दी। जब दारू बन्द करनी थी तो हाउस के लीडर ने हाउस में चर्चा की कि हम दारू बन्द करने जा रहे हैं। उस समय हमारे नेता ने और दूसरे विपक्षी साथियों ने, सभी ने उस बात का स्वागत किया कि यह बहुत बढ़िया काम है। लेकिन जब दारू खोली तो अपने आफिस में बैठकर खोल दी। उस समय इन्होंने किसी से नहीं पूछा कि हम दारू खोलने जा रहे हैं और उससे 750 करोड़ रूपये का फायदा हुआ, इस तरह से कुल 1950 करोड़ रूपये की अतिरिक्त आमदनी हुई है जो पिछले सालों से 1350 करोड़ रूपये ज्यादा है। स्पीकर साहब, वह पैसा कहां जा रहा है? इस सरकार के कुछ साथी कांग्रेस वालों को यह कहा करते थे कि जब मरोगे तब पैसा क्या तुम्हारे साथ जायेगा परन्तु वह बात अब बदलती हुई दिखाई दी है। अब क्या इस सरकार के साथी मरेंगे तब क्या पैसा साथ ले जायेंगे? स्पीकर साहब, मैं जानना चाहता हूं कि जो जनता पर टैक्स लगाये हैं वह पैसा कहां जा रहा है और जनता को कोई सहूलियत नहीं दे रहें हैं। न कोई नहर निकाली गई है, न कोई नया माईनर बना रहे हैं, न बिजली का ही प्रबन्ध किया है, न सड़कों का, न गलियों का, न किसी स्कूल का, न कोई नया होस्पिटल बनवाया है। स्पीकर साहब, सम्मानित मंत्री महाजन साहब भी यहां पर बैठे होंगे उन्होंने पिछली बार इस सदन में यह कहा था कि बल्मबा गांव के अस्पताल की बिल्डिंग का काम जल्दी पूरा हो जायेगा लेकिन वह काम आज तक पूरा नहीं हुआ है। महाजन

साहब यह असलियत है, लोगों के साथ ऐसा भेदभाव नहीं होना चाहिये। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, पहले एक परम्परा हुआ करती थी कि एक साल में एक विधायक को 50 लाख रूपये अपने हल्के के विकास के लिए मिला करते थे, जो कि चौधरी बंसी लाल जी व मनी राम गोदारा जी की सरकार ने बंद कर दिए हैं। अब तो मैंबर को 4 आने भी नहीं दिये जाते हैं। उन रूपयों से मैंबर अपने हल्के में विकास के काम कर सकता था, चाहे वह किसी गांव में खर्च करवाता था, चौपाल बनाने का काम होता था, या किसी रास्ते का या सड़क बनाने का काम था। वह मैंबर उन पैसों को अपने घर तो ले नहीं जाता था। लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि जितना भेदभाव इस सरकार के समय में हुआ है, उतना आज तक कभी नहीं हुआ है। मैं ये बातें कहना तो सदन के नेता को चाहता था, लेकिन क्या करूं आपने मुझे ऐसे समय में बोलने का अवसर प्रदान किया है जब चौधरी साहब सदन में नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, इतना भेदभाव नहीं होना चाहिए, आखिर हम सभी को भगवान को जान देनी है। सदा किसी की नहीं रही है। केवल भगवान् का नाम ही सदा रहता है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से गुजारि ा है कि वे पहले की तरह से ही मैंबर को पैसे दिलवाएं। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं कहना चाहता हूं कि बिधल गांव जो गोहाना के पास है, उस गांव का एक अपना साथी बिजेन्द्र सिंह दिल्ली पुलिस में था और अपने गांव में उसको एक एकड़ का ग्राउंड कबड्डी खेलने के लिए दे रखा था तथा जब भी वह गांव में छुट्टी आता था तो गांव के लड़कों को खेल खिलाता

था। उसका बड़ा मान–सम्मान था लेकिन दुर्भाग्य से 16–9–98 को उसकी हत्या कर दी गई और उसके हत्यारे को आज तक गिरफतार नहीं किया गया है। उस में भाायद किसी मंत्री का भी हाथ है, नहीं तो आज तक उसका हत्यारा गिरफतार हो जाना चाहिए था। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात जल्दी से खत्म कर लूंगा। उसकी हत्या से पहले उन के गांव में बदमा ा आने लगे थे तो उस ने गांव वालो को इकट्ठा किया और कहा था कि गांव में बदमा ा नहीं आने चाहिएं। उसकी हत्या से पहले जब चौधरी बंसी लाल, मुख्यमंत्री 7–9–98 को सोनीपत गए तो इस बारे में उनके सामने भी दरख्वास्त दी गई और चौधरी बंसी लाल जी ने वह दरख्वास्त उपायुक्त को दी। 16–9–98 को उपायुक्त ने वह दरख्वास्त एस0एच0ओ0 और डी0एस0पी0 गोहाना को भेज दी लेकिन आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, हम तो सुनते थे कि ऐसे–ऐसे काम बिहार में सरेआम होते थे आज यहां पर भी दिन–दहाड़े लोगों की हत्याएं होती हैं और हत्यारों का कुछ नहीं होता है। लेकिन जो हरियाणा एक भाांतिप्रिय प्रदे ा हुआ करता था। यहां पर वातावरण बहुत अच्छा होता था। आज उस हरियाणा का यह हाल हो गया। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, उस के हत्यारे को आज तक पकड़ा नहीं गया है, जबकि इस संबंध में दरख्वास्त डी0सी0 व एस0पी0 को भी मुख्यमंत्री के माध्यम से गई हुई है, जिसका सबूत मेरे पास हैं, इसको मैं आपके पास भिजवा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदे ा में बहिन–बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है।

बदमा ा मारूति कारों में आते हैं और उनका अपहरण करके ले जाते हैं, न कोई गवाह होता है और न कोई सुनवाई होती है। ऐसा राज हम ने पिछले 30–35 सालों में कभी नहीं देखा है। स्पीकर साहब, यह तो वह बात है कि सारी रात जागते रहें और वहां पर न कोई कहने वाला न सुनने वाला होता है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि मेरे सामने मंत्री जी बैठे हुए हैं, मैं उनको बताना चाहता हूं कि कोई बदमा ा या कोई भी इन्सान, इन्सान को मारता है, बहिन–बेटियों को उठाकर के ले जाता है उनको रोकने वाला कोई भी नहीं होता। ऐसे हालात पैदा हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर हरियाणा प्रदे ा के अंदर इस गुण्डागर्दी को खत्म करना है तो आप ऐसी हरकत करने वाले दो आदमियों को गोली मरवा दें फिर आगे कोई भी ऐसी घटना नहीं होगी। (घंटी) स्पीकर साहब, मुझे तो ऐसा लगता है कि ऐसे कामों में आपकी सरकार के मंत्री भी भाामिल हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौ0 मनीराम गोदारा जी से, प्रो0 रामबिलास भार्मा जी से तथा चौ0 कंवल सिंह जी से अनुरोध करता हूं कि ये कम से कम वह 50 लाख रूपये वाली ग्राट तो दिलवा दें। इस सरकार को सत्ता में लाकर जनता ने ऐसा काम कर दिया कि ''बाशण में गुड़ डाल दिया, बाशण फूटैगा तभी गुड़ निकलेगा''। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं और बोलने में मुझ से कहीं कोई गलती हो गई तो उसके लिए मैं क्षमा मांगता हूं।

श्री बलवंत सिंह मायना (हसनगढ़): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए टाईम दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं तथा 28 तारीख को जो राज्यपाल महोदय ने अभिभाशण दिया उसके विरोध में मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, यह परम्परा चली आ रही है कि जब भी बजट सै ान आता है तो सरकार द्वारा जो भी आंकड़े राज्यपाल महोदय को दिये जाते हैं उनको राज्यपाल महोदय हाउस में पढ़ते हैं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर मेरे से पहले बहुत से सदस्य बोल चुके हैं और जो कुछ इस अभिभाशण में दिखाया गया है वह असलियत में उसका उल्टा है। क्योंकि हम जब भी अपने हल्के में जाकर अपने जिले के गांवों में जाकर देखते हैं कि वहां पर कोई गली पक्की कराई गई है, कोई पानी की सुविधा दी गई है या गांव के अंदर किसी स्कूल या होस्पिटल की सुविधा दी गई है लेकिन बलबीर सिंह पहलवान ने भी एक बात ठीक कही कि चौ0 बंसी लाल जी चुनाव से पहले जो भी बात कहते हैं उसे पूरा करते हैं लेकिन अब ऐसा नहीं हैं। चौ0 बंसी लाल जी ने एस0वाई0एल0 और गंगा का पानी हरियाणा प्रदे ा के किसानों को देने का वायदा किया था लेकिन अब उन्होंने अपना यह वायदा पूरा नहीं किया। अगर हरियाणा प्रदे ा के अंदर पानी आता तो हरियाणा प्रदे ा के किसान भी खु ाहाल हो जाते लेकिन आज तक वह पानी हरियाणा के किसानों को नहीं मिला है। अध्यक्ष महोदय, मैं भी किसान हूं और किसान होने के नाते मैं आपको एक बात यह कहना चाहता हूं कि हमारे एरिया में

ज्यादातर फसल गन्ने और गेहूं की होती है। मैं खुद बैलों से, ट्रेक्टर से गन्ना बिजता था उस समय मैं 60 एकड़ भूमि में गन्ने की फसल बोता था क्योंकि उस समय पानी मिलता था तथा उस समय गन्ने का भाव 1.50 रूपये क्विंटल था लेकिन फिर भी किसान गन्ना बोता था। अध्यक्ष महोदय, उस समय हमारे गांव में 10–15 कोल्हू चलते थे और भुगर मिल में गन्ने से चीनी बनाई जाती थी लेकिन आज मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि पानी की कमी की वजह से किसान गन्ना नहीं बोता। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप एक कमेटी बनाकर मेरे हल्के में भेजकर चैक करवा सकते हैं तब आपको पता लगेगा कि आज बहुत कम लोग गन्ना बीजते हैं। वहां पर भुगर मिल में आपको एक क्विंटल गन्ना भी नहीं मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार में ये हालात तो पानी के हैं। स्पीकर सर, पहले हमारे एरिया में झज्जर सब–ब्रांच से पानी जाता था उसके साथ–साथ एक और जवाहर लाल नेहरू कैनाल निकाली गई। मैं यह नहीं कहता कि भिवानी को पानी नहीं देना चाहिये था, पानी जरूर देना चाहिये जो नहरी पानी रोहतक जिले से होता हुआ महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी की तरफ जाता था उस पानी को नेहरू कैनाल में डालकर के उस एरिया में ले गये क्योंकि हमारे इलाके में उस नहर में मोरियों का कोई प्रावधान नहीं है। झज्जर सब–ब्रांच बेरी के पास आकर के बिल्कुल खत्म हो चुकी थी। अध्यक्ष महोदय, मैंने कई बार यह मामला प्रिवैन्सिज कमेटी में भी उठाया और मंत्री जी से भी मिला और वे कहते हैं कि इसकी खुदाई करवायेंगे और फिर

इसमें पानी देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना यह चाहता हूं कि हमारे उस एरिया में आज पानी बिल्कुल नहीं है और नीचे का पानी खारा है। जवाहर लाल नेहरू कैनाल का जो पानी आगे जाता है वह पानी हमारे हल्के को नहीं मिलता परन्तु उससे वहां सीपेज आ गई। सीपेज आने का कारण यह हुआ कि एक तरफ हम सूखे से मर गये और दूसरी तरफ उस नहर के साथ लगती हुई 10–10, 12–12 एकड़ जमीन में सीपेज आ गई। अध्यक्ष महोदय, 1991 में भी मैं डिच ड्रैन के लिये लड़ता रहा और वह मंजूर भी हुई तथा उसकी थोड़ी खुदाई भी कराई गई लेकिन मुझे बड़े दु:ख के साथ हाउस में कहना पड़ रहा है कि उस स्कीम पर सरकार का पैसा भी लगा और वह स्कीम नाकामयाब हुई है। नाकामयाब होने की वजह यह है कि जिन नहरों के साथ वह ड्रेन खोदी गई, जहां पर पुली आ गई वहीं बन्द कर दी गई जिससे पानी इकट्ठा हो गया और एक गांव को डुबो गया जैसे पीछे कन्हेली से चला तो सुनारिया में चला गया और आगे बन्द हो गया। अगला पानी चला तो वो बालन्द में पहुंच गया और बालन्द से आगे जाकर बन्द हो गया, उससे आगे वहां से चला तो वह रिटौली में जाकर उसके इलाकों को डुबो गया। सरकार को चाहिये था कि सरकार उसकी मुकम्मल तौर से खुदाई कराती। सरकार कोई नीति निर्धारित करती है तो सरकार का फर्ज बनता है कि जो पैसा जहां लगाया जाये उस काम की पूरी देख–रेख हो और उसे सही तरीके से लगाया जाये। अध्यक्ष महोदय, इसकी चाहे जो भी वजह, छोटी–छोटी बातों की वजह से या पाईप न दबाने

की वजह से हो या ड्रेन नं0 8 में उसका पानी न डालने की वजह से हमारे हल्के के काफी गांव उससे तबाह हो गये और बाकी इलाका पानी न मिलने की वजह से बर्बाद हो गया। अध्यक्ष महोदय, किसान की बिजाई की जो बात है, उस बारे श्री बलबीर सिंह जी एक बात कह रहे थे परन्तु वे पूरी बात नहीं कह सके। सरकार ने जो बाढ़ का पानी निकालने की नीति बनाई वह अच्छी स्कीम थी। मैं कह रहा था कि वह ड्रेन नहीं खोदी गई है। उस ड्रेन की थोड़ी खुदाई करवा करके अधूरी छोड़ दी गई। पता नहीं किसी जल्दबाजी की वजह से या फिर अधिकारियों के गुमराह करने की वजह से उस ड्रेन का लैवल सही तरीके से नहीं ले पाये। यह भी नहीं पता लगाया गया कि पानी का नैचुरल फलो कहां है अगर पानी के नैचुरल फलो के हिसाब से वह ड्रेन निकाली जाती तो वे गांव नहीं डूबते। स्पीकर साहब, मेरे हल्के के अन्दर इसमाइला गांव में कम से कम 500 एकड़ भूमि पानी न निकलने की वजह से बिना बिजाई के रह गयी, इसी तरह से समचाना में 300 एकड़, सांपला में 200 एकड़, सुनारिया में 200 एकड़, नयाबांस में 100 एकड़, चुलाना में 100 एकड़ और मोरखेड़ी में भी कुछ एकड़ जमीन ऐसी है, इसी प्रकार खिरावड़ में 300 एकड़, बालन्द में 200 एकड़, माईना में 125 एकड़, कारौर में 50 एकड़ भूमि बिना बिजाई के रह गई। इसी प्रकार से कलानौर हल्के में बहू गांव है और अध्यक्ष महोदय बहू–अकबरपुर के अन्दर तो कम से कम ढ़ाई हजार एकड़ एरिया है जो बिना बिजाई के रह गया और आपको याद होगा कि वह बहू गांव वालों ने ड्रेन की खुदाई

सही तरीके से न करने की वजह से लोगों ने रास्ता जाम किया था। यह इसका मेन कारण था। इस तरह से लोगों ने वहां पर रास्ता जाम किया आपके चीफ इंजीनियर वहां पर गये। उन्होंने इस बात को माना कि वाकई में पानी का बहाव जिधर होना चाहिए उधर से यह नहीं निकाला जा रहा है। स्पीकर साहब, सरकार का पैसा लगता है और वह पैसा लगने के बाद यदि किसान को उसका कोई लाभ नहीं मिलता तो उस पैसे को खर्च करने का क्या फायदा है। मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि उस ड्रेन का सही लैवल लेकर खुदाई कराई जाए ताकि उसका किसानों को पूरा लाभ मिल सके। स्पीकर साहब, जिस किसान की 6–6 फसलें न बोई गई हों और अन्न पैदा न हुआ हो तो उस किसान की क्या हालत होगी? किसानों के पास दूसरा कोई साधन है नहीं। किसानों के बेरोजगार लड़कों को नौकरियाँ मिल नहीं रही और खेत से पैदावार नहीं मिल रही तो आप सोचें कि उनका क्या हाल होगा और उनके दिलों पर क्या बीतती होगी? किसी का भात है, किसी को अपने बच्चों की भाादी करनी है। बिना पैदावार हुए उनको कर्जा लेना पड़ता है और वे कर्जे के नीचे दब जाते हैं। बैंक वाले भी कर्जा वापिस न करने पर उनको पकड़ कर ले जाते हैं। इसलिए स्पीकर साहब, किसानों की खराब हालत की देखते हुए इस सरकार को उनकी चिन्ता करनी चाहिए और उसका कोई न कोई समाधान करना चाहिए। आज सरकार को इस बात की चिन्ता होनी चाहिए कि किसान की क्या हालत है। किसानों की हालत को देखते हुए इस सरकार को चाहिए कि जितनी जमीन

में बाढ़ के पानी की मार है और उसकी स्पै ाल गिरदावरी करा करके उनको 10 हजार रूपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देना चाहिए। स्पीकर साहब, आज प्रदे ा में लॉ एंड आर्डर की हालत भी ठीक नहीं है। मेरे से पूर्व बोलने वाले साथियों ने भी बताया कि जब घर के अन्दर बच्चे को सारी सुख सुविधा नहीं मिलती है जैसे लड़का अपने बाप से कहता है कि मुझे मोटर साईकल लेकर दे दे तो बाप कहता है कि मेरे पास पैसे नहीं हैं तब वह लड़का उसके लिए छीनाझपटी करता है, कहीं डकैती का काम करता है कहीं मरडर करता है। स्पीकर साहब, मैं कहना चाहूंगा कि सारी की सारी जिम्मेदारी चाहे कोई भी सरकार हो उस सरकार का दायित्व हो जाता है कि उस सरकार के राज में प्रजा की हालत खराब न हो। स्पीकर साहब, ये खराब हालात, लूट–खसूट और मरडर होने का एक कारण यह भी है। स्पीकर साहब, खराब हालात तब होते हैं जब किसान चारों तरफ से मजबूर हो जाता है यहां पर भाुगर मिल्ज की बात आई। किसानों का गन्ना भाुगर मिल्ज में आना चाहिए था क्योंकि किसान सोचता है कि उसका गन्ना समय से पहले खेत से निकल जाए तो वह दो बीघे जमीन में गेहूं बो ले लेकिन भाुगर मिल गन्ना नहीं ले रहें हैं। हमारे रोहतक जिले में दो भाुगर मिल हैं। बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि एक तरफ सरकार कहती है कि हमने गन्ने के रेट 10 या 15 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ा दिए और दूसरी तरफ किसानों से 15–20 रूपए क्विंटल के हिसाब से वापिस लेने की बात करती है क्योंकि किसान मिल गेट पर गन्ना नहीं दे

पाता वह गन्ना मिल गेट पर इसलिए नहीं दे पाता क्योंकि उसके पास ट्रैक्टर नहीं है। गन्ना मिल गेट पर न देने के कारण ट्रक के लोडिंग व अनलोडिंग का जो खर्चा आता है वह किसान से वसूल किया जाता है। मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वह पैसा किसानों से वसूल न किया जाए। स्पीकर साहब, मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि किसानों को नहरी पानी पूरी मात्रा में नहीं मिलता है। मैं आपके माध्यम से सरकार को सुझाव देना चाहूंगा कि एस0वाई0एल0 कैनाल बनेगी जब बनेगी, लेकिन सरकार के पास जो पानी अवेलेबल है वह भी किसानों को सही ढंग से नहीं मिल रहा है क्योंकि जो वाटर कोर्सिज बनाए जाते हैं उसके अन्दर मसाला पूरी मात्रा में नहीं डाला जाता है जिसके कारण वे टूट जाते हैं और किसानों की पानी नहीं मिलता है। पहले नाले कच्चे खाले होते थे तो कहीं से पानी टूट जाता था तो वह उसे मिट्टी से भर लिया करते थे। अब पक्के खाल होने की वजह से ये नाले जगह–जगह से खराब हो चुके हैं जिनकी रिपेयर करना किसान के बस से बाहर की बात है। किसान लोग एम0आई0टी0सी0 के पास जाते हैं या सिंचाई विभाग के पास जाते हैं तो वे कहते हैं कि पहले आप 20–20 रूपए इकट्ठे कर लो उस 20–20 रूपये के बदले 40–40 रूपये सरकार डाल देगी। अध्यक्ष महोदय, इस तरह काम होने वाला नहीं है। लोग पैसा इकट्ठा करते हैं। कुछ लोग पैसा दे देते हैं कुछ देते नहीं। जो लोग आगे बढ़ कर काम करते हैं तो फिर कुछ लोग उन पर लछिन लगा देते है कि इतना पैसा खा गये। ऐसी सोसायटी बनने में दो–दो साल लग जाते हैं

लेकिन सरकार की तरफ से नाले पक्के नहीं हो पाते। इस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि ऐसे नाले पक्के करने का और उनकी रिपेयर का काम पूरा का पूरा सरकार को अपने हाथ में लेना चाहिए। यदि कोई किसान पक्के नाले को तोड़ कर अपनी फसल की बिजाई करता है तो सरकार को उस किसान के खिलाफ सख्त से सख्त एक ान लेना चाहिए लेकिन ऐसी रिपेयर का काम सरकार को स्वयं अपनी जिम्मेवारी पर करवाना चाहिए ताकि पानी किसानों के खेतों को मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, आज प्रदे ा में ि ाक्षा का बड़ा अभाव है। माननीय राम बिलास भार्मा जी बड़े काबिल मंत्री हैं। अब ये यहां पर बैठे हैं। आप गांवों में जाकर देखें, गांवों के स्कूलों की हालत बहुत खराब है। स्कूलों की छतें टूटी पड़ी हैं उनसे पानी टपकता रहता है। कोई इस तरफ ध्यान देने वाला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा कि गांवों के स्कूलों में कहीं पर तो पोस्ट नहीं है और कहीं पर यदि पोस्ट है तो वो खाली पड़ी हैं। गांवों के स्कूलों में कभी भी पूरे सब्जैक्ट्स के टीचर नहीं मिलते। इस बारे में सरकार को बड़ी गंभीरता से सोचना चाहिए। हरियाणा सरकार के पास अपना पूरा रिकार्ड है कि हमारे पास कितने स्कूल हैं और उनमें कितनी पोस्टें सैंक ान्ड हैं और कितनी खाली हैं, पता करायें और खाली पड़ी पोस्टों को तुरन्त भरने का प्रबन्ध करें। इससे एक तो बच्चों की नौकरी मिलेगी दूसरे स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए टीचर मिलेंगे।

स्कूलों में टीचर न होने के कारण बच्चे भी आवारों की तरह इधर–उधर घूमते रहते हैं। गांवों के स्कूलों में टीचर न होने के कारण गांव के किसान–मजदूर व गरीब लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के लिए भेजने की बजाय प्राईवेट स्कूलों में भेजते हैं। उनकी आर्थिक हालत भी ठीक नहीं होती जिस कारण वे प्राईवेट स्कूलों की फीस दे नहीं पाते। आपको पता है कि प्राइवेट स्कूलों में आज के दिन बहुत अधिक फीस ली जाती है जिस कारण वे फीस नहीं दे पाते। इस बारे में मेरी माननीय मंत्री जी से प्रार्थना है कि वे इस बारे में पूरा ध्यान केन्द्रित करके खाली पड़ी पोस्टों को भरें। यदि टीचर उपलब्ध नहीं हैं तो उनको ट्रेनिंग वगैरा देकर खाली पड़ी पोस्टों को तुरंत भरा जाये। ऐसा करने से जैसा कि मैंने पहले कहा कि एक तो बच्चों को रोजगार मिलेगा दूसरे बच्चों को उचित ि ाक्षा मिलेगी।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं लॉ एण्ड आर्डर की बात करना चाहूंगा। मेरे से पहले बोलने वाले मेरे माननीय सदस्यों ने इस बारे में जिक्र किया। उन्होंने बहादुरगढ़ की बात कही, रोहतक की बात कही और भााहबाद व यमुनानगर की और दूसरी जगहों की चर्चा की। लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति यह है कि आज हमारी कोई मां–बहन दिन में भी नि ि चंत होकर नहीं चल सकती क्योंकि कोई भी व्यक्ति आता है वह चाहे स्कूटर पर हो या साईकिल पर चाकू या रिवाल्वर आदि दिखाकर उसकी चेन गले से उतार ले जाता है या दूसरा सामान छीन करके ले जाता है। इसी से

संबंधित मैं अभी दो दिन पहले रोहतक की एक बात बताना चाहूंगा। एक व्यक्ति हाथ में सब्जी का थैला लिए हुए जा रहा था कि दो व्यक्ति स्कूटर पर आये और उसके हाथ से वह थैला छीन कर ले गए। उन लूटेरों ने तो यही समझा कि पता नहीं इस व्यक्ति के पास इस थैले में क्या होगा। (घंटी) स्पीकर सर, मैं अब ट्रांस्पोर्ट के बारे में बोलना चाहूंगा। आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बसों की हालत बहुत ही बुरी हो रही है। भाराब बन्दी की गई तो उसके बाद लोगों पर टैक्स लगाए गए और बसों के किराये भी बढ़ाए गए। हरियाणा प्रदे ा के अन्दर जो लोग रोजाना बसों में सफर करते हैं उनको हालत का पता है। हमें तो रोजाना बस से सफर करना पड़ता है इसलिए हमें पता है कि बसों की हालत क्या है। बसों का किराया तो बढ़ा दिया गया लेकिन जहां तक बसों में सुविधाएं देने की बात है इस तरफ सरकार का कोई ध्यान ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, किसी दिन आपको भिवानी से बस में आना पड़े तो आपको बसों की हालत का पता लग जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि रोहतक से जो बसें चलती हैं वे रास्ते में ही खराब हुई मिलती हैं कोई बस पानीपत आ कर खड़ी हो जाती है और कोई बस गोहाना में खड़ी हो जाती है। आज यह हालत प्रदे ा के अन्दर बसों की हो रही है। जनता पर टैक्स लगाए गए बसों का किराया भी बढ़ाया गया लेकिन पता नहीं वह सारा पैसा कहां जा रहा है। (विघ्न) आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बसों की स्थिति बहुत ही खराब है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही

मैं आपका ध्यान पीने के पानी की तरफ भी दिलाना चाहूंगा। चौधरी जगन नाथ जी बैठे हुए हैं मैं उनसे कहना चाहूंगा कि जब हम गांवों में जाते हैं तो वहां पर लोग बताते हैं कि पीने का स्वच्छ पानी उन्हें उपलब्ध नहीं हो रहा है। (विघ्न) मंत्री महोदय के नोटिस में यह बात लाना चाहूंगा कि लोगों को पीने के लिए गन्दा पानी मिल रहा है। थोड़ा बहुत पानी जो घण्टा आध घण्टा के लिए आता है, वह भी पूरा नहीं होता। धरती में पाईप दबे हुए हैं, किसी जगह से अगर पाईप टूटा हुआ है या फटा हुआ है तो उस जगह से पानी बाहर निकलना भ्रारू हो जाता है और जब पानी बन्द होता है तो वह गन्दा पानी वापिस पाईपों में चला जाता है और अगली बार जब 7–8 दिन बाद दोबारा पानी की सप्लाई की जाती है तो पाईपों में जमी हुई मिट्टी पानी में मिल जाती है जिससे वह गन्दा पानी मजबूर होकर लोगों को पीना पड़ रहा है। वह गन्दा पानी पीने के कारण वहां पर पीलिया की बीमारी फैल रही है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मायना साहब, क्या आपने पीलिया के केसों के बारे में हैल्थ मिनिस्टर को बताया है। क्या उनको कोई रिपोर्ट दी है कि किसको यह बीमारी हुई।

श्री बलवन्त सिंह मायनाः अध्यक्ष महोदय, बहुत अच्छी बात है, आपने मुझे याद दिला दी। हमारे विधायक चौधरी धीरपाल सिंह जी के लड़के को पीलिया हुआ था। सरकार के नोटिस में

लाने के लिए मैंने पिछले सै ान में भी यह मामला उठाया था लेकिन उसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्षः मायना साहब, आप अपनी बात को कन्कलूड करें। (विघ्न)

लोक स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): अध्यक्ष महोदय, ये पीने के पानी की बात करते हैं। ये हाउस में सै ान के दौरान तो बात करते हैं लेकिन उसके बाद ये कोई कोि ा ा नहीं करते। अध्यक्ष महोदय, हम यह मानते हैं कि हरियाणा में कहीं–कहीं पर और खासकर रोहतक जिले में कहीं–कहीं पानी की समस्या आ रही है। मैं इनकी जानकारी के लिए इनको बताना चाहूंगा कि इनके हल्के के बास गांव में वाटर वर्क्स है, करौया, का ोर और सुनारिया के अन्दर एक करोड़ रूपये से ज्यादा खर्च किये गये हैं लेकिन अफसोस की बात तो यह है कि ये लोग समय पर आवाज नहीं उठाते। अध्यक्ष महोदय, जिस हल्के से सर छोटू राम आया करते थे, चौ0 लहरी सिंह और चौ0 रणबीर सिंह जी आया करते थे, पण्डित भगवद दयाल भार्मा और चौ0 चांद राम जी आया करते थे जिनकी आवाज सारे दे ा में हुआ करती थी। चौधरी बलवन्त सिंह मायना जी उसी हल्के को रिप्रेजैंट कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री बलवन्त सिंह मायनाः स्पीकर साहब, मैं इनके बारे में कोई बात कहूंगा तो वह अच्छी बात नहीं होगी। मैं माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि मैं उस हल्के से आता हूं और

हर बार विधान सभा सै ान के दौरान मैंने अपनी आवाज भी उठाई है। हाउस में मैं कोई ऐसी वैसी बात कहूंगा तो अच्छा ही नहीं लगेगा और उसका कोई फायदा भी नहीं होगा। (विघ्न)

एक आवाजः कोई पर्सनल बात नहीं कहनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः मायना साहब, मंत्री जी तो यह बता रहे थे कि आपके हल्के में करोड़ों रूपये खर्च किए गए हैं (विघ्न एवं भाोर)।

श्री बलवन्त सिंह मायनाः अध्यक्ष महोदय, मैं इनके बारे में क्या बताऊँ कि ये कहां–कहां पर जाते हैं। ये सांपला में चप्पल छोड़कर आए थे। इससे ज्यादा मैं बताऊंगा तो ठीक नहीं होगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर कहीं पर कोई पत्थर लगता है तो मंत्री का ही लगता है किसी सरपंच का नहीं लगता है। जहां तक इन्होंने मेरी आवाज की बात कही है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि मेरी आवाज में दम है और हम उसको उठाते भी हैं। (घंटी) स्पीकर साहब, अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहूंगा कि आज हरियाणा में बिजली के क्या हालात है। जब भी खाने का समय होता है, या बच्चों के पढ़ने का समय होता है तो उस वक्त बिजली ही नहीं होती है। अगर होती भी है तो बहुत ही डिम होती है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बिजली के रेट तो कई बार बढ़ाए हैं लेकिन लोगों को बिजली फिर भी नहीं मिलती है। इसको देखकर हमें बहुत ही दुख होता है। आज किसानों के घरों के कनैक ान

काट दिये जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो बिजली के मीटर की रीडिंग लेने वाला होता है वह रीडिंग कभी नहीं लेने आता है। वह दफतर में बैठा–बैठा ही बिजली की रीडिंग लिख देता है अगर किसी की पिछले बिल में 200 की रीडिंग है तो उसको 500 कर देता है और अगर किसी की 500 है तो उसको 1000 कर देता है। जब उसके पास ठीक करवाने जाते हैं तो कहता है कि इतनी बिजली तो प्रयोग की ही होगी। इस तरह से किसानों के 1000–1000 और 1500–1500 रूपये के बिल आते हैं। मेरी आपसे यही प्रार्थना है कि मीटर रीडिंग वाला मौके पर जाकर रीडिंग ले ताकि किसानों को सही बिल जाए और उनका नुक्सान न हो। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री कृश्ण लाल (असंध अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे तीन साल में पहली बार मेरा नाम लेकर बोलने का मौका दिया इसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, 28 जनवरी को गवर्नर महोदय, ने जो अभिभाशण सदन में पढ़ा और उसको पढ़ने के बाद ऐसा मालूम हुआ कि इसमें किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों और दुकानदारों को लाभ पहुंचाने वाली कोई बात नहीं है। मैं इसके विरोध में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले मैं पावर के बारे में बात करना चाहता हूं। यह एक ऐसी चीज है जिसकी किसानों, मजदूरों को जरूरत पड़ती है। अध्यक्ष महोदय, भाजपा और हविपा सरकार ने

चुनाव से पहले अपने मैनिफैस्टो में घोशणा की थी कि हम हरियाणा में 24 घंटे बिजली देंगे। 24 घंटे में ट्रांसफार्मरज बदल देंगे, सभी कंडैक्टर बदल देंगे। आज जब 24 घंटे में ट्रांसफार्मरज नहीं बदले जाते हैं तो 24 घंटे बिजली क्या देंगे?

हरियाणा प्रदे ा की जनता ने इनके इस 24 घंटे के वायदे के चक्कर में आकर इनको सत्तासीन किया था। इसके बाद सरकार की तरफ से पूरे प्रदे ा में एडवरटाईजमैंट की जाती है कि हरियाणा प्रदे ा में बिजली का सुधारीकरण किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, बिजली के सुधारीकरण की जहां तक बात है इसके लिए पहले तो मैं कांग्रेस पार्टी को ही दोशी मानता हूं क्योंकि 1993 में चौधरी भजन लाल जी ने एक अमेरिकन कम्पनी को दो करोड़ रूपये देकर बिजली बोर्ड के बारे में एक रिपोर्ट तैयार करवायी थी जिसमें बिजली बोर्ड का निजीकरण करने की बात थी। उस समय मैं भी और आप भी अपोजी ान में बैठा करते थे तब हमने उनकी इस कार्यवाही का यहां पर विरोध किया था। लेकिन इस सरकार के आने के बाद भी बिजली के सुधारीकरण के नाम पर बिजली बोर्ड का निजीकरण किया गया है। सरकार कहती है कि 30 जून के बाद वह 24 घंटे बिजली देगी लेकिन इस अभिभाशण के पढ़ने से और मुख्यमंत्री जी के बयान से यह लगता है कि 24 घंटे बिजली मिलने की संभावना बहुत कम है क्योंकि पावर मिनिस्टर साहब का इस बारे में जो बयान आता है उसमें वे कहते हैं कि हम 24 घंटे बिजली देंगे ब ार्ते हरियाणा विद्युत

प्रसारण निगम के कर्मचारी ठीक ढंग से काम करें। इनका यह बयान समाचार पत्रों में भी छपा है।

बिजली राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): अध्यक्ष महोदय, हमने ब ार्ते कभी नहीं कहा। हमने कहा है कि 30 जून के बाद 24 घंटे बिजली देंगे।

श्री कृश्ण लाल: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय का अखबारों में बयान आया था कि अगर कर्मचारी ठीक ढंग से काम करेंगे तो हम 24 घंटे बिजली देंगे अन्यथा अगर वे ठीक तरह से काम नहीं करेंगे तो हम दूसरी एजेंसी से काम करवाकर 24 घंटे बिजली देंगे। जैसा चौ0 बीरेन्द्र जी ने बताया कि वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड़ रूपया लेने के लिये सरकार ऐसी बात कर रही है। इस लोन को लेने के लिये टर्न बाई टर्न बिजली के रेट्स तो जरूर बढ़ेंगे। यह उस लोन की एक हजार करोड़ रूपये की कि त लेना चाहते हैं इसलिये ये इस तरह की बातें कर रहे हैं। इसके अलावा सरकार यह भी आरोप लगाती है कि पिछली किसी भी सरकार ने बिजली का प्रोडक ान बढ़ाने के लिए कोई कोि ा ा नहीं की लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि पानीपत थर्मल प्लांट की पांचवीं यूनिट का काम 1987 में ही भ्रारू किया गया था और 1990 में इसने प्रोडक ान देना भ्रारू कर दिया था। इसके लिये तब वहां के कर्मचारियों को इंसैटिव भी मिला था। यह रिकार्ड की बात है। इसी तरह से उस प्लांट की छठी यूनिट जो 210 मैगावाट की है, के लिए तब के मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल जी

ने 157.6 करोड़ रूपये के वर्क आर्डर किए थे जिसमें से करीब 80 करोड़ रूपये का सामान भी आ गया था। मैंने पिछले सै ान में इस बारे में हाउस में मुख्यमंत्री जी से पूछा था तो उन्होंने भी माना था कि देवीलाल जी के राज में 70 या 80 करोड़ रूपये का सामान आया था और उस समय इस यूनिट की पायलिंग का 100 परसैंट काम भ्रु हो चुका था। लेकिन 1991 में भजनलाल जी की सरकार आयी तो उसने उस सामान को हाथ नहीं लगाया वह सामान ऐसे ही पड़ा रहा। उस समय बी0एच0ई0एल0 के अधिकारियों ने बार–बार सरकार को और बिजली बोर्ड के चेयरमैन को लिखकर कहा कि आप यह सामान उठवा लें। सर, उस समय केवल दो करोड़ रूपये उनको देने की जरूरत थी लेकिन उस समय की सरकार ने दो करोड़ रूपये नहीं दिए। इसके बाद में हविपा और भाजपा की इस सरकार ने आठ साल बाद वहां काम भ्रु किया है लेकिन अभी भी उस यूनिट का काम कम्पलीट होने में कम से कम तीन साल और लग जाएंगे फिर ये कैसे कहते हैं कि हम 24 घंटे बिजली देंगे? इसके अलावा वहां 110–110 मैगावाट की चार यूनिट भी हैं। सरकार कहती है कि पानीपत थर्मल प्लांट से 270 यूनिट ऐडी ानल बिजली का प्रोडक ान लेने के लिये कार्य किया जा रहा हैं। सर, 110 मैगावाट के प्लांट की कैपेसिटी बढ़ाकर 118 करने जा रहे हैं यानी केवल आठ मैगावाट बिजली का प्रोडक ान बढ़ाने के लिये सरकार अमरीका की ए0बी0बी0 कम्पनी से काम करवाना चाहती है। अब 21 जनवरी को उस प्लांट की दूसरी यूनिट को इन्होंने केवल ट्राई के लिए बंद

किया है पता नहीं ये उसमें सफल भी होंगे या नहीं यह अलग बात है क्योंकि वहां पर जैनरेटर, वायलर एवं टरबाईन आदि सभी इंस्टुमैन्ट्रस चेंज करने पड़ेंगे इसलिये ये उस पैसे को ऐसे ही खर्च करना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, इतने पैसे में तो चालीस–पैंतालीस मैगावाट का नया प्लांट ही लग सकता है। अध्यक्ष महोदय, इनकी तो नीयत ही खराब लगती है क्योंकि ये ए0बी0बी0 कम्पनी के नाम पर कभी बी0एच0ई0एल0 को ठेका देते हैं कभी कुछ और करते हैं। (विघ्न) जब आप इससे प्रोडक ान लेना भाुरू कर दोगे तब हम आपको बता देंगे। अभी तो आप बातें ही कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से सरकार पानीपत रिफाइनरी से 301 मैगावाट का एक दूसरा प्लांट लगाने की भी बात कर रही है। स्पीकर साहब, यह रिफाइनरी मेरे हल्के में है इसलिये मुझे इस बारे में पता है। उस प्लांट के लिए आज तक पानी का टैस्ट भी नहीं हुआ। जब कोई प्रोजैक्ट लगता है तो उसका वाटर लेवल का सैम्पल लिया जाता है कि यहां म ीनरी लगाई जा सकती है या नहीं, टर्बाइन आ सकती है या नहीं, जनरेटर आ सकता है या नहीं लेकिन वहां पर आज तक सैम्पल नहीं लिया गया है और ये 301 मैगावाट बिजली की बात कर रहे हैं कि हम अगले 18 महीनों में 1200 मैगावाट अतिरिक्त बिजली दे देंगे तो मेरी समझ में नहीं आता कि कहां से देंगे। इनके द्वारा जो प्रचार किया जा रहा है वह गलत है। आज किसानों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। स्पीकर साहब, मेरे से पूर्व बोलने वाले वक्ताओं ने भी इस बारे में कहा है कि जिन किसानों

के ट्रांसफार्मर जल जाते हैं उनको ट्रांसफार्मर लेने के लिए महीने भर चक्कर काटने पड़ते हैं और यह भी होता है कि जैसे 10 में से 9 किसानों ने बिल भर दिया और वे ट्रांसफार्मर को बदलवाने के लिए आते हैं तो उनसे यह कहा जाता है कि जब दसवां आदमी बिल जमा करा देगा तब आपको ट्रांसफार्मर दिया जाएगा और उनसे एन0ओ0सी0 लाने के लिए कहा जाता है। फूड एण्ड सप्लाईज मिनिस्टर यहां बैठे हैं ये वहां ग्रीवैंसिज कमेटी की मीटिंग में जाते हैं इनके सामने हमने एक्सीयन से कहा तो एक्सीयन ने कहा कि हम कोि ा ा यह करते हैं कि कम्पलीट बिल भरे जायें इसलिये ट्रांसफार्मर देने में देरी करते हैं और हमारी कोि ा ा होती है कि वे बिल भर दें अगर नहीं भरते तो मजबूरी में देना पड़ता है। जबकि सरकार की तरफ से ऐसे कोई आदे ा नहीं हैं कि सैन्ट परसैंट बिल भरे जाने के बाद ट्रांसफार्मर दिया जाए। एक आदमी के बिल न भरने से कई किसानों को उसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, जब किसान की फसल तैयार होती है, यदि उस समय उसे ट्रांसफार्मर नहीं मिलेगा तो उसकी क्या हालत होगी। आज हरियाणा प्रदे ा के अंदर 76142 पंजीकरण टैस्ट रिपोर्ट हैं उन में से एक को भी कनैक ान रिलीज नहीं किया गया है। सैल्फ फाइनैंस स्कीम के तहत किसानों ने 6–6, 8–8 हजार रूपये जमा करा रखे हैं उन किसानों को भी कनैक ान नहीं मिले यह किसकी लापरवाही है यह सरकार की लापरवाही है। इसके साथ–साथ मुख्यमंत्री जी का बयान आया था कि जो बिजली कर्मचारी बिजली के गलत बिल

भेजेंगे उनको सजा दी जाएगी लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है। आज अधिकारियों ने बिजली कर्मचारियों को निर्दे ा दे रखे हैं कि उपभोक्ता अपने बिल को दो कि तों में जमा कर दें तो ब्याज माफ कर दिया जाएगा जैसे किसी का बिल 8 हजार रूपये का है और पहली कि त 4 हजार रूपये वह जमा कर देता है और अगले महीने किसी कारणव ा वह 4 हजार रूपये की दूसरी कि त जमा नहीं करा पाता है तो पिछली कि त भी मिलाकर उसके पास बिल भेज दिया जाता है और उसका गलत बिल आ जाता है और जब किसान उसे ठीक कराने के लिए बिजली के दफतर में जाता है तो वहां लम्बी लाइनें लगी होती हैं वहां उसे बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है तथा उस पर फाइन भी लगाया जाता है यह बहुत ही गलत बात है इससे आम जनता पर और किसान पर बहुत बोझ पड़ता है। एक और बात जो कि बहुत महत्वपूर्ण है वह मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम ने चाइना से मीटर मंगाए हैं वे मीटर बहुत स्पीड से चलते हैं इस बारे में मेरा कहना यह है कि किसी कोठी या मकान में अपने यहां के आई0एस0आई0 मार्क मीटर व चाइना मीटर दोनों साथ–साथ लगा दिए जाएं और उनसे कंटीन्यू सप्लाई ली जाए तो पता चल जाएगा कि कौन सा मीटर कितनी रीडिंग निकालता है। ज्यादा मुनाफे के लिए मीटर की स्पीड बढ़ाकर लगाए जा रहे हैं। इस प्रकार अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में बिजली की बहुत बुरी हालत है और इसमें सुधार लाने की जरूरत है। यदि लोगों को बिजली बोर्ड के

कर्मचारियों व सरकार की तरफ से ठीक प्रकार से सहूलियत नहीं दी जाएगी तो किसान अपनी फसल को कैसे आगे बढ़ा पाएगा।

अब मैं सहकारिता के बारे में कहना चाहूंगा। मुख्यमंत्री जी का बयान आया था कि मेरी सरकार आने के बाद किसी भी किसान को कर्ज वसूली के लिए जेल में नहीं भेजा जाएगा या उसके खिलाफ वारण्ट इ ा नहीं किए जाएंगे लेकिन सोनीपत के अंदर एक किसान को वर्शा की वजह से फसल बर्बाद होने की वजह से कर्ज ने लौटा पाने पर जेल जाना पड़ा है। सरकार को चाहिए कि इस प्रकार के किसानों का ब्याज माफ करना चाहिए और उनके खिलाफ वारण्ट इ ा नहीं किए जाने चाहिएं।

श्री अतर सिंह सैनीः कृश्ण लाल जी, क्या आप उस किसान का नाम पता लाकर दे सकते हैं?

श्री कृश्ण लालः उनके नाम मैं अगले सोमवार को लाकर दे सकता हूँ। इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पानीपत में जो भ्ागर मिल है उसके साथ डिस्टिलरी भी है सरकार की तरफ से जब भाराबबंदी की बात आई तो वह डिस्टिलरी भी बंद होनी थी उसमें 209 कर्मचारी कार्यरत थे जिन्हैं हटाया गया था बाद में डिस्टिलरी भ्ारू होने पर 32 कर्मचारियों को दोबारा सर्विस पर रखा है बाकी के कर्मचारी अभी बेकार घूम रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि उनको भी सर्विस दी जाये। क्योंकि कुल 209 कर्मचारी थे उनमें से

केवल 32 को सर्विस दी गई है यह ठीक नहीं है। दूसरी एक और बात मैं कोआप्रेटिव विभाग के मुतलक कहना चाहता हूं। जब किसानों के एम0सी0एस0 बनते हैं उनके लिए उनको बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है कभी डायरेक्टर के पास जाना पड़ता है कभी किसी के पास जाना पड़ता है। सरकार की तरफ से कोई सरल नीति होनी चाहिये ताकि आम किसान को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। जैसा कि दूसरे साथियों ने भी चर्चा की कि हरियाणा प्रदे ा में रोड्ज की हालत बहुत खराब है। चाहे वह नै ानल हाई–वे हो या स्टेट हाई–वे हो। सब रोड़ टूटे हुये हैं। खासकर विपक्ष के सदस्यों के हल्के के रोड़ज का तो बहुत बुरा हाल है। आज से 8–10 महीने पहले सरकार की नीति के तहत एक स्टेट लेवल का सरकारी सर्कुलर निकला था जिसमें सत्ता पक्ष के सदस्यों के हल्कों से रोड़ज का दो करोड़ का एस्टिमेट मांगा गया था जो कि एक रिकार्ड की बात है।

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा में टूटी हुई सड़कों के बारे में सर्कल लेवल पर रिपोर्ट मांगी होगी इसमें तो सत्ता पक्ष व विपक्ष की कोई बात नहीं है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने पानीपत में एक्सियन के आफिस से इस बात की जानकारी प्राप्त की थी उसमें ऐसा ही था। सत्ता पक्ष के साथियों के हल्कों की रिपोर्ट मांगी थी वह पैसा कहां गया मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं? विपक्ष के किसी भी सदस्य से इस बारे में नहीं पूछा गया (विघ्न)

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, सब डिवीजन लेवल पर सारे स्टेट से रिपोर्ट मांगी गई होगी सब सदस्यों से पूछने की इसमें क्या बात है?

श्री कृश्ण लालः किसी भी विपक्षी साथी से पूछ लो जिसके हल्के से ऐसा एस्टिमेट मांगा हो।

श्री अध्यक्षः यह आपने किससे पूछा है?

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने एक्सियन पानीपत के कार्यालय से पूछा था।

श्री अध्यक्षः आप एम0एल0ए0 हैं आपको मंत्री जी से पूछना चाहिये था।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के पास कभी नहीं जाया करता हूं। स्पीकर साहब यह तो पालिसी की बात है।

श्री अध्यक्षः जब कोई पब्लिक इंट्रस्ट की बात हो तो एम0एल0ए0 को मंत्री के पास भी जाना चाहिये।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर सर, पालिसी की बात तो सभी हल्कों के लिए बराबर होनी चाहिये।

श्री जसवन्त सिंह (नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, ये माननीय सदस्य सरकार पर आरोप लगा रहे हैं

कि सत्ता पक्ष के सदस्यों के हल्कों में दो करोड़ रूपये का एस्टिमेट मंगवाया है। यह बिल्कुल गलत बात है। सरकार ने सारे हरियाणा के रोड़ज के बारे में एक सर्वे करवाया था कि कितने रोड्ज टूटे हुये हैं चाहे वे स्टेट हाई–वे हों या नै ानल हाई–वे हों जिनकी रिपेयर होनी चाहिये। इसमें हल्के वाईज की कोई बात नहीं है। एस0ई0 सर्कल वाईज एस्टिमेट मंगवाये गये थे।

श्री अध्यक्षः कृश्ण लाल जी अब आप अपनी स्पीच कंक्लूड कीजिये।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में गांव, बल्ला और सागौन दो बड़े गांव हैं जिनके रोड़ज बिलकुल टूटे हुये हैं। पानीपत भ्ागर मिल के एम0डी0 ने पानीपत के एस0डी0ओ0 को लिखा कि करनाल से गन्ना लाने के लिये रास्ते बन्द हो जाते हैं उनको तुरन्त ठीक किया जाये वरना किसानों को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा परन्तु अभी तक इन रोड़ज की हालत खराब है। इसके अलावा मैं ि ाक्षा विभाग के बारे में कुछेक बातें कहना चाहता हूं। मैं पिछली सरकार के समय पांच साल तक और इस सरकार के समय पिछले तीन सालों से आवाज उठाता रहा हूं तथा इस हाउस के अन्दर माननीय ि ाक्षा मंत्री जी ने आ वासन भी दिया था कि मतलौडा में जो स्कूल है उसको गर्ल्ज सीनियर सैकेंडरी स्कूल के रूप में अपग्रेड किया जायेगा क्यौंकि मतलौडा के 20 किलोमीटर के एरिया में कोई भी गर्ल्ज सीनियर सैकेंडरी स्कूल नहीं है परन्तु मंत्री जी के आ वासन के बावजूद

भी उस स्कूल को आज तक अपग्रेड नहीं किया गया है। मेरा ि ाक्षा मंत्री महोदय से अनुरोध है कि उस स्कूल को अपग्रेड किया जाये। दूसरा असन्ध में कोई भी दस जमा दो का गर्ल्ज के लिये कोई स्कूल नहीं है वहां पर केवल एक प्राईवेट गर्ल्ज सीनियर सैकेंडरी स्कूल चल रहा है। इसलिये सब–डिवीजन लैवल पर कोई सरकारी स्कूल, कॉलेज व आई0टी0आई0 इत्यादि तो जरूर होनी चाहिए। यह मुख्य विचारणीय बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सहकारिता मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि 1991 में जब चौधरी हुकम सिंह, मुख्यमंत्री होते थे तो गांव फफड़ाना में एक भाुगर मिल स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन था, उसके लिये जमीन वगैरह भी एक्वायर कर ली गई थी। इसके लिये बोर्ड भी बना दिया गया था। पिछले 5 सालों में जब आप भी विरोधी पक्ष में बैठा करते थे तो हम ने बार–बार इस सम्बन्ध में सदन में सवाल किये थे। इसकी रजिस्ट्रे ान के लिए भारत सरकार को भी केस भेजा गया था लेकिन उन्होंने इस बारे में इनकार कर दिया। इस सरकार के द्वारा भी इन्कार कर दिया गया कि फफड़ाना में भाुगर मिल लगाने का कोई प्रावधान नहीं हो सकता है।

अध्यक्ष महोदय, असंध, जींद से 45 किलोमीटर, कुरूक्षेत्र से 45 किलोमीटर, पानीपत से 45 किलोमीटर और करनाल से भी 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा किसानों को असंध से अपना गन्ना इतनी दूरी पर ले जाने में बहुत मुि कलें आती हैं।

इसलिए मेरा अनुरोध है कि असंध के अंदर एक भुगर मिल लगाया जाए ताकि वहां के किसानों की समस्याएं दूर हो सकें। वहां पर एक भुगर मिल अच्छी तरह से सफल हो जाएगा। मेरी मुख्यमंत्री जी से गुजारि ा है कि इस केस को रि–कंसीडर करें। अध्यक्ष महोदय, एक बात मेरे से पहले बोलने वाले वक्ताओं ने भी कही और मै भी कहना बनाए जा रहे है, उन में काफी त्रटियां व खामियां है। गणे ी लाल जी जो खाद्य एवं अपूर्ति मंत्री है, जब पानीपत आए थे तो उनको भी दरख्वास्त दी गई थी कि ये जो गरीबी रेखा के रा ान कार्ड बनाए जा रहे है, ये ठीक तरीके से नही बन रहे है, तथा उसमे प्रार्थना की गई थी कि सरकार पर दबाव डालकर इनको इस तरीके से ही बनाया जाना चाहिए कि वास्तव में ही गरीबी रेखा के नीचे अपना जीवन बसर करने वाले लोगों को ही इस स्कीम का लाभ मिले। स्पीकर साहब, यह समस्या पूरे प्रदे ा की है न कि अकेले पानीपत की है इसके साथ–साथ में कृशि विभाग के बारे मे कुछ कहना चाहता हूं। जैसे कि माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह जी ने कहा उसी प्रकार से असंध हल्के के अन्दर भी 1993 और 1995 में लगातार बाढ़ आई थी तथा उससे सारे इलाके को भारी नुक्सान हुआ था लेकिन किसानो को उनकी फसलो के नुक्सान की मुआवजा रा ि ा आज तक नही मिली है। मैं सिचाई राज्य मंत्री जी श्री हर्श कुमार का धन्यवाद करूंगा कि पिछले साल उन्होने मेरे हल्के के तीन ऐसे गांवो का दौरा किया था जहां 2–2 फुट पानी खड़ा था तथा फसल बर्बाद हो गई थी। उन्होंने वहां जाने के बाद कार्यवाही भी

की थी। लेकिन ऊंटला, खदन, बालजटान, लुहारी, गरसीना जैसे गांवों में पिछले तीन वर्शों से कोई फसल नही हुई है, इसके बावजूद भी किसानों को मुआवजा रा ि ा मिलनी चाहिए। स्पीकर साहब आपने मुझ बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। आदरणीय महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण इस सदन में पढ़ा, मै उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरे से पहले सभी माननीय साथियों ने अपने–अपने हल्कों से सम्बन्धित बातें इस सदन के सम्मुख रखीं। लेकिन मैं सबसे पहले बिजली के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि जो विपक्ष के मेरे माननीय साथी कह कहे थे कि बिजली की प्रदे ा के अन्दर कमी है, हरियाणा के अन्दर कहीं भी, किसी गांव में 6 घंटे, 10 घंटे कही 5 घंटे बिजली आ रही है? अध्यक्ष महोदय, मै इनसे पूछना चाहूंगा कि आज जो बिजली की यह हालत है, यह देन किस की है? अध्यक्ष महोदय, आज तक प्रदे ा के अन्दर बिजली का कोई भी प्लांट नहीं लगा लेकिन पहली बार हमारे फरीदाबाद जिले के अन्दर मझेडी गांव में बिजली का कोई प्लांट लगाया जा रहा। अध्यक्ष महोदय, हम एक जुलाई, 1999 तक हरियाणा प्रदे ा की बिजली की समस्या को खत्म कर देंगे। हमारे मुख्यमंत्री महोदय, ने कहा है कि आने वाले समय में पूरे हरियाणा

प्रदे ा को 24 घंटे बिजली मिलेगी और यह सही भी है कि आने वाले कुछ समय में हरियाणा के हर गांव में बिजली 24 घंटे मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से विपक्ष के भाईयों को कहना चाहता हूं कि जो अच्छा काम हमारी सरकार ने किया है उसको स्वीकार करने में उनको कोई एतराज नहीं होना चाहिए हूं कि जो अच्छा काम हमारी सरकार का धन्यवाद भी करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाईयों ने यहां हाउस में खड़े होकर कहा कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बिजली की बहुत कमी है, हमारी सरकार हरियाणा की जनता की इस मांग को जल्दी ही पूरा करने जा रही है इसलिये मैं विपक्ष के भाईयों को यह कह रहा हूं कि हमारी सरकार का इस अच्छे काम के लिये वे धन्यवाद इसलिये मैं विपक्ष के भाईयों को यह कह रहा हूं कि हमारी सरकार का इस अच्छे काम के लिये वे धन्यवाद करें। मैं अपने विपक्ष के भाईयो को कहना हूं कि बिजली में और सुधार कैसे किया जा सकता है वे इस बारे में हमें अपना सुझाव भी दें अगर उनका सुझाव अच्छा होगा तो हम जरूर मानेंगे।

अध्यक्ष महोदय, में इस हाउस में एक बात और कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा में पिछले कई सालों से सड़कों की हालत बहुत खराब है लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपको मालूम है कि जब पहले चौ0 बंसी लाल जो हरियाणा के मुख्य मंत्री बने थे उस समय इन्हौंने ही ये सड़के बनवाई थी। उसके बाद हरियाणा में कई सरकारें आई लेकिन उन सरकारों ने इन सड़को की मरम्मत

नही करवाई लेकिन अब फिर हरियाणा की सभी सड़को को बनाया जायेगा, कोई भी सड़कों की तरफ ध्यान दिया है और आने वाले गांव समय में हरियाणा की सभी सड़को को बनाया जायेगा, कोई भी सड़क टूटी हुई नहीं होगी। मैं अपने विपक्ष के भाईयों को एक बात और कहना चाहूंगा कि जब पिछले सै ान में मैं यहां बोल रहा है। अध्यक्ष महोदय, में विपक्ष के भाई बड़े खु ा हो रहे थे और आज भी मैरे बोलने के लिए बहुत कम समय दिया था लेकिन इस बार आप मुझे ज्यादा समय दें क्योंकि जो सही बातें है वे में पूरी कह सकूं। मै अपने विपक्ष के भाइयों से एक बात और कहना चाहता हूं कि जो बात सही हो उनकी सही कहने में पीछे नही हटना चाहिए जो सची बात होती है वह किसी से छिपाये नही छिपती। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथियों ने बिजली, सड़क और पानी की बात की है मै इन बातों को मानता हूं लेकिन जो हमारी सरकार अच्छे काम करने जा रही है उसके लिए मै अपने विपक्ष के साथियों को कहना चाहूंगा कि उस काम की ये सराहना करे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाइयों ने यहां हाउस में अपने हल्के की बाते की और कहना भी चाहिए क्योंकि हम सब लोगा जनता के द्वारा चुनकर उनकी बातें सरकार तक पहुंचाने के लिए ही यहां आते है। अध्यक्ष महोदय, मैने अपने हल्के की बात मुख्य मंत्री की बात मुख्यमंत्री जी के सामने की थी। मैने विधान सभा के पिछले सै ान में अपने हल्के से सबन्धित कई समस्याएं रखी थी उस समय मेरे विपक्ष के साथ काफी खु ा हो रहे थे और आज भी जब मैं अपने हल्के फरीदाबाद की जो बातें यहां

कहने जा रहा हूं, सड़को का बुरा हाल है लेकिन पिछले सरकारें कोई भी काम नही करा पाई। अध्यक्ष महोदय, बाटा फैक्टरी का पुल जिसे पिछली सरकारें पूरा करने के लिये कहती रही लेकिन वह पूरा नही कर पाई। अध्यक्ष महोदय, मैं तो उस क्षेत्र से पहली बार विधायक चुनकर आया हूं लेकिन पिछली सरकारों में जो नुमादंइें वहां से चुनकर आते रहे और वह केबल कागजों में कहने के लिये बाटा का पुल था। अध्यक्ष महोदय, मै हाउस के सामने मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं और आभारी भी हूं कि उन्होंने इस बाटा के पुल का काम भाुरू कराया। मै खुद, भाई कर्ण सिंह दलाल और कृश्ण पाल जी उस पुल के काम का उद्घाटन कर के आये है। अध्यक्ष महोदय, यह बाटा वाला पुल डेढ़ साल के अन्दर चार लेन बनकर तैयार हो जायेगा। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के अपने साथियों को बताना चाहूंगा कि जहां एक तरफ मुख्य मंत्री जी के आदे ाानुसार इस पुल का निर्माण कार्य 24 घण्टे चल रहा है और हर हाल में डेढ़ साल में पुल के निर्माण का काम पूरा हो जायेगा जिससे कि फरीदाबाद की जनता को पूरा फायदा मिलेगा। दूसरी तरफ हमारे क्षेत्र में जो पानी की समस्या है और पिछले सरकारों में फरीदाबाद क्षेत्र की नुमाईद कैबिनेट मंत्री होने के बावजूद भी इसकी ओर कोई ध्यान नहीं दे पाये। उस काम के लिये मुख्यमंत्री जी ने 40 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी और रेनेवैल योजना के तहत डबुवा कालौनी में टयूववैल बगौरा लगने जा रहे है और आने

वाले समय में हमारे फरीदाबाद में पानी की समस्या दूर हो जायेगी। स्पीकर साहब हमारे क्षेत्र में पानी की समस्या इतनी भारी है और मुझे याद है कि जब मै विधायक बनकर नहीं आया था तो उससे पहले हम नगर परिशद् के बाहर बैठकर धरने देते थे तथा वहां की महिलायें भी धरने पर जती थी लेकिन पिछली सरकार में हमारी कोई सुनवाई नही हुई।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the House be exended upto 9.00 P.M.

Voices: Yes

Mr. Speaker: Time is extended upto 9.00 P.M. Yes Mr. Bhatia. conclude within five minutes.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री चन्द्र भाटिया: अध्यक्ष्य महोदय, पिछली बार के सै ान में जब मै बोलने के लिए खड़ा हुआ था तो मुझे बिठा दिया गया था और मैं अपनी बात पूरी नही कह सका था। इसलिये अब मुझे पूरा समय दिया जाये ताकि मेरे हल्के में जो काम कराये गये है उनके बारे मे मैं अपनी बात पूरी तरह से बता संकू।

अध्यक्ष महोदय, बाटा वाले पुल की बात मैने बता दी। इसी तरह से फरीदाबाद में रेनोवैल की योजना पूरी होने के बाद फरीदाबाद को पीने का पानी पूरी मात्रा में मिलेगा वहां पर एक

बूंद पानी की भी कमी नहीं रहेगी। अध्यक्ष महोदय, जहां तक रेनोवैल योजना की बात है मेरे क्षेत्र के अन्दर कालोनियों के अन्दर जगह–जगह ट्यूबवैल लगाए जा रहे है। इन गार्मियों में वहां पर पनी के पानी की थोड़ी बहुत कमी रह सकती है लेकिन इस रेनोवैल योजना के बाद फरीदाबाद के हर व्यक्ति से जुड़ा हुआ है चाहे कोई व्यापारी है, चाहे कोई मजदूर है और चाहे कोई भी भाई है फरीदाबाद में रहने वाले हर व्यक्ति के साथ यह मुद्दा जुड़ा हुआ है और मुद्दा है हाउस टैक्स बढ़ाया जा रहा है। अखबारों में यह चर्चा आती रही है कि फरीदाबाद में हाउस टैक्स 10 गुणा लगेगा। अध्यक्ष महोदय, जब अखबारों में हाउस टैक्स का मामला आया तो फरीदाबाद के लोग नगर निगम के अधिकारियों के पास जाने भाुरू हुए। लोगों को यह लगा कि हाउस टैक्स 10 गुण बढ़ाया जा रहा है। हम भी इस बात से बड़े चिन्तित हुए कि हाउस टैक्स 10 गुणा बढ़ जाएगा जिसको फरीदाबाद के लोगह नही दें सकते। इस बात को लेकर फरीदाबाद के व्यापारियों ने, कालोनियों के लोगों ने छोटी मोटी धार्मिक संस्थाओं के लोगों ने आपस में बैठ कर मीटिंग करनी भाुरू कर दी। मैने, कृश्ण पाल गुज्जर और आनन्द कुमार भार्मा ने भी इस बारे में मीटिंग की कि फरीदाबाद के लोगों पर 10 गुणा हाउस टैक्स लगाया जा रहा है जिसे फरीदाबाद की जनता नहीं दे सकती। इसके अलावा हमारे विरोधी पक्ष के भाईयों ने और कांग्रेस पार्टी के लोगों ने भी इसका विरोध करना भाुरू कर दिया और कहने लगे कि यह हाउस टैक्स इस सरकार ने लगाया है फरीदाबाद की जनता यह हाउस

टैक्स नहीं दे सकती। सभी पार्टियों ने इसका जम कर विरोध किया लेकिन अध्यक्ष महोदय, जब हम सारे मिल कर नगर निगम के कमि नर श्री उमा भांकर के पास गए और उनके सामने हम सभी ने इस हाउस टैक्स के बारे में बात की तो उन्हौंने कहा कि आप इसका विरोध बिल्कुल गलत कर रहे है। आप इसका विरोध तो तब करें जब इस सरकार ने इस टैक्स को बढ़ाने की बात की हो। इस सरकार ने हाउस टैक्स 10 गुण बढ़ाने की बात नहीं की है। यह तो जब पिछली सरकार के समय में नगर निगम एक्ट बनाया गया था उस समय इसके चेयरमैंन एक कांग्रेस पार्टी के भूतपूर्व मंत्री उस समय इसका प्रावधान किया था। इसलिए उनकी मेहरबानी से यह हाउस टैक्स लगाया जा रहा है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मुझे आप थोड़ा सा टाईम और दे। मुझे कुछ बाते और कहनी है। अध्यक्ष महोदय, जब हम हाउस टैक्स की बात को लैकर नगर निगम कमि नर के पास गए तो उन्होंने कहा कि आप किस बात का विरोध कर रहे है यह तो पिछली सरकार के समय के एक कांग्रेस पार्टी के भूतपूर्व मंत्री ने प्रावधान किया था। मै कांग्रेस के सदस्यों से पूछना चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी के लोग किस बात का विरोध कर रहे है आपने तो खुद यह हाउस टैक्स लगाया था? कांग्रेस पार्टी के लोगों ने खुद इस टैक्स का लगाने का प्रावधान किया था। फरीदाबाद की जनता के ऊपर हाउस टैक्स ये लगा रहे है, हरियाणा सरकार पर ऐसा आरोप ये भाई थोप रहे थे। जब हमें सारी बातों की जानकारी मिली तब फिर हमने नुक्कड सभाएं की और इन सभाओं के माध्यम से पिछली सरकार ने जो हाउस

टैक्स लगाने की बात की थी, उसकी जानकारी दी। जब पूरी जानकारी मिली तो हम तीनों विधायक मुख्यमंत्री जी से मिले। हमने कहा कि पिछली सरकार की गलती की वजह से फरीदाबाद के लोग 10 गुणा हाउस टैक्स नही दे सकते तो मुख्य मंत्री जी ने उसी वक्त कमला वर्मा जी की ड्यूटी लगायी कि आप इन तीनों विधायकों के साथ बैठकर इस समस्या का समाधान निकाल लें साथ ही यह भी कहा कि जैसे ये तीनों विधायकों चाहते है वैसा कर लें। जो काम पिछली सरकार ने किए थे उनकी फरीदाबाद की जनता नही भूल सकती। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस सम्बधं मे मुख्यमंत्री जी ने जो आदे ा दिए है उससे फरीदाबाद की जनता को हाउस टैक्स के मामले में राहत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मै यह भी कहना चाहूंगा कि यदि पिछली सरकार चुने हुए नुमायनदे आ जाते है तो वे हमारी फरीदाबाद की जनता के ऊपर बहुत बड़ा कुठारघात करते। मै यह अव य कहना चाहूंगा कि जो अच्छा काम इस सरकार द्वारा होगा उसकी सराहना विपक्ष के साथियों को भी करनी चाहिए। आज फरीदाबाद के अन्दर जो काम होने जा रहे है, वैसे आज तक नहीं हुए। जैसे वाटा वाला पुल, रैनोवैल और हाउस टैक्स की बात का समाधान होना कोई छोटी बात नही है। हमारे मंत्री कृश्ण पाल जी के पास कांग्रेस पार्टी के पुराने साथियों के जो उस वक्त मंत्री थे फोन आते है, वे कहते कि चन्द्र भाटिया को रोको यह नुक्कड सभाएं करके हमारी पोल खोल रहे है, इसको रोको। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि जो गलत काम इनके राज में हुये थे उनको ठीक करने में यानी उनको सुधारने में हम

लोग लगे हुए है। वक्त जब ये गलत काम करते थे इनको हो ा नहीं आया।

अध्यक्ष महोदय, अब मै सड़की की बात कहना चाहूंगा। मेरे फरीदाबाद भाहर में अब नई सड़के बननी भाुरू हो गई है। कई जगहों पर सड़को का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है इस काम के लिये मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि वे हमारे फरीदाबाद क्षेत्र की तरफ वि ोश ध्यान दे रहे है।

अध्यक्ष महोदय, पिछे पुलिस की भर्ती हुई। इस बारे में मेरा इतना कहना है कि सरकार की पालिसी के मुताबिक मेरे हल्के के लोगों ने भी इंटरव्यू दिए और उस पालिसी के तहत पुलिस भर्ती हुई इसके लिए मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि वहां के लोगों भी पुलिस भर्ती में चुने गए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज फरीदाबाद के अन्दर इतने काम होने लग रहे है कि जनकी प्र ांसा विपक्ष को भी करनी चाहिए। जो गलत काम पिछली सरकार ने किये थे उनको फरीदाबाद की जनता याद रखेगी। अब वहां पर जो काम होने जा रहे हैं उनको देखते हुए फरीदाबाद की जनता इनको चुनाव में जीत कर भेजने वाली नहीं है। यह तो आने वाला समय बतायेगा कि फरीदाबाद की भलाई के लिए किसन काम किए। वहां से जनता असली लोगों को ही चुनकर भेजेगी। अध्यक्ष महोदय, इस बार भी अगर में चुनकर आया हूं तो अपनी मेहनत से आया हूं अपने लोगो के हकों की लड़ाके लड़ कर आया हूं और पांच विपक्ष मे भी लड़ते रहें है। पिछली सरकार ने भी मेरे

खिलाफ ने भी मेरे खिलाफ 28 झूठे मुकद्में बनाए थे। वे मुकद्मे क्या थे वे जो हम धरने, प्रद र्न और रैलियां किया करते थे। अध्यक्ष महोदय, उन सभी केसों में मुझे कोर्ट ने बाइज्जत बरी किया है। मै यह कहना चाहूंगा कि आने वाले समय में हमारे फरीदाबाद के लिए खु ाहली भरा नया साल है, इसके लिए मैं धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करता हूं तथा इस गवर्नर ऐड्रैस का समर्थन करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता है।

श्री रामफल कुण्डु (सफीदो): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। हमारे माननीय गवर्नर साहब ने यहां पर सरकार के किए हुए कार्यो और आगे जो कार्य करने की योजनाएं थी, वे पढ़ कर सुनाई। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री महोदय ने यह वि वास दिलाया था कि हम हरियाणा प्रदे ा को बाढमुक्त बना देंगे। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा बाढ़मुक्त तो नही हुआ लेकिन बाढयुक्त हो गया है। सबसे पहले मैं यह कहूं कि मेरे हल्के सफीदों में कालवा, भरान, भरताना, लदाना, दडौती, बुढ़डा–खेड़ा और जामनी गांवों की हजारों एकड़ जमीन है जिसमें फसल की विजाई नही हो सकी। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, इन किसानो की फसल बरबाद हुई है। किसी भी ड्रेन पर कोई कार्य नही हुआ है सिर्फ कडुआ गांगोली ड्रेन पर कार्य करने के बाद यह ड्रेन आगे पड़ाना ड्रेन में जा कर गिरती है लेकिन उसकी खुदाई

न होने की वजह से पानी बैंक कोई सम्भावना नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे बड़ी गलती जो कि महकमे ने की है वह यह है कि कालवा से तीन नम्बर ड्रेन खोदी थी जिसकी वहज से पिछला पानी आगे निकल रहा था। बिजली न होने की वजह से या मोटर खराब होने की वजह से वह पानी खेतों में घुस गया। उन खेतों में गन्ना खड़ा है और वह पानी उन खेतों में भर गया है। पिछली पानी आगे निकल रहा था। बिजली न होने की वजह से तीन नम्बर ड्रेन खोदी थी जिसकी वहज से पिछला जो पानी आगे निकल रहा था। बिजली ने होने की वजह से या मोटर खराब होने की वजह से वह पानी खेतों में घुस गया। उन खेतों से गन्ना खड़ा है और वह पानी उन खेतों में भर गया है। पिछले दो महीनें से किसानों के पास खेतों में जाने के लिए कोई बिजली न होने की वजह से या मोटर खराब होने की वजह से वह पानी खेतों में घुस गया। उन खेतों में गन्ना खड़ा है और वह पानी उन खेतों में भर गया है। पिछले दो महीनें से किसानों के पास खेतों में जाने के लिए कोई रास्ता भी नही है। इस बारे म4ें डी0 सी0 जीन्द से लोगों ने बार–बार अनुरोध किया है और सभी महकमों के अफसरों से भी मिल रहे है लेकिन कोई कार्यवाही नही की जा रही है। खेतों में पैदल जाने तक का भी रास्ता बनाया जाए ताकि लोग अपना गन्ना खेतों में खड़ा है और मिल मे ले जा सकें। डिप्टी स्पीकर सर, कालवा और कलावती का रास्ता जो कि पक्का रोड है वह पिछली दो महीने से बिल्कुल बन्द पड़ा है और वहां से आदमी पैदल भी नही जा सकता है इसलिए मै सरकार से

यह कहना चाहूंगा कि इस रास्ते को भी जल्दी से जल्दी ठीक करवाया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै एजुके ान के बारे में बात कहना चाहूंगा। चार अक्तूबर को मुख्य मंत्री महोदय ने सफीदों मे एक जनसभा की थी और वहां पर सिर्फ उन्ही गांवों के स्कूल अपग्रेड करने की घोशणा की गई जिन गॉवो के लोगों ने 51–51 हजार रूपये की मालाएं डाली थी। हर गांव में यह प्रचार किया गया था कि अगर स्कूल अपग्रेड करवाना है तो 51 हजार रूपये की माला डालिये। चाहे वह दडौली का स्कूल था रजाना का स्कूल था रोजड़े का स्कूल था सब में यही स्थिति रही। पांच स्कूलों के अपग्रेडे ान की घोशणा वहां पर की गई थी और वहां पर सभी गांवो की तरफ से 51–51 हजार की मालाएं डाली गई थी। जो वहां पर घोशणा की गई थी उसके अलावा और किसी स्कूल को अपग्रेड नहीं किया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, 51 हजार रूपये की माला भाग–खेड़ा गांव से यह कर डलवाई गई थी कि आपका रास्ता पक्का कर दिया जाएगा। इन गांवों से 20–20 या 21–21 हजार कलैक्ट करने की जिन साथियों की ड्यूटी थी उन्होने पैसा इकट्ठा किया था उसमें से कुछ पैसा उन्होने अपनी जेबो मे भी रखा है, यह बात में दाये के साथ कह सकता हूं। अपाध्यक्ष महोदय, जो हमारा जीन्द–सफीदों मेन रोड पडता है वह भी आज तक टूटा–फुटा पड़ा है और कही पर कोई रिपेयर वर्क नही हुआ फिर लिंक रोडज की रिपेयर तो बड़े दूर की बात है। डिप्टी स्पीकर सर, एक बात मैं डिवैल्पमैंट मंत्री जी से कहना चाहूंगा। गांवों में सरपंचों की ि ाकायतबाजी होती है और उसमें

सारा दोश केवल सरपंच का ही बता दिया जाता है जब कि रिकार्ड में एण्ट्री जे. ई. करता है और उसकी पेमाई ा भी जे. ई. करता है परन्तु उसके लिए कोई सजा होती है तो वह सरपंच भुगतता है। मै यह कहना चाहूगा कि उस में उनको भी दोशी माना जाना चाहिए, क्योंकि पैमाई ा और रिकार्ड में एण्ट्री तो जे. ई. करता है जबकि सरपंच को तो इस बारे में मालूम ही नहीं होता कि क्या एण्ट्री की गई है। अगर उसे मालूम होता भी है तो उस जे. ई. की मिलीभगत से ही होता है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, सफीदों भाहर में सीवरेज का काम चला हुआ था और उन पर 7–8 लाख रूपये खर्च भी हो चुके थे लेकिन उस काम को बीच में ही रोक दिया गया। वहां पर जो पैसा खर्च किया गया वह भी बेकार हो गया है। कृपा करके जो वहां पर काम रह गया है उसको पूरा करवाएं ताकि जो पैसा लगा है वह वेस्ट न हो। इसके साथ ही मै आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु (पेहवा): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। यह जो राज्यपाल महोदय ने 28 तारीख को जो अभिभाशण पढ़ा मै उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, सन् 1967 में जब हरियाणा में चुनाव हुए उस वक्त हम बहुत छोटे थे। जब यह सरकार आई तो उस वक्त जो चुनाव हुए थे तो सभी पार्टियों ने अपने मैनिफैस्टी छापे और जनता के बीच में पहुंचाई थी। हम भी

अपनी पार्टी की तरफ से चुनावों में इसलिए उतरे थे कि हमारी सरकार आएगी। चुनावों के रिजल्ट के बाद जब राजनैतिक तस्वीर सामने आई तो पता चला कि किसी भी पार्टी को सश्ट बहुमत नही मिला है। हमने भी उसके बाद सोचा कि अगर हमारी सरकार नही आई तो किसी और कि हरियाणा से करप ान नाम की जीज खत्म हो जाएगी। लेकिन आज लगता है कि भाजपा और हविपा की सरकार ने तो कांग्रेस से भी वदतर हालात इस प्रदे ा के कर दिए है। उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब का अभिभाशण पढ़ने के बाद मुझे दुःख हुआ कि आज सारे दे ा में तो खालसा पंथ के 300 साला स्थापना दिवस मनाए जा रहे है लेकिन इस विशय में गवर्नर साहब के अभिभाशण में कोई जिक्र तक नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, जब भारत में मुगलों का राज्य था और औरंगजेब की तलवार से हिन्दू सभ्यता खत्म करने की बात चल रही थी उस वक्त गुरू तेग बहादुर सिंह जी ने दिल्ली में जाकर भाहादत दी थी। गुरू गोबिन्द सिह जी ने 13 अप्रैल को खालसा पंथ की नीव रखी थी। आज हम जब 13 अप्रैल 1999 को खालसा पंथ का 300वां स्थापना दिवस ममाने जा रहे है तो हमारे गवर्नर साहब ने अपने प्रदे ा के सिख समाज को इसके लिए कही पर बधाई के तौर पर दो भाब्द भी नही कहे। इसके लिए हमें बहुत दुःख हुंआ। इसके बाद में कृशि के चारे में कहना चाहूंगा और इस बारे में कुछ सुझाव देना चाहूंगा। आज गन्ने के बारे में किसानों के साथ बहुत ही बड़ा भेदभाव किसा जा रहा है। किसानों से गन्ने की ढुलाई का खर्चा काटा जा रहा है जो कि बहत ही गलत बात है। उपाध्यक्ष महोदय,

पिछले साल जो वे मौसमी बरसात आई उससे किसानों की बहुत ज्यादा जीरी खराब हुई लेकिन उस महोदय, पिछली साल जो वे मैसमी बरसात आई उससे किसानों की बहुत ज्यादा जीरी खराब हुई लेकिन उस वक्त सरकार की तरफ से उस जारी को उठाने को कोई भी इंतजाम नही था जिसकी वजह से किसानों की उस जीरी को 200 या 250 रूपये प्रति क्विंटल में बेचना पड़ा। इसलिए सरकार को चाहिए कि मौके पर ही पहले से सरकारी एजेसियों को किसानो की फसलों को उठाने के लिए तैयार रहने का कहना चाहिए। दवाईयों के बारे मं भी एक बात मै कहना चाहूंगा कि आज एक–एक दवाई का भाव एक–एक हजार रूपये तक है लेकिन इतीन मंहगी होने के बावजूद भी इस बात की कोई गांरटी नही कि वह दवाई ठीक भी है या नही इसलिए सरकार को इस बारे में ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा अब मै सड़कों के बारे में भी दलाल साहब से कहना चाहूंगा कि मलाई खाने वाले जी लोग थे वे तो अब चले गए और उसके अलावा अब मै सड़को के बारे में भी दलाल साहब से कहना चाहूंगा कि मलाई खाने वाले जो लोग थे वे ता अब चले गए और उसके बाद यह यह मरा हुआ सॉप आपके गले में डाल दिया। अब आगे इस बारे में क्या करेंगे वह तो समय ही बताएगा। लेकिन आज प्रदे ा में सड़को की बहुत बुरी हालत है खासतौर से विपक्ष के सदस्यों की कांस्टीच्यूएंसीज में तो इस बारे में बहुत ज्यादा भेदभाव वरता जा रहा है। इस मामले में न तो कोई कसर भजन लाल जी ने छोड़ी और न ही यह सरकार छोड़ रही है। यह नही होना चाहिए क्योंकि सरकार

बनने के बाद तो वह सबकी होती है न कि केवल सता पक्ष के विधायकों या मंत्रियों की होती है। आज हमारे साथ इस मामले में बड़ी अनदेखी की जा रही है। मेरे पेहवा हल्के में सड़के टूटी पड़ी है। मेरा आज जब इस बारे में क्वै चन आया था तो उसके जबाव में मंत्री जो द्वारा कहा गया कि कोई सड़कें मेरे यहां नहीं बन रही है। पेहवा भाहर के लोग सरकार को सबसे ज्यादा मर्किग फीस देते हैं लेकिन वहां की सड़को पर एक पैसा भी खर्च नही होता है। पिछले आठ साल से हमारे साथ बहुत भेदभाव हो रहा है क्योंकि कोई भी नयी सड़क वहां पर नही बन रही है। इस तरह से हमारे भाहर में सीवरेज का भी बहुत बुरा हाल है। वहां पर गांधी नगर नाम की एक कालोनी है, एवं माडल टाऊन का जो एरिया है उसमें थोड़ी सी भी वारि ा होने के बाद पानी इकट्ठा हो जाता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वहां पर पानी निकलवाने की व्यवस्था करें। वहां स्ट्रीट लाईट्स का भी प्रोपर इंतजाम नही है इसलिए सरकार इस तरफ भी ध्यान दें। इसके अलावा हमारे भाहर में जो सरस्वती तीर्थ है इंतजाम नही हैं इसलिए सरकार इस तरफ भी ध्यान दें। इसके अलावा हमारे भाहर में जो सरस्वती तीर्थ है उसमें भी साफ पानी नही है सरकार को चाहिए कि उसमें भी साफ चलते हुए पानी की व्यवस्था करवाए। इसमें सारे हिन्दुस्तान से लोग स्नान करने के लिए आते है। हिन्दू सभ्यता और संस्कृति के मुताबिक अगर किसी इंसान की मौत चारपाई पर हो जाए तो उसको यहां स्नान करवाना जरूरी माना जाता है। इसलिए सरकार इस तरफ भी ध्यान दे। वैसे तो कहने

को कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड है लेकिन हमारे पेहवा में कोई भी विकास कार्य नही हो रहे है। इसके अलावा मैने क्वै चन स्कूलौं से संबंधित दिया था लेकिन उसका कोई संतोशजनक जवाब नहीं आया। हमारे यहां के स्कूलों की जा बिल्डिंग है खासतौर से गुमथला के स्कूल की, वह पिछले दस सालों से अनसेफ हो चुकी है। इसलिए मैं ि ाक्षा मंत्री जी न अनुरोध करूंगा कि वे इस तरफ ध्यान दें। वैसे मै इनका इस बात के लिए धन्यवाद कि इन्होंने वहां के स्कूल को दसवीं से बढ़ाकर दस जमा दो का कर दिया है लेकिन उसकी बिल्डिंग की हालत अभी भी खराव है वारि ा के समय में वहां के बच्चों की या तो छुट्टी करनी पड़ती है या कही और बिठना पड़ता है। इसलिए वहां एक नयी बिल्डिंग बनायी जाए। हमारे यहां के स्कूलों में स्टाफ को भी बहुत कमी है। पिछले सै ान में मेरे एक क्वै ाचन के जवाब में मंत्री जी ने भी स्टाफ की कमी को माना था और यहां के स्कूलौं की एक भी पोस्ट को फिलअप नहीं किया गया है। वहां पर स्कूलों में जो पोस्ट्स सैक्संड थी उनको भी खत्म करके दूसरी कांस्टीच्यूएंसीज के स्कूलों को दे दी गई है। इसलिए ि ाक्षा मंत्री महोदय मै अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में ध्यान दें। इसी तरह से इस सरकार ने अपने चुनाव मैनीफैस्टो में बिजली के बिलों के बारे मं वायदा किया था कि 6 महीने के बाद बिना व्याज के लिए जाएंगे लेकिन ऐसा नही हुआ। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह अपना किया हुआ वायदा हुआ वायदा पूरा करे। किसान की जीरी की फसल खराब होने की वजह से और गेहूं की दो बार बुवाई करने

की बजह से किसानों पर बहुत बोझ पड़ा है। उसके बारे में से सरकार से अनुरोध कंरूगा कि इस डेट की फरवरी महीने तक बढ़ा दे।

श्री अतर सिह सैनीः आपकी इन्फामें ान के लिए बताना चाहता हूं कि यह डेढ कि यह 28 फरवरी तक ऐक्सटेंड कर दी है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधुः धन्यवाद जी, इसके साथ ही में निवेदन करना चाहूंगा कि प ुपालन मंत्री जी यह बैठे है मेरे गांव हसनपुर में बिल्डिंग तो है लेकिन डाक्टर नही है आपके बारे में मेरी धारणा थी कि आप बड़े दिलेर आदमी है आपने सरकार की ज्यादतियों का विरोध किया था आपके बार ब्यान आए थे कि आपने सांप के मुंह पर पैर धर दिया है और आज बार–बार यह बात आपने हमारे बारे कहीं कि चौधरी देवीलाल के प्रका ा सिह बादल के साथ संबंध है और एस0 वाई0 एल0 नहर बननी चाहिए। (घंटी)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(I) प ुपालन मंत्री द्वारा

प ुपालन मंत्री (श्री जसवन्त सिंह): आन ए प्वाइंट पर्सनल एक्सपलेने ान सर, में अब भी यह बात कहता हूं कि आप हरियाणा के किसान को कहते है कि हम एस0 वाई0 एल0 का पानी लाएगे, एस0 वाई0 एल0 हम बनवाएगे उधर आकाली दल

जिसके नेता प्रका ा सिंह बादल है उनके साथ आपकी मिलीभगत है आप हरियाणा के किसान को असत्य बात कह रहे है, उन्हे धोखा दे रहे है इसलिए आपकी बातों मे लोग नही आते है। हरियाणा और पंजाब दोनों के लिए थीन डेम बनना था। आपकी पार्टी ने उसकी कंस्ट्रक ान का सारा काम पंजाब को दे दिया आज पंजाब की सरकार थोन डेम बना रही है और जब हरियाणा के लोग आपने हिस्से का पानी मागेगे तो पंजाब वाले कहेंगे कि डैम हमने बनाया है। इस किस्म की हेराफरी आप हरियाणा के किसान के साथ कर रहे है। (विघ्न) मै सरदार प्रका ा सिंह बादल की कोई व्यक्तिगत बात नही कहता। वे कहते है कि हरियाणा के पानी को ले जाने के लिए जो नहर बनाई जाएगी उसको हम बंद कर देंगे, अपनी ताकत से बंद कर देंगे। उसके फाईनैंस मिनिस्टर कंवलजीत सिह भी यही कहते है और एक तरफ आप उनसे अपनी बातचीत कहते है और जब चौधरी देवी लाल जी का राज था तो उन्होंने उनको गुड़गांव में 20 एकड़ जमीन दी जमीन दी जिसकी मार्किट प्राईज आज 100 करोड़ से ऊपर होगी। जो लोग हरियाणा का पानी रोकते ळै उनको आप गुड़गांव के अन्दर जमीन देते है, वो जमीन न मेरी है न आपकी है वह जमीन हरियाणा के गरीब किसान की जमीन हैं (विघ्न) सरदार प्रका ा सिंह बादल से मेरा व्यक्तिगत कोई मतभेद नही है वे तो मेरे पिताजी के बेटे जैसे थे। मेरे पिताजी जब ज्वाइंट पंजाब में मंत्री थे तो बादल साहब मेरे पिताजी के घुटनो को हाथ लगाते थे। उनके गांव के हाई को रोकने की जो भी बात करेगा उनसे हमारा व्यक्तिगत विरोध नही

है लेकिन हरियाणा के किसान के पानी को रोकने की जो भी बात करेगा उनसे हमारा कोई समझौता नही। दिल से तो यह बातें आप भी जानते हो, लेकिन फसे हुए हो मेरे भाई आप बैठे रहो।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Deputy Speaker: Is it the sense of the House that the time of the House be extended by half an hour?

Voices: Yes. yes

Mr. Deputy Speaker: The time of the House is extended upto 9-30 p.m.

वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (पुनरारम्भ)

(ii) श्री संपत सिंह द्वारा

श्री संपत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी व हमारी बारे में इन्होने जो बातें कही है उनके बारे में मै पर्सनल एक्सपलेने ान देना चाहता हूं। इनके पिता जी चौधरी सूरजमल जी का बाकई में कोई मुकाबला नही है उन्होने स्टेट के लिए बहुत कुछ किया। उनमें कोई कसर नही थी परन्तु जब औलाद ही माड़ी निकल गई तो उसका क्या करे? डिप्टी स्पीकर सर, इन्होंने एक बार बिजली मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। तब पता नही ढाई–ढाई किलों की गालियां सी0 एम0 साहब को और सारी सरकार को कार्य प्रणाली को देते थे। उसके बाद ने जाने इनको क्या सांप सूघे गया कि केवल मात्र कुर्सी के लिए क्यों वे चुप हो

गये क्योंकि ये थोड़े दिन भी कुर्सी से अलग नही रहना चाहते थे। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर सर, मेरी सुनिये, हमने सता पक्ष की हर बात सुनी है अब इनको भी हमारी बातें सुननी पड़ेगी। जो आदमी अपना धर्म व ईमान बेचकर पहली वाली बातों को भूलाकर वापस उसी जगह पर आ जाये और जिनको मुख्य मंत्री जी मूर्ख कह चुके हो, वो आदमी भी विधान सभा में बोले उसे यह भाोभा नही देता है।

श्री उपाध्यक्षः आप इनकी किस बात का जबाव दे रहे है?

श्री संपत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै एस0 बाई0 एल0 नहर के बारे में कहा रहा हूं। (विघ्न)

(iii) प ाुपालन मंत्री द्वारा

प ाु पालन मंत्री (श्री जसवन्त सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, मै आन ए प्वायंट ऑफ पर्सनल एक्सप्लेने ान पर बोलना चाहता हूं। सर, ये कहते है कि औलाद माड़ी है। किस आदमी कि औलाद केसी निकली है मै उन बातों में नही जाना चाहता था। मैं राजनीति में काम करता हूं और किसी के एक पैसे की भी बेईमानी करू तो भगवान मुझे कोढी बना कर मारे। हमारा जो घर आज से तीस साल पहले था जैसा भी चाहे छोटा या बड़ा था वैसा ही आज है। प्रोफैसर साहब के पहले दो कमरे थे और ये मेरे पास रहते थे, आज इसकी 40 व 50 लाख की कोठी ह वह कहां से

आई है और ये मेरे से बात करते है इनकी पार्टी के सदस्य मेरे से बात करते रहते है। वे कहते है कि प्रौफेसर साहब अभी ता फंसे हुये है किसी दिन निकल जायेगे। इस बातों में मै नही जाना चाहता। आप मेरे को रोके नही मै इनकी पूरी बाते बता दूंगा। (विघ्न)

(iv) श्री सम्पत सिंह द्वारा

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, वि वास उन आदमी की बातों पर किया जाता है जिसकी बात में कुछ दम हो। ये तो ऐसी किस्म के आदमी है कि पता नही दिन में कितनी बार बात बदलते है। बाद तो सामन्त लोगों की कहते है और ढाई बीघा जमीन की आड़ ले लेते है यह कैसी घटिया बात है। इनके पिताजी छः महीने ही लोक निर्माण मंत्री रहे थे उसी दौरान में छःछः कोठिया हिसार और चण्डीगढ़ में बनाई और आज चौधरी जगन नाथ जी को बदनाम करते है कि हिसार में कोठी बनाई है। इसके (जसवन्त सिंह के) पिताजी जब लोक निर्माण मंत्री थे तो उन्होने छः कोठिया बनाई थी। क्या इनके पास पहले कोई जायदाद थी एक ढाई बीघा जमीन की कमाई से क्या कोठिया बनाई जाती है? दूसरी बात में एम0 वाई0 एल0 नहर के बारे में कहना चाहता हूं। जब चौधरी बंसी लाल जी विपक्ष में थे और चौधरी भजन लाल में एस0 वाई0 एल0 का जिक्र किया था। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) तब 13 जुलाई 1992 को चौधरी बंसी लाल ने यह दलील दी थी कि चौधरी देवी लाल जी के समय

में काम हुआ है जोकि 91 प्रति ात तक हो गया था यह सब एसैम्बली की कार्यवाही में लिखा हुआ है अध्यक्ष महोदय, जहां तक काम करने की बात है, तथा ताल्लुकात की बात है, ताल्लुकात सब का है हर आदमी की चुनावी एडजस्टमैंट होती है जैसा मैने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब में अकाली दल के साथ कि, हरियाणा में हरियाणा का विकास पार्टी ने भाजपा के साथ की। केन्द्र में भाजपा व हविपा को हम भी स्पोर्ट कर रहे है। लेकिन राज्य इंट्रस्ट की बात अलग है। भाजपा पंजाब में कहती है कि हम नहर नही बनने देंगे, वहां की कांग्रेस पार्टी व सी0 पी0 एम0 भी कहती है कि नहर नही बनने देंगे, वहां पर हमारी भी पार्टी होगी तो वह भी बात कहेगी कि नही बनने देंगे। हर पार्टी का अपना–अपना राजनैतिक इंट्रस्ट होता है। इसी प्रकार से हरियाणा की राजनैतिक पार्टियां भी कहेंगी कि पंजाब में नहर बननी चाहिए। अब कौन उस नहर को बनाएगा, कब बनाएगा, क्या होगा कोई नही जानता। लेकिन इंट्रस्ट सब का अपना–अपना है। मै यह नही कहता हूं कि विकास पार्टी का इंट्रस्ट नही है, भाजपा का इंट्रस्ट नही है। (विघ्न) इनका भी इन्ट्रस्ट है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जयविन्द्र सिंह सिन्धुः अध्यक्ष महोदय, मै श्री जसवन्त सिह जी का सम्मान करता हूं तथा 6–7 महीने से जिस बात को ये बोल रहे थे उस संबंध में मै कहना चाहता हूं किः–

बहुत भाोर सुनते थे पहलू में दिल का,

जब चीरा तो कतरा ए खून निकला।

अध्यक्ष महोदय, मै सिर्फ दो–तीन बातों की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। एक तो कुछ दिन पहले जब मै कुरक्षेत्र के सरकारी हस्पताल में किसी मरीज को देखने के लिए गया था तो पता चला कि वहां पर कोई भी डाक्टर उपलब्ध नही था। पूछने पर पता चला कि वहां पर 8 एम0 बी0 वी0 एस0 डाक्टरों की नियुक्ति है लेकिन सभी कोर्ट में एवीडैंस पर गए हुए थे। जी0 टी0 रोड़ कुरूक्षेत्र के नजदीक होने की वजह से एक्सीडैट्स के बहुत केसिज वहां पर आते रहते है तथा दूसरे पेहोवा और भााहवाद की तरफ से भी वहां पर पोस्टमार्टम के केसिज आते है। इसलिए डाक्टरों को ऐसे केसिज मे एवीडैंस के लिए कोर्ट्स मैं जाना पड़ता ही है। अध्यक्ष महोदय, मुझे पता चला है कि सरकार की तरफ से ऐसी कोई हिदायतें जारी हुई है कि सब–डीवीजन लेवल पर सी0 एच0 सीज है, उन में पोस्टमार्टम होने चाहिए। सरकार को इस के बारे में गौर करनी चाहिए कि इन हिदायतों पर कार्यवाही हुई है अथवा नही? अध्यक्ष महोदय, 300 साला खालसा स्थापना दिवस आजकल मनाया जा रहा है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकारी तौर पर इसको मनाया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आपको पता नहीं कि कुरक्षेत्र में खालसा दिवस सरकार की तरफ से मनाया जा रहा है। इस बारे मे मीटिग्ंज भी हुई है। क्या आपने अखबारों में नही पढ़ा है? (विघ्न)

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): अध्यक्ष महोदय, सरदार गुरचरण सिंह टोहरा जी के साथ तो 27 गांवो में मै भी था जब हरियाणा में सबसे पहली यात्रा सिरसा के गुरूद्वारा से प्रारम्भ हुई थी। झोरड़ गई आखरी गांव तक गया था, जहा गुरू गोबिन्द सिंह जी ने ठहराव किया था।

21.00 बजे

श्री जसबिन्द्र सिंह सिन्धुः अध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा के जितने भी पट्टेदार है चाहे वे सिख है, या कोई और है अथवा फौजी पैं ानर व स्वतंत्रता सेनानी है। मंड में रहने वाले लोगों को जैसे पंजाब सरकार ने उन लोगों से 5000 रूपए प्रति एकड़ के हिसाब से लेकर उनको मालिकाना हक दिया है, उनको भी पंजाब सरकार की तरह से मालिकाना हक दिया जाए। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहता हूं कि श्री निर्मल सिंह जी के इलाके में और मेरे इलाके में जो पंजाब के साथ लगता है उसमें बाढ़ आ जाती है। पंजाब के लोगों ने अपनी तरफ बांध बन लिया है। इस प्रकार से यह पानी हमारे एरिया में नुकसान करता है। मेरी गुजारि ा यह है कि पंजाब के बार्डर पर एक छोटी सी ड्रेन खोदकर यदि उस पानी को मारकंडा नदी में डाल दिया जाये तो

इन इलाको का बहुत बचाव हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि पेहावा बस स्टैड के साथ पिछले 40–45 सालों से कुछ लोग खोखे वाले बैठे है जिस जमीन मे वे बैठे है, वह हुड्डा की है। हुड्डा द्वारा उस जमीन को पोजै ान लेने के लिए कोर्ट में केस चल रहा है। मेरा अनुरोध है कि उन गरीब लोगों को वहां से इस प्रकार नही उठाया जाए कि वे उजड़ जाए। अध्यक्ष महोदय, उनकी है कि उन गरीब लोगों को वहां से इस प्रकार नही उठाया जाए कि वे उजड़ जाए। अध्यक्ष महोदय, उनको सस्ती दरों पर जमीन अलाट की जाये ताकि वे किस्तो द्वारा सरकार को पैसा देकर यहां रह सके। कृशि मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि गांवो मे जो गन्ने के कण्डे लगाये हुए है वे बहुत छोटी केपसिटी के है। किसान को वहां पर अपने ट्रैक्टर से ट्राली हटाकर गन्ना तुलवाना पडता है जिसके कारण वहां बहुत सी दुर्घटनाए होती रहती है। बहुत से लोगों को चोटें लगी है किसी का हाथ कट गया और किसी का पैर कट गया क्योंकि हर ट्रैक्टर की लिफ्ट ठीक नही होती है। एक बार ट्रैक्टर को ट्राली से निकाल लिया जाये तो दोबारा साथ जोड़ना बहुत मुि कल हो जाता है। कृपया कृशि मंत्री इस ओर भी ध्यान दे।

श्री रामपाल माजराः (पाई): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं और माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाशण

में खेलों के बारे में काफी कुछ लिखा हुआ है कि हमने खेलों के लिए काम किया वह काम किया लेकिन हकीकत में कुछ भी काम नही किया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहता हूं कि अभी एि ायाड में खेल हुए थे और हरियाणा प्रदे ा खिलाड़ियों ने वहां बहुत अच्छा प्रद र्न किया और उन्होंने बहुत सी विजय हासिल की। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा की जनता में तो खिलाड़ियों के लिए बहुत ज्यादा इज्जत है। जब कहीं कुि तयों का दंगल होता है और खिलाड़ी खेलते है तो दूर–दूर से लोग खेल देखने के लिए आते है। जो पहलवान जीतता है उसको लोग ऊपर उठा लेते है और उसको अपनी जेब से पैसा निकालकर देते है तथा वह खिलाड़ी झूमता हुआ ग्राउंड के चारो चक्र लगाता है। अध्यक्ष महोदय, मै आपको माध्यम से हरियाणा सरकार का नाम रों ान किया है। हरियाणा की सरकार ने उनके सम्मान में कुछ नही किया और न ही उन्हे सम्मान के रूप मे कुछ दिया। जैसा कि आपको मालूम है कि भारतवर्श की कबड्डी की टीम में हरियाणा प्रदे ा के चार खिलाड़ी है और इसी टीम ने लगातार एि ायाड में तीन बार स्वर्ण पदक जीता है लेकिन इन खिलाड़ियो के सम्मान में हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने कुछ भी नही किया। इसके अतिरिक्त भारत वर्श की लड़कियों की हाकी टीम में प्रीतम डाकरा, कैप्टन सुनिता दलाल और कमला दोनों बहनों सहित पांच लड़कीयों हरियाणा से थी। गोला फेंकने में भाक्ति सिंह था और डिस्क ा–थ्रो मैं अनिल कुमार ने रजत पदक जीता है लेकिन मेरे

इन सता पक्ष के भाईयो ने उन्हें अपनी जुबान से बधाई भी नही दी।

खेल मंत्री (श्री राम स्वरूप रामा): अध्यक्ष महोदय, हम अन्तर्राश्ट्रीय खेल अवार्ड या अर्जुन अबार्ड के लिए हर साल पांच खिलाड़ियो को चुनते है। उनको पूरा मान–सम्मान देते हैं तथा उनको इनाम भी दिया जाता है।

श्री सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इन्होने उन खिलाड़ियों के लिए क्या किया जिन्होंने एि ायाड में पदक जीते है?

श्री राम स्वरूप रामाः अध्यक्ष महोदय, हमने इन खिलाड़ियो को भी राणानित करने के लिए विचार किया है और जो भी इनका हक बनता है वह इनको दिया जायेगा। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, जिस टीम ने एि ायाड में पदक जीता है उसमें हरियाणा के बच्चे ज्यादा थे माजरा साहब की यह बात बिल्कुल सही है। कबड्डी की टीम मैं चार खिलाड़ी हरियाणा के थे जिनमें से एक खिलाड़ी मेरे पड़ोस के गांव झोझू का रामबीर था जिसको मैने 26 जनवरी के दिन रोहतक में सम्मनित किया था उस दिन में रोहतक में 26 जनवारी का झंडा लहराने गया था। हम इन सभी खिलाड़ीयों को 50–50 हजार रूपये हरियाणा सरकार की तरफ से दे रहे हैं तथा उनका मान सम्मान भी करने जा रहे है।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, 50–50 हजार रूपये से तो कुछ भी नही होता जबकि पंजाब सरकार ने तो प्रत्येक खिलाड़ी को पांच–पांच लाख रूपये दिलवायें।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जो खिलाड़ी एि ायाड में गोल्ड मैडल जीतकर लाये है उनको हमारी सरकार एक–एक लाख रूपये और जो रजत पदक जीतकर लाये है उन्हें 50–50 हजार रूपये हमारी सरकार बतौर इनाम दे रही है। (विघ्न) यह रूपया उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए दे रहे है ताकि वे भविश्य में भी पदक जीतें और हरियाणा का नाम रो ान करें। इसके अलावा उनके कोचों को भी 25–25 हजार रूपये दे रहे है।

श्री सम्पत सिंहः क्या आप उनको जॉब भी देंगे और जो जॉब में है उनको प्रमो ान देंगे?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जॉब के बारे में अभी कुछ नही किया है, वह बाद की बात है और भौक्षणिक योग्यता बगैरा उनकी जो भी होगी, उस हिसाब से देखेंगे।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, कबड्डी की टीम जो फस्ट आई है उसमे हरियाणा के चार लड़के है, इनसे पहले भी हरियाणा का एक लड़का ओम प्रका ा कबड्डी की टीम में था और वह टीम गोल्ड मेडल लेकर आई थी, उसी के गांव का ही एक लड़का भाम ोर है जो इस बार कबड्डी की टीम में था और यह टीम भी गोल्ड मैडल जीत कर आई है। यह लड़का भी पुलिस

में सिपाही है। स्पीकर सर, मेरी आपसे सबमि ान है कि इसको भी प्रोमोट करके इन्सपैक्टर बनाया जाना चाहिये। इस बारे में कैबिनेट की भी एक सब–कमेटी बनाई गई थी और कैबिनेट के सामने भी यह बात आई थी। इसलिए स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से सरकार से अपील करना चाहूंगा कि जो इस तरह के लड़के गोल्ड मैडल या सिल्वर मैडल लेकर आये है उनमें से जो जॉब में नही उनको जॉब देनी चाहिये और जो जॉब में पहले से हैं उनको प्रोमो ान देनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, श्री रामा जी यहां हाउस में बैठे है मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि केवल एस्ट्रो टर्फ पर हाकी के नै ानल टूर्नामैंट करवाये जाते है। हरियाणा की जूनियर वूमैन टीम फस्ट हो या जूनियर वूमैन टीम सैकेण्ड हो, इनके जितने भी टूर्नामैंट होते है चाहे वो मोनसीह मैमोरियल में हो या जगत नारायण मैमारियल में हो उनको पूरी–पूरी सुविधायें दी जानी चाहियें। परन्तु एस्ट्रो टर्फ सुविधा हरियाणा में नहीं है, यह तुरन्त लगनी चाहिए। पंजाब में एस्ट्री टर्फ दस जगह होगो जबकि हरियाणा में कही भी नही है। इन खिलाड़ियों को समय–समय पर ओनर देने चाहियें जैसे चौधरी जगन नाथ भी रैसलिंग के बारे में बता रहे थे। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से आपके माध्यम से अपील है कि ये जो हमारे ट्रेडि ानल गेम्ज के चाहे हाकी हो, कबड्डी हो या वालीवाल हो, रैसलिंग हो, इनकी ओर ध्यान दिया जाये वरना तो धीरे–धीरे ये सब गेम्ज वैनि ा हो रहे है। श्री रामपाल माजरा जी बोल रहे हैं उसके अलावा मेरी यह अपील है।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, हरियाणा प्रदे ा की सरकार से मैने पहले भी अनुरोध किया था कि हरियाणा में ट्रैक्टर के ऊपर 4.5 प्रति ात सेल टैक्स लगता है जबकि हिमाचल प्रदे ा में डेढ़ प्रति ात, पंजाब में दो प्रति ात, चण्डीगढ़ में भी दो प्रति ात सेल टैक्स लगता है और ट्रैक्टर के सपेयर पार्ट्स के ऊपर हरियाणा प्रदे ा में 10 प्रति ात सेल टैक्स लगाया जाता है जबकि राजस्थान में चार प्रति ात और ट्रैक्टर पर पां.च–सात हजार रूपये फालतू देने पड़ते है। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मै यह कहना चाहता हूं कि पहले तो हरियाणा मंत्रीमण्डल ने यह यह किया कि जैन कार खरीदनी नही चाहिये कि इससे अपराध होते है और उसके बाद मंत्री मण्डल का फैसला आया कि जैन कार पर टैक्स कम कर दिये है और अच्छा होता कि हरियाणा सरकार जैन कार की बजाय ट्रैक्टर पर सेल टैक्स कम करती और पड़ोसी प्रदे ाों के मुकाबले ही कर देती जिससे किसानों को सहूलियत मिल जाती है और बढ़िया काम हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, आज किसान की हालत खराब होती जा रही है। 1929 में ग्राम व कृशि उद्योग की रिपोर्ट में आया था कि किसान ऋण में जन्म लेता और ऋण प्रस्तता में जीवन बिताता है और इसी में ही मर जाता है। एन0 एल0 श्री वास्तव अतिरिक्त सचिव, कृशि मंत्रालय, भारत सरकार ने बताया है। कि पंजाब का किसान 60 प्रति ात और हरियाणा का किसान 45 प्रति ात साहूकारों का कर्जदार है जिसका वह 24 से 36 प्रति ात ब्याज देता है और पंजाब में 5700 करोड़ तथा हरियाणा में 3600 करोड़ रूपये के

किसानों के ऊपर कर्जे है जो कि कूल ऋण का पंजाब में 4.71 प्रति ात और हरियाणा में 5.76 प्रति ात है। यही वजह है कि आज किसान साहूकारों से ऋण लेने को मजबूर होता है और साहूकारों के कर्जे में डूबा जा रहा है और किसान पर कर्जे की परत पर परत जमती चली जा रही है। इसलिये में आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि ये जब पोलिसी बनायें तो कर्जारहित पोलिसी बनायें अन्यथा किसान पीढी दर पीढी कर्जे में दबता चला जायेगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में सेम का समस्या सबसे ज्यादा है और सेम की समस्या के कारण हरियाणा प्रदे ा की 108 लाख एकडद्य भूमि जो कि 54 प्रति ात बनती है उस वृत में यानी उस सर्कल में आती है जहां पर फलड और सेम आती है। अध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके में एक कसान ड्रेन है वह उल्टी चलती है जिसकी वजह से पाई, भाना, सेहरदा, करोड़ा कुकराडा, मंडवाल जाखौली, कसान बालू–बाता, बडसीकरी, राजौन्द, किठाना रेहड़ा सोमरी गुलियाना, खरक पाडवा, बवीर खेड़ा रामगढ़, सहारन तितरम, हरसोला आदि गांवों में हजारों एकड़ भूमि है जहां आज भी पानी खड़ा है और अब से नही बल्कि 1995 से है और 1995 से वहां कोई फसल नही हो पाई, इसलिए उन गांवों के की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्पीकर साहब, 1995 में रोहतक जिले के लिए 31 लाख रूपए फलड ग्रांट मंजूर हुई थी। वह सारा पैसा रोहतक और झज्जर जिलों की एपूनिसिपल कमेटीज के कर्मचारियों की तनख्याह देने पर खर्च कर दिया गया।

श्री अध्यक्षः माजरा साहब, अब आप कनकलूड करें।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, मै पांच मिनट का टाईम और लूंगा। स्पीकर साहब, अब मै उतरी हरियाणा, दक्षिण हरियाणा और पि चमी हरियाणा की स्थिति के बारे में बताना चाहूंगा। उतरी हरियाणा में पंचकूला, अम्बाला, यमुनानगर, करनाल, पानीपत, कुरूक्षेत्र केथल आदि जिले आते है। इन इलाको में 1970 में डीप ट्यूबवैल लगा कर मीठा पानी निकाल कर आगमैंटे ान कैनाल में डालने का कार्यक्रम बनाया गया था ताकि पि चमी हरियाणा को पानी दिया जाए। इन इलाको में डीप टयूबवैल्ज लगा कर आगमैटे ान कैनाल में पानी डालने से इलाको का वाटर लैवल 70–80 फुट नीचे चला गया। इन इलाकों का वाटर लैवल नीचे चला जाने के कारण लोगों को सबमसीबल ट्यूबवैल लगाने पड़े। एक सबमसीबल ट्यूबवैल लगाने पर डेढ़ या दो लाख रूपया खर्चा आता है। इसलिए इन इलाको में छोटे किसानों ने ट्यूबवैल लगाने बंद कर दिए। इसके अलावा किसानों के मरने का ग्राफ भी बढ़ा है। कभी कुंए में गैस की वजह से, कभी पट्टा बदलते समय, कभी बिजली के करंट के कारण और कभी सांप के काटने से किसानों की मौत कुए में ही हो जाती है। स्पीकर साहब, दलाल साहब कुछ लिख रहे है। मै सरकार से मांग करूंगा कि उतरी हरियाणा ऐसा इलाका है जहां पर कारणों से किसानों की बहुत ज्यादा मौत हो जाती है इसलिए सरकार उनको मुआवजा देने का काम करें। उतरी हरियाणा में नहरी पानी से सिंचाई पर 176 रूपय

प्रति क्विंटल और ट्यूबवैल से सिंचाई पर 1460 रूपय प्रति क्विंटल अनाज पैदा करने पर खर्चा आता है। उतरी हरियाणा में 6.31 लाख हैक्टेयर भूमि पर ट्यूबवैलों से सिंचाई होती है और 3. 17 लाख हैक्टेयर भूमि पर नहरी पानी की सिंचाई होती है। उतरी हरियाणा में टोटल नलकूप 2,41,000 है। उतरी हरियाणा टोटल अनाज उत्पादन का 42 प्रति ात यानी 46.15 लाख टन अनाज उत्पादन करता है जबकि उतरी हरियाणा के किसानों को नहरी पानी का 22.09 प्रति ात हिस्सा मिलता है इसलिए अनाज उत्पादन पर 17.60 रूपय प्रति क्विंटल ज्यादा खर्चा आता है। यहां के किसानों का अनाज उत्पादन पर 81.24 करोड़ रूपय अतिरिक्त खर्चा करना पड़ता है। इसी तरह से में दक्षिणी हरियाणा का जिक्र करना चाहूंगा। स्पीकर साहब, मै भाई कर्ण सिंह सिंह दलाल और भाई हर्श कुमार को बताना चाहूंगा कि दक्षिणी हरियाणा का भू–जल स्तर 250 से 400 फुट नीचे चला गया है। दक्षिणी हरियाणा में फरीदाबाद, गुड़गांव, महेन्द्रगढ और रिवाड़ी जिले आते है। ये इलाके कुल अनाज उत्पादन का 13.82 प्रति ात यानी 16 लाख टन अनाज पैदा करते है। इन इलाको में 58,000 हैक्टेयर भूमि नहरी पानी से सिंचित की जाती है और 3.03 लाख हैक्टेयर भूमि ट्यूबवैल्ज से सिंचित की जाती है। इन इलाको को नहरी पानी 4.19 प्रति ात मिलता हैं। इन इलाकों में 52,000 ट्यूबवैल्ज है और यहां पर प्रति क्विंटल अनाज के उत्पादन पर 29.18 रूपय ज्यादा लागत आती है। स्पीकर साहब, इसी तरह से मै पि ाचमी हरियाणा का जिक्र करूंगा। पि चमी हरियाणा में रोहतक,

सोनीपत, भिवानी, हिसार, सिरसा और जीन्द आदि जिले आते है जिनमें नीचे का पानी खारा है। इन इलाकों में पानी खारा होने की वजह से कुल उत्पादन का 44 प्रति ात यानी 48.34 लाख टन अनाज पैदा होता है। इन इलाकों में नहरी पानी से 10.07 लाख हैक्टेयर भूमि सिंचित होती है और ट्यूबवैल्ज से 3.70 लाख हैक्टेयर भूमि की सिंचाई की जाती है। इन इलाको में 1,65,000 ट्यूबवैल्ज है और इन इलाकों को नहरी पानी 72.86 प्रति ात मिलता है। स्पीकर साहब, अगर नहरी पानी का बंटवारा परपोसनिटली कर दिया जाए तो इन इलाको मे सेम की समस्या का कुछ हद तक समाधान हो सकता है।

श्री अध्यक्षः माजरा साहब, मै भी इसी एरिया का रहने वाला हूं। आप यह बताएं कि पि चमी हरियाणा को 72.86 प्रति ात नहरी पानी कहां से मिलता है। This is far from truth.

श्री रामपाल माजराः मैने जो जिले आपको गिनाये हैं उन जिलों में से आप कैलकुले ान कर लें। आपको पता चल जायेगा कि किसको कितना पानी मिलता है।

श्री अध्यक्षः आप 72 परसेट वाली बात बताएं। Don't try to misguide the House. आप ये फिगर्ज मिसकोट कर रहे है।

श्री रामपाल माजराः मै मिसकोट नही कर रहा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये फैक्ट्स रिसर्च पेपर में आए है।

श्री अध्यक्षः प्रो0 साहब, अगर ये फैक्ट्स रिसर्च पेपर पर हैं तो आप वह रिसर्च पेपर कल सदन की टेबल पर रखे।

श्री सम्पत सिंहः अगर मिल गया तो रख दैंगे।

श्री अध्यक्षः आप यह बताएं कि भिवानी को 72 परसेंट पानी कहां से मिलता है?

श्री रामपाल माजराः इसमें सिरसा और हिसार जिले भी आते है।

Mr. Speaker: You have every right to say. whatever you like. But don't go beyond the facts. This is far from the facts.

श्री रामपाल माजराः मै फैक्ट्स की बात कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आज हमें हरियाणा प्रदे ा को चौथे स्थान पर होने पर गर्व है। वह किस मामले में चौथे स्थान पर है वह में अभी आपको बताता हूं। मैने पिछले दिनों पार्लियामेंट की कार्यवाही देखी थी। उसमें लालकृश्ण आडवाणी, भारत सरकार के गृह मंत्री ने बताया कि साल के पहले 6 महीने में हरियाणा महिलाओ पर अपराध के मामले में चौथे स्थान पर रहा। उन्हौंने आंकड़े देते हुए बताया कि मध्य प्रदे ा में 7690 घटानांए हुई, उतर प्रदे ा में 7525 घटनाएं हुई, राजस्थान में 6040 घटनाएं हुई। चौथा स्थान पर हरियाणा का नम्बर है जिसमें 1232 घटनाएं हुई। इसी के साथ लगते दिल्ली राज्य के अन्दर ऐसी घटनाओं के

मामले 1181 दर्ज हुए। यह बात पार्लियामैंट के अन्दर एक सवाल के जबाब में एल0 के0 अडवाणी जी ने बताई थी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा मे लॉ–एण्ड आर्डर की क्या पोजी ान है वह भी मै आपको बताना चाहूंगा। प्रदे ा के भाहरी विकास मंत्री सेठ श्री कि ानदास के पोते मधुर गोयल का अपहरण हुआ। पूर्व मंत्री व इंका अध्यक्ष श्री बलबीर पाल भााह पर हमला हुआ। इसी प्रकार से बहादुरगढ़ में एक प्रापर्टी डीलर की हत्या हुई और झज्जर में पेट्रोल पम्प के पास उसकी ला ा मिली। इसी प्रकार से नरवाना में एक व्यापारी की हत्या हुई। हिसार में भी एक वकील की हत्या हुई। फरीदाबाद में राजीव गांधी चौक पर गोलियां चलाई गई जिसमें राजेन्द्र नामक युवक मारा गया जो एक केस में च ाामदीद गवाह था। इसी तरह से हिसार में ही फाईनैंस कम्पनी के मालिक अ वनी जयरथ को उसी के मकान पर गोलियों से भून दिया गया। राजगुरू मार्किट हिसार कम्पनी के मालिक अ वनी जयरथ को उसी के मकान पर गोलियों से भून दिया गया। राजगुरू मार्किट हिसार में ही छुरेबाजी हुई जिस कारण तीन दिन मार्किट बन्द रही 9 अगस्त को झज्जर जिले के अकेड़ी मदनपुर गांव की लड़की का अपहरण हुआ और उसके साथ क्लातूकार हुआ। 10 अगस्त को हिसार के गांव हरिता में चौकीदार खियाराम की गोली मार कर हत्या कर गई। 12 अगस्त को बहादुरगढ़ में रूप आयल कम्पनी के पेट्रोल पम्प कर्मचारी की गोली मार कर हत्या कर दी गई। 4 सितम्बर को जगाधरी में लुटेरों ने एक उद्योगपति मोहन सिह, उनकी पत्नी व कर हत्या कर दी गई। 23 अगस्त को मुढाल

गांव के पास स्थानीय उद्योगपति श्री सती ा व उसके साथी से 80,000 रूपये छीने गए। 24 अगस्त को कैथल के पूंज मोहल्लों से वाला सुन्दरी मन्दिर से चोर भगवान् की मूर्ति का मुकुट बांसुरी व छत्र चुरा ले गए। इसी प्रकार से कुरूक्षेत्र के आढ़ती भाामलाल सिंगला व फकीर चन्द से 75,000 रूपये लुटे गए। कैथल के पास एक ट्रक ड्राईवर व क्लीनर की हत्या की गई पुण्डरी में कार्यरत सिपाही ने पाई गांव एक मास में दो दलित महिलाओं के साथ उनकी इज्जत लूटने का प्रयास किया। इसी प्रकार से कैलराम गांव की महिलाएं अपना विरोध प्रकट कर रही थी तो पुलिस उनको अपनी जीप ने छाल कर ले गई और उनके साथ दुर्व्ययवार किया गया। बहादुरगढ़ में दग विस्फोट से एक रिक ाा चालक घायल हुआ। कैथल में भी बम विस्फोट हुआ जिसमें 30 आदमी जख्मी हुए। कैसे यह बम विफोट हुआ इसका आज तक कोई सुराग नही मिला। इन जख्मी लोगों को सरकार का कोई भी प्रतिनिधी उनको हस्पताल में मिलने नही गया। अध्यक्ष महोदय, पीछे सरकार ने भाराब बन्द कर दी थी। उस वक्त कुछ लोग भाराबबन्दी की आड़ में गलत तरीके से भाराब बेचकर पैसा इक्ट्ठा करते थे। अब भाराबबन्दी के कारण उनको पैसा नही मिल रहा तो अब उन्होंने पैसा कमाने के लिए बन्दूक उठा ली है। रोजाना देसी कट्टे गांवों में सैकड़ो और हजारों की तादाद में मिल जाते है। पहले अगर किसी से एक देसी कट्टा भी बरामद हो जाता था तो आ चर्य होता था लेकिन अब हजारों कट्टे पकड़ें जाते है। परन्तु सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नही होती। स्पीकर सर, यह सरकार

की जिम्मेदारी है कि भयमुक्त व्यवस्था देने का सारा इंतजाम करें। साथी कर्ण सिंह दलाल, हर्श कुमार जी और राम बिलास जी से यह कहना चाहूंगा कि–

''अब तो बदल दो तालाब का पानी

कमल के फूल अब मुरझाने लगे है।''

हरियाणा प्रदे ा के कोने–कोने से इस बात की आवाज आने लगी है। हरियाणा प्रदे ा के सभी साथी आज यहां पर विराजमान है, ये कुछ सोंचे। अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं। (विघ्न) आज हरियाणा प्रदे ा में ट्यू ान एक बीमारी हो गई है। किसी को प्रौक्टिकल का डर दिखा कर ट्यू ान रखी जाती है तो किसी को फेल करने का डर दिखाया जाता है। अध्यापक जिन बच्चों को ट्यू ान पढ़ाते है उनको नौवीं और ग्यारहवीं कक्षाओं में फेल नही करते। इसी प्रकार से हरियाणा प्रदे ा के अन्दर डी0 ई0 ओ0 और डी0 पी0 आई0 के स्तर पर कोई वि ोश ध्यान पढ़ाई की तरफ नही दिया जा रहा है। ि ाक्षा मंत्री महोदय जी ने यह कहा था कि हफ्ते के एक दिन मैं खुद स्कूल में पढ़ाऊगा लेकिन स्पीकर सर, एक दिन तो पंचकूला से और एक दिन कण्डैला से पढ़ाने की खबर आई इसके अलावा इनके कही पर भी होनी चाहिए और इसमें जहां पर भी जो खामियां पाई जाएं या जो कमियां उजगार हो उनको सुधार जाए। सारे हरियाणा प्रदे ा में आज कितने ही स्कूल और

कॉलेजिज ऐसे है जहां पर टीचर्ज नही है। अध्यक्ष महोदय, वि व का लिट्रेसी रेट 77.54 प्रति ात है और इसके विपरीत भारत का लिट्रेसी रेट 52.'21 प्रति ात है और हरियाणा का लिट्रेसी रेट 54. 85 प्रति ात है और कैथल जिले का लिट्रेसी रेट 42.59 प्रति ात है। (विघ्न) स्पीकर सर, प्राईमरी ि ाक्षा को हमें और मजबूत करना चाहिए। प्राईमरी एजुके ान पर पहली पंचवर्शीय योजना से 8वीं पंचवर्शीय योजना तक मात्र 5 प्रति ात की बढौतरी हुई है जब कि उच्च ि ाक्षा पर चार गुना बजट का खर्चा बढ़ाया गया है यानी हायर एजुके ान पर खर्चा ज्यादा किया जाता है लेकिन प्राईमरी एजुके ान पर ज्यादा खर्च नही किया जाता है। दसवीं कक्षा तथा उसके बाद आमतौर पर लोग बच्चों को स्कूलों में जाने नही देते या बच्चे स्कूल नही जाते है लेकिन फिर भी हायर एजुके ान पर ज्यादा खर्च किया जाता है। इसलिए मै आपसे अनुरोध करूंगा कि मुख्य मंत्री महोदय आने वाले सालों में इस बात को गम्भीरता से लें तथा स्कूलों में एन्नुअल इंस्पैक ान जरूर होनी चाहिए तथा प्राईमरी ि ाक्षा को और मजबूत किया जाना चाहिए। स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहूंगा कि टैक्नीकल एजुके ान पर भी ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए। कई स्कूलों में अध्यापक नही है वहां पर भी अध्यापक नियुक्त किये जाने चाहिए। मेरे चुनाव क्षेत्र में करोड़ गांव मै एक बी0 ई0 आई0 (Vocational Education Insticte) है इस Voctiatonal Education Institute के अन्दर 1993 से सी0 जी0 एम0 इन्सट्रक्टर (कर्मि ायल गामैट्स एण्ड ड्रैस मेकिंग) पोस्ट

खाली पड़ी है। 1996 से लाईनमैन के कोर्स मं थ्यूरी इंस्ट्रक्टर और प्रोक्टिकल इंस्ट्रक्टर की पोस्ट खाली पड़ी है। इस प्रकार से वर्शो से जो खाली पड़े है उनका भरवाने का काम किया जाए। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा के अन्दर आज रक्षक ही भक्षक बन गए है और बाड़ ही खेत को खाने लगी है। यह हालत आज हरियाणा में हो रही है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः माजरा साहब, आप जल्दी अपनी स्पीच को कन्कलूड करें।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कह कर और एक भोर सुना कर अपनी स्पीच खत्म करता हूं। स्पीकर सर, मेरा यह कहना है कि इन भाईयों को अपनी आत्मा की आवाज की सुनना चाहिए और जो इनकी आत्मा से आवाज निकल रही है उस पर ये लोग काम करे।

जर्मी बेच देंगे, जमीर बेच देंगे, आि ायॉ बेच देंगे, चमन बेच देंगे,

गुल बेच देंगे, गुलिस्ता बेच देंगे, वे मुर्दो के सर का कफन बेच देंगे,

कलम के सिपाही अगर बिक गए तो, वतन के ये नेता बेच देंगे।

Mr. Speaker: Now the House is adjoruned till 2.00 P.M. tomorrow, the 2nd February, 1999

21.25 Hrs

(The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. tomorrow, the 2nd Febrary. 1999)